हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



फसल को हुआ था भारी नुकसान



खरीफ 2026 में प्रदेशभर से 2.50 लाख से अधिक सूचनाएं, 1.12 लाख निरस्त और 1.38 लाख स्वीकार

अर्नब के बाद अब किसानों के दिल में तूफान, बरबाद फसलों की क्षतिपूर्ति के लिए भेजी 1 लाख 12 हजार अर्जियां रद्द



अर्नब तूफान के चलते बेमौसम बारिश और प्राकृतिक आपदा से फसल नुकसान झेल रहे किसानों के सामने अब फसल बीमा का दावा भी बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। खरीफ वर्ष 2026 में फसल क्षति की सूचना देने वाले प्रदेश के करीब 44.38 प्रतिशत किसानों के आवेदन बीमा कंपनियों ने निरस्त कर दिए हैं।

सचिन अग्रहरि रायपुर- राजनांदगांव

बीमा कवरेज में नहीं आने का हवाला देकर बीमा कंपनियों द्वारा लगातार रिजेक्ट किए जा रहे आवेदनो से किसानों में आक्रोश की स्थिति निर्मित हो रही है। उल्लेखनीय है कि अर्नब तूफान के कारण पिछले 28 से 30 अक्टूबर तक राज्य में तेज आंधी और बारिश से किसानों की फसल बर्बाद हो गयी है। हालात यह हैं कि कई जिलों में करीब 40 फीसदी फसल के खराब होने के आंकड़े सामने आ रहे हैं। इस बीच किसानों ने बीमा कंपनियों के ▶▶शेष पेज 6 पर

हरिभूमि खास

कबीरधाम में सबसे ज्यादा सर्वे लंबित

जिलेवार आंकड़ों में कबीरधाम की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। यहां 83 हजार 329 किसानों ने फसल क्षति की सूचना दी है। इनमें 55 हजार 232 सूचनाएं स्वीकार और 28 हजार 28 निरस्त की गई हैं। जिले में 49 हजार 760 प्रकरणों का सर्वेक्षण लंबित है। वहीं बालोद में 3,356, दुर्ग में 2,167 और धमतरी में 2,189 प्रकरणों का सर्वेक्षण बाकी है।

क्षतिपूर्ति का इंतजार

फसल नुकसान की सूचना देने के बाद बड़ी संख्या में आवेदन निरस्त होने और हजारों प्रकरणों का सर्वेक्षण लंबित रहने से किसानों की चिंता बढ़ी है। किसानों के लिए अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आवेदन निरस्त करने का आधार क्या रहा और वास्तविक नुकसान झेलने वाले किसानों को राहत कैसे मिलेगी।

लगातार रिजेक्ट कर रहे आवेदन

बीमा कंपनियों द्वारा चार कारण दर्शाकर आवेदनों को लगातार रिजेक्ट किया जा रहा है। बीमा कंपनियों ने रिजेक्ट करने के पीछे यह कहा है कि जिस फसल में नुकसान बताया गया, वह बीमा कवरेज में नहीं है। वहीं एक ही फसल क्षति के लिए दोबारा सूचना देना, निर्धारित 72 घंटे की समय सीमा के बाद सूचना देना तथा किसान का आवेदन, खसरा या फसल पीएमएफबीवाय में पंजीकृत नहीं होने का हवाला दिया जा रहा है। अकेले राजनांदगांव जिले की बात करे तो यहां फसल क्षति के 10 हजार 168 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 8 हजार 939 आवेदनों को रिजेक्ट कर दिया गया है।

खबर संक्षेप

एनवीडिया के पूर्व सीईओ पर तीसरे अफेयर का आरोप



कैलिफोर्निया। एआई चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग के तीसरे अफेयर की जानकारी मिली है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हुआंग का चीनी जासूस, कंपनी की अधिकारी किम्बर्ली के अलावा एक और महिला कर्मचारी के साथ रिश्ता था। रॉयटर्स ने मामले से जुड़े 2 लोगों के हवाले से यह जानकारी दी, लेकिन महिला की पहचान जाहिर नहीं की। नवीडिया ने भी इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

शेयर बाजार: 2 लाख करोड़ रुपए हुए स्वाहा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को जोरदार गिरावट का माहौल बना। ग्लोबल मार्केट से मिले मिले-जुले संकेतों, कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल और अक्टूबर की खुदरा महंगाई दर के 6 प्रतिशत के स्तर को पार कर जाने के कारण बाजार पर चौतरफा दबाव दिखा। सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों प्रमुख सूचकांकों ने अपनी पिछले तीन दिनों की तेजी पर ब्रेक लगा दिया। इस गिरावट के कारण बीएसई मार्केट में भारी गिरावट आई है, जो 2.25 लाख करोड़ कम होकर 510 लाख करोड़ पर आ चुका है।

सेवा समाज के प्रति एक जिम्मेदारी : भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि करुणा और संवेदनशीलता ही मानवता और समाज की बुनियाद हैं तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोगों को बिना किसी अपेक्षा के दूसरों की सेवा करनी चाहिए। भागवत ने डॉ. संजय पैठणकर को 'विदर्भ गौरव' पुरस्कार प्रदान करने के बाद अपने संबोधन में कहा, 'सेवा कोई पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। हम केवल अपनी आजीविका कमाने के लिए काम नहीं करते हैं।



मौसमी चटर्जी के पति जयंत मुखर्जी का निधन

मुंबई। दिग्गज अभिनेत्री मौसमी चटर्जी के पति और फिल्म निर्माता-संगीतकार जयंत मुखर्जी का गुरुवार को निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्लूआईसीई) के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने आईएएनएस से बातचीत में उनके निधन की पुष्टि की है। जयंत मुखर्जी के जाने से मौसमी चटर्जी के परिवार के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री में भी शोक का माहौल है। जयंत मुखर्जी और मौसमी चटर्जी का रिश्ता करीब 56 साल पुराना था। दोनों ने उस उम्र में शादी की थी, जब मौसमी महज 15 साल की थीं।

पीएमएलए कोर्ट से रिमांड मंजूर होने के बाद सौरभ चंद्राकर को ईडी ने अपने कब्जे में लिया

सीबीआई के बाद महादेव सट्टे के खिलाड़ी सौरभ पर अब ईडी का फंदा, होगी पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई के बाद ईडी ने महादेव सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को अपने कब्जे में लिया है। प्रोटेक्शन वारंट पर लेने के बाद ईडी ने उसे शुक्रवार को ईडी की विशेष अदालत में पेश कर रिमांड के लिए आवेदन दिया। दोनों पक्षों का बयान सुनने के बाद पीएमएलए कोर्ट ने सौरभ चंद्राकर की सात दिनों की पुलिस रिमांड स्वीकृत की है। आरोपी से पूछताछ करने के बाद सीबीआई ने सौरभ को आठ दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया था। इसके बाद ईडी ने उसी दिन आरोपी को प्रोटेक्शन वांरट तथा रिमांड पर लेने आवेदन पेश किया था।

ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) की धारा 19 के तहत महादेव ऑनलाइन बुक अवैध सट्टेबाजी सिंडिकेट के सह-मालिक और प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को गिरफ्तार किया है। उसे अदालत में 19 नवंबर को पेश किया जाएगा। वह इस सिंडिकेट का पहला प्रमोटर है जिसे भारत वापस लाया गया है। मामले के तथ्यों के अनुसार, सौरभ चंद्राकर और एक अन्य सह-प्रमोटर रवि उप्पल दुबई स्थित हेड ऑफिस से भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में सट्टेबाजी पैनलों की फ्रेंचाइजी के माध्यम से महादेव ऑनलाइन बुक (विभिन्न ऑनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइटें) का संचालन करते थे। खिलाड़ियों का पैसा अन्य लोगों के नाम पर रखे गए बैंक खातों के माध्यम से जाता था और हवाला के जरिए भारत से बाहर भेजा जाता था।

हरिभूमि लगातार



तीन वर्ष पूर्व गैर जमानती वारंट

सौरभ चंद्राकर ने सितंबर 2023 में ईडी द्वारा जारी किए गए समन का जवाब नहीं दिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जांच से बचता रहा। ईडी के आवेदन पर विशेष अदालत ने चार सितंबर .2023 को उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था और इसके तुरंत बाद ईडी के अनुरोध पर इंटरपोल ने भी उसके खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी किया था। वारंट के खिलाफ उसकी चुनौती को बिलासपुर हाईकोर्ट ने 22 मार्च 2025 को खारिज कर दिया था।

190 ठिकानों पर छापे की कार्रवाई

इस मामले में ईडी ने अब तक लगभग 190 ठिकानों पर तलाशी ली है, साथ ही दो हजार करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त या फ्रीज की है और लगभग 35 सौ करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति कुर्क (अटैच) की है, जिसमें से लगभग 18 सौ करोड़ रुपए की संपत्ति विदेश में है, जिसमें दुबई की 22 अचल संपत्तियां शामिल हैं। एजेंसी ने 116 आरोपियों के खिलाफ छह अभियोजन शिकायतें (चार्जशीट) दायर की हैं। सौरभ चंद्राकर इस मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया पंद्रहवां व्यक्ति है।

दुबई में 236 करोड़ की प्रतिभूति फ्रीज

ईडी ने पैनल ऑपरेटरों से लेकर दुबई स्थित मुख्यालय और वहां से हवाला कारोबारियों तथा शेयर बाजार के निवेशकों तक पैसों के लेन-देन का पता लगाया। एजेंसी ने सितंबर 2023 में दुबई की कंपनियों के पास मौजूद लगभग 236 करोड़ रुपए की प्रतिभूतियां (सिक्योरिटीज) फ्रीज की थीं। जुलाई 2026 में ईडी ने विकास गर्ग को गिरफ्तार किया, जिसकी कंपनियों को सट्टेबाजी की कमाई से लगभग 940 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे, जिनमें से लगभग 766 करोड़ रुपए अमेरिकी कंपनी एबिक्स इंक के अधिग्रहण में लगाए गए थे। ईडी ने इस कड़ी में लगभग 941 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। ईडी की हिरासत में सौरभ चंद्राकर का सामना उसके सहयोगियों के बयानों, डिजिटल डेटा, उसकी विदेशी संस्थाओं से संबंधित दस्तावेजों और मनी लांड्रिंग के अपराध के सबूतों से कराया जाएगा।

देवभोग का दूध अब 61 रुपए लीटर, 6 माह में दूसरी बार बढ़ी कीमत



हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

6 माह के अंतराल में देवभोग ने दूसरी बार दूध की कीमतों में वृद्धि की है। इसके पूर्व 29 मई को दूध की कीमतें बढ़ाई गई थीं। नई दरों के मुताबिक अब ग्राहकों को प्रति लीटर 2 रुपए अधिक चुकाने होंगे। अब तक प्रति लीटर 59 रुपए के हिसाब से देवभोग दूध का विक्रय होता था, लेकिन अब 61 रुपए प्रति लीटर की दर से ग्राहकों को भुगतान करना होगा। आधा लीटर दूध के लिए 31 रुपए चुकाने होंगे। 13 नवंबर से बढ़ी हुई दरें लागू कर दी गई हैं। दुग्ध संघ के अनुसार, बाजार की वर्तमान स्थिति तथा उत्पादन लागत में वृद्धि को देखते हुए यह फैसला किया गया है। 29 मई से पहले देवभोग दूध की कीमत 57 रुपए प्रति लीटर थी, जिसे बढ़ाकर 59 रुपए प्रति किलो किया गया। उस वक्त भी उत्पादन लागत में वृद्धि का हवाला दिया गया था। इस तरह से 2026 में अब तक देवभोग दूध के दाम 4 रुपए प्रति लीटर बढ़ चुके हैं।

एक दिन पहले अमूल-मदर डेयरी ने बढ़ाए थे दाम

देवभोग द्वारा दाम बढ़ाए जाने के ठीक एक दिन पहले अमूल व मदर डेयरी ने भी अपनी कीमतें बढ़ा दी थी। इनकी बढ़ी हुई दरें 12 नवंबर से लागू हो गई हैं। पहले अमूल दूध की बिक्री 60 रुपए लीटर के दर से होती रही है, अब इसके लिए 62 रुपए चुकाने पढ़ रहे हैं। इसके अतिरिक्त अमूल ने अपने प्रमुख दूध उत्पादों की कीमतों में भी करीब 4 से 5% तक बढ़ोतरी की है। 6 फीसदी फैट वाले अमूल गोल्ड के दाम में 4 रुपए प्रति लीटर का इजाफा किया गया है। वहीं मदर डेयरी के फुल क्रीम दूध के एक लीटर पैकेट के लिए अब 76 रुपए देने होंगे, जबकि पहले इसकी कीमत 72 रुपए थी। वहीं, टोंड दूध का एक लीटर पैकेट अब 62 रुपए में मिलेगा। गाय के दूध के लिए ग्राहकों को 3 रुपए ज्यादा चुकाने होंगे।

शराब सिंडिकेट का फाइनेंशियल मैनेजर विकास दुबई में गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राज्य के चर्चित शराब घोटाला प्रकरण में लंबे अरसे से फरार चल रहे विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू को दुबई पुलिस ने हिरासत में लिया है। आरोपी सिंडिकेट का फाइनेंशियल मैनेजर होने के साथ ही शराब घोटाला के किंग पिन अनवर ढेबर का करीबी साथी था। उसके द्वारा अवैध कमाई इकट्ठा करने और उसे आगे पहुंचाने में उसकी भूमिका बताई गई है।

- अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में गिरफ्तारी की बात सामने आ रही है

गिरफ्तार आरोपी शराब सिंडिकेट का कैश मैनेजर था। वो घोटाले से प्राप्त आय का हिसाब अपने पास रखता था। ईडी की टीम द्वारा विकास अग्रवाल के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज किए जाने की जानकारी निकलकर सामने आई है। आरोपी के प्रत्यर्पण के बाद पूछताछ में हवाला नेटवर्क और विदेश में बनाई गई संपत्तियों का पता चल सकता है। उल्लेखनीय है कि विकास अग्रवाल का नाम शराब घोटाला में पहले सामने आया था। आरोप है कि अनवर ढेबर के कहने पर सुब्बू काम करता था। जो जानकारी निकलकर सामने आई है उसके मुताबिक विकास अग्रवाल को दुबई पुलिस ने अक्टूबर के तीसरे ▶▶शेष पेज 6 पर

जांच शुरू होने के साथ फरार हो गया था

शराब घोटाले की जांच शुरू होने के साथ ही विकास अग्रवाल को अपनी गिरफ्तारी का भय सताने लगा था। उसने बचने के लिए जांच एजेंसियों की आंखों में धूल झोंकी और दुबई फरार हो गया था। उसके खिलाफ ईडी ने मनी लांड्रिंग मामले में कार्रवाई की थी। इसके तहत उससे जुड़ी 30 करोड़ रुपए की संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की गई हैं। विकास की दुबई में गिरफ्तारी के बाद उसे भारत लाना अहम होगा। इसके लिए संबंधित एजेंसियों को कानूनी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। भारत आने के बाद उससे विस्तार से पूछताछ हो सकती है। इससे सिंडिकेट के दूसरे सदस्यों की भूमिका भी स्पष्ट हो सकती है।

हवाला के माध्यम से विदेश में मनी ट्रांसफर

फाइनेंशियल मैनेजर पर घोटाले की रकम को छिपाने के लिए हवाला नेटवर्क के माध्यम से विदेश भेजने का आरोप है। जांच में हवाला और आंगड़िया कारोबारियों के इस्तेमाल की बात सामने आई है। हवाला के माध्यम से जो रकम विदेश भेजी गई, उसमें दुबई में खपाए जाने की जानकारी जांच एजेंसियों को मिली थी। आरोपी के प्रत्यर्पित होने के बाद वहां संपत्तियों और कारोबार में निवेश की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं।

23 को रायगढ़ में जिला संवाद, होगी मुद्दों पर बात

रायपुर। हरिभूमि-आईएनएच के बहुचर्चित जिला संवाद कार्यक्रम इस बार रायगढ़ में होगा। 23 नवंबर को कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिला संवाद में हरिभूमि समूह के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी अतिथियों से विकास के मुद्दे पर सवाल जवाब करेंगे। वित्तमंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि होंगे।





गौरतलब है, हरिभूमि-आईएनएच जिलों के साथ प्रदेश के समग्र विकास को लेकर लगातार संवाद कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। इस बार रायगढ़ जिले में कार्यक्रम तय हुआ है। दोपहर 3 बजे कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके साथ ही अतिथियों से संवाद का सिलसिला शुरू हो जाएगा। ▶▶शेष पेज 6 पर

सीजीपीएससी की संशोधित चयन सूची अब तीन महीने ही रहेगी वैध, अवधि बढ़ाने पर रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) ने भर्ती प्रक्रिया में संशोधित चयन सूची और अनुपूरक सूची की वैधता को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब ऐसी सूची जारी होने के बाद उसकी प्रभावशीलता अधिकतम तीन महीने तक ही रहेगी। तीन महीने की अवधि पूरी होने के बाद किसी भी परिस्थिति में इसकी वैधता नहीं बढ़ाई जा सकेगी। आयोग ने ▶▶शेष पेज 6 पर

खास खबर

भर्ती प्रक्रिया में संशोधन, अनुपूरक सूची की समय सीमा भी निर्धारित



नई चयन सूची जारी होने पर पुरानी सूची की वैधता समाप्त

नए नियम के अनुसार, रिक्त पदों पर चयन के दौरान संशोधित चयन सूची अथवा अनुपूरक सूची जारी होने की स्थिति में उसकी वैधता तीन महीने अथवा उसी पद के लिए नई चयन सूची जारी होने की तारीख तक रहेगी। दोनों में जो तारीख पहले आएगी, उसी दिन संशोधित सूची की प्रभावशीलता समाप्त हो जाएगी।

न्यायालय के आदेश पर भी तीन महीने की सीमा

आयोग ने न्यायालय के आदेश के पालन में चयन सूची में संशोधन की स्थिति को भी स्पष्ट किया है। यदि पहले जारी चयन सूची के स्थान पर संशोधित चयन सूची जारी की जाती है और कोई पद रिक्त नहीं छोड़ा जाता, तब भी संशोधित चयन सूची अथवा अनुपूरक सूची की वैधता तीन महीने ही रहेगी। नियम में स्पष्ट किया गया है कि तीन महीने की अवधि पूरी होने के बाद किसी भी परिस्थिति में संशोधित चयन सूची अथवा अनुपूरक सूची की वैधता नहीं बढ़ाई जाएगी। यह संशोधन चयन सूची के प्रभावी रहने की अवधि को निर्धारित करता है।

पुलिस, बैंक-एयरलाइन पर असर, अरबों का नुकसान

माइक्रोसॉफ्ट में खराबी, भारत सहित 74 देशों में कामकाज ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट के सिस्टम में आई तकनीकी खराबी ने कुछ ऐसा ही संकट खड़ा कर दिया। भारत समेत दुनिया के 74 देशों में सरकारी संस्थानों, बैंकों, अस्पतालों, स्कूलों और एयरलाइंस का कामकाज प्रभावित हुआ।माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक, समस्या की वजह एक गलत सॉफ्टवेयर अपडेट है। कंपनी इसे ठीक करने में जुटी है, लेकिन शुरुआती कोशिशें उम्मीद के मुताबिक सफल नहीं हुईं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस गड़बड़ी के पीछे गलत तरीके से हुए सॉफ्टवेयर अपडेट को वजह बताया। कंपनी के अनुसार, यह साइबर अटैक या हैकिंग का मामला नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट ने समस्या को ठीक करने ▶▶शेष पेज 6 पर

माइक्रोसॉफ्ट के दुनियाभर में हैं 43 करोड़ से ज्यादा यूजर्स

ये सेवाएं हुईं प्रभावित

माइक्रोसॉफ्ट की कई जरूरी ऑनलाइन सेवाओं में परेशानी आई। इनमें ईमेल के लिए आउटलुक, ऑनलाइन मीटिंग और चैट के लिए टीम्स, फाइल शेयरिंग प्लेटफॉर्म शेयरपॉइंट ऑनलाइन और एआई टूल कोपायलट 365 शामिल हैं। इसके अलावा एक्सचेंज ऑनलाइन, माइक्रोसॉफ्ट डिफेंडर और प्लानर जैसी सेवाओं पर भी असर पड़ा है। इस वजह से यूजर्स को ईमेल भेजने, ऑनलाइन मीटिंग करने, फाइल सेव करने और कंपनी के काम से जुड़ा डेटा एक्सेस करने में दिक्कत हुई।



अन्य देशों में ये सेवाएं हुईं प्रभावित

भारत के बाहर भी स्थिति गंभीर रही। हॉन्गकॉन्ग में बैंकिंग सेवाएं, ऑस्ट्रेलिया में पुलिस और खुफिया एजेंसियों का कामकाज प्रभावित हुआ। जापान में सरकारी सिस्टम और फिलीपींस में अदालतों के काम पर असर पड़ा।

भारत में यह असर

भारत में सबसे ज्यादा चर्चा हवाई सेवाओं पर पड़े असर की रही। शुक्रवार सुबह स्पाइसजेट ने दिल्ली-पुणे, दिल्ली-लेह और दिल्ली-मुंबई की तीन फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। वहीं, दरभंगा और मुंबई जाने वाली दो अन्य उड़ानों में देरी हुई। दिल्ली एयरपोर्ट के अलावा इंडिगो और अकासा एयरलाइंस ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों को एयरपोर्ट निकलने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करने की सलाह दी।

साइबर अटैक वाली थ्योरी भी वायरल

आउटेज के दौरान सोशल मीडिया पर भी साइबर हमले की आशंका जताई जाने लगी। सवाल यह था कि आखिर माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनी की इतनी सारी सर्विसेज एक साथ कैसे ठप हो सकती हैं? क्या किसी हैकर ने कंपनी के सिस्टम को निशाना बनाया या फिर माइक्रोसॉफ्ट के अपने सर्वर और नेटवर्क में कोई बड़ी गड़बड़ी हुई? सोशल मीडिया साइबर अटैक वाली थ्योरी वायरल है। कुछ एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि एआई के पावरफुल मॉडल्स यूज करके साइबर अटैक किया गया है।

पौने दो साल में सवा लाख घरों में लगे सोलर पैनल, अब साढ़े चार माह में पौने चार लाख लगाने की चुनौती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में करीब पौने दो साल में सवा लाख से ज्यादा घरों में सोलर पैनल लग गए हैं। अब साढ़े चार माह में ही पौने चार लाख सोलर पैनल लगाने की बड़ी चुनौती छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के पास है। मार्च 2027 तक प्रदेश में पांच लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

- मार्च 2027 तक पांच लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य है

केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के लिए अलग-अलग राज्यों का अलग-अलग लक्ष्य तय है। अपने प्रदेश के लिए दो साल में पांच लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रारंभ में योजना में आवेदन करने की रफ्तार के साथ सोलर पैनल लगाने की रफ्तार भी धीमी थी। इसके बाद इस मामले में प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाई और योजना बनाकर काम प्रारंभ किया गया।



डबल सब्सिडी से फायदा

योजना में उपभोक्ताओं की रुचि लाने के लिए प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के साथ ही राज्य सरकार की तरफ से भी सब्सिडी देने का काम प्रारंभ किया है। जहां तीन किलोवाट पर केंद्र सरकार की 78 हजार की सब्सिडी मिल रही है, वहीं राज्य सरकार भी 30 हजार की सब्सिडी दे रही है। एक और दो किलोवाट पर केंद्र के साथ राज्य सरकार की सब्सिडी मिल रही है। राज्य सरकार की सब्सिडी के ऐलान के बाद योजना में आवेदनों की रफ्तार में बहुत तेजी आई है।

1 लाख 34 घर कवर

प्रदेश में सोलर पैनल लगाने के लिए डेढ़ हजार वेंडर तय हैं, इसके बाद भी लक्ष्य के हिसाब से सोलर पैनल लगाने की रफ्तार बहुत धीमी है। लेकिन योजना के प्रारंभ होने के कुछ माह बाद से तुलना की जाए तो उसके मुकाबले रफ्तार बढ़ी है। पहले तो बीते साल जून तक महज साढ़े तीन हजार सोलर पैनल ही लगे थे और 42 हजार आवेदन आए थे। इसके बाद जब बीते साल प्रदेश सरकार ने भी सब्सिडी का ऐलान किया तो इसके बाद से इसकी रफ्तार में इजाफा हुआ है। बीते 10 माह में जहां डेढ़ लाख से ज्यादा आवेदन आए हैं, केंद्र सरकार के पोर्टल पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली घर योजना के मुताबिक अब तक एक लाख 31685 आवेदनों का निराकरण किया गया है। इन आवेदनों से एक लाख 34118 घरों में सोलर पैनल लगे हैं। मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में एक ही आवेदन से सभी घरों में सोलर पैनल लगाने के कारण आवेदन से ज्यादा घर कवर हो रहे हैं। अब तक दो लाख 55 आवेदन आए हैं।

चिटफंड पीड़ितों का इंतजार बरकरार, 10.32 अरब की ठगी पर लौटाए जा सके मात्र 5.40 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तत्कालीन कांग्रेस शासन काल में चिटफंड कंपनियों में फंसे निवेशकों को पैसे लौटाने की प्रक्रिया तेज गति से चल रही थी, लेकिन पिछले तीन वर्षों से यह प्रक्रिया पूरी तरह से ठप पड़ी हुई है, जिससे चिटफंड कंपनियों के जाल में फंसकर अपनी जमा पूंजी गंवाने वाले निवेशकों को अपनी जमा पूंजी में से जो थोड़ी बहुत राशि मिल रही थी, वह भी मिलना बंद हो गई है। इसके कारण उनकी मुश्किलें भी कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।

आकड़ों के अनुसार रायपुर जिले में 272 चिटफंड कंपनियों ने 3 लाख 19 हजार 739 निवेशकों से 10 अरब 32 करोड़ 99 लाख रुपए की ठगी की थी। इसके मुकाबले अब तक करीब 11 हजार निवेशकों को लगभग 5 करोड़ 40 लाख रुपए ही लौटाए जा सके हैं। यह राशि वर्ष 2019 से सितंबर 2023 तक चिटफंड कंपनियों की जब्त संपत्तियों की नीलामी के बाद लौटाई गई है। इसके बाद न तो नई संपत्तियों की जब्ती हो सकी और न ही पहले से कुर्क संपत्तियों की नीलामी की प्रक्रिया आगे बढ़ पाई है। नतीजतन हजारों निवेशक अपनी मेहनत की कमाई वापस मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

- 3 साल से ठप पड़ी संपत्तियों की जब्ती और नीलामी एवं निवेशकों को डूबे पैसे लौटाने की प्रक्रिया
- रायपुर जिले में 3.19 लाख निवेशकों से हुई है ठगी



नीलामी की कार्रवाई पर कानूनी अड़चनें

चिटफंड कंपनियों की संपत्तियों की नीलामी में सबसे बड़ी बाधा न्यायालयीन प्रकरण और स्टे बन रहे हैं। कई कंपनियों ने नीलामी की कार्रवाई को चुनौती देते हुए न्यायालय से स्थगन प्राप्त कर लिया है। एचबीएन डेयरीज एंड एलाइड लिमिटेड की संपत्ति 10 करोड़ 30 लाख रुपए में नीलाम हुई थी, लेकिन कंपनी ने एनसीएलटी से इस नीलामी के विरुद्ध स्थगन प्राप्त कर लिया। इसी तरह किम इंफ्रा डेवलपर्स लिमिटेड और नेक्टर कमर्शियल एस्टेट लिमिटेड की संपत्तियों की नीलामी 1 करोड़ 54 लाख 40 हजार रुपए में हुई थी। हालांकि इन मामलों में भी कानूनी अड़चनें सामने आई हैं। एक अन्य मामले में संपत्ति की नीलामी 40 लाख रुपए में हो चुकी है, लेकिन संबंधित कंपनी ने इसके विरुद्ध बिलासपुर हाईकोर्ट से स्टे ले रखा है।

इन 5 कंपनियों की संपत्तियों की नीलामी से जुटाए गए करोड़ों रुपए

प्रशासन की ओर से अब तक कुछ कंपनियों की संपत्तियों की नीलामी कर रकम जुटाई गई है। इनमें गोल्ड इंफ्रावेंचर लिमिटेड की संपत्ति से 81 लाख 1 हजार रुपए, निर्मल इंफ्रा होम से 51 लाख 51 हजार रुपए, आरोग्य धनवर्षा से 11 लाख 85 हजार रुपए, शुष्क इंडिया कंपनी लिमिटेड से 2 करोड़ 10 लाख रुपए और देवयानी प्रॉपर्टीज लिमिटेड से 4 करोड़ 14 लाख रुपए प्राप्त हुए हैं शुष्क इंडिया कंपनी में अधिकांश निवेशक धमतरी जिले के थे। इस वजह से नीलामी से प्राप्त राशि में से 2 करोड़ रुपए धमतरी प्रशासन को निवेशकों में वितरण के लिए दिए गए थे।

कई कंपनियों की संपत्तियां जब्त लेकिन नीलामी का इंतजार

प्रशासन ने माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड, आरोग्य धनवर्षा डेवलपमेंट, एसपी एंड लैंड, बीएनपी इंडिया, सांई प्रकाश प्रॉपर्टीज और गुरुकृपा इंफ्रा रियलटी सहित कई कंपनियों के संचालकों की संपत्तियां जब्त की हैं। इन संपत्तियों को बेचकर निवेशकों की रकम लौटाई जानी है, लेकिन संबंधित मामले न्यायालय में लंबित होने के कारण नीलामी की प्रक्रिया अटकी हुई है।

दूसरे जिलों की कंपनियों में भी फंसी रायपुर के निवेशकों की रकम

चिटफंड कंपनियों में निवेश करने वालों में केवल रायपुर जिले के लोग ही नहीं, बल्कि दूसरे जिलों की कंपनियों में पैसा लगाने वाले निवेशक भी शामिल हैं। इनमें बालोद की ग्रींडलेन एंड प्रोजेक्ट डेवलपमेंट, कबीरधाम की आईडब्ल्यूसी मार्केटिंग, कांकेर की एचबीएन डेयरीज एलायज, धमतरी की जीएन गोल्ड और मिलियम इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट, दुर्ग की संस साईन इंफ्रा बिल्ड तथा राजनांदगांव की जेएसवी डेवलपर्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा गरियाबंद की एसपी एंड लैंड, बीएनपी इंडिया और सांई प्रकाश प्रॉपर्टी में भी रायपुर के निवेशकों ने रकम लगाई थी।

इस मामले में ईडी की भी हो चुकी एंट्री

खिलौरा-अमनपुर में माइक्रो फाइनेंस कंपनी की 9 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति की नीलामी भी प्रस्तावित है। इस मामले में ईडी की एंट्री के बाद नीलामी की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी।

नियमों के तहत कार्रवाई जारी

नियमों के तहत कार्रवाई जारी है। कई प्रकरण न्यायालय में लंबित हैं और कुछ संपत्तियों की नीलामी पर स्थगन लगा हुआ है। इसके कारण निवेशकों को राशि लौटाने की प्रक्रिया भी रुकी हुई है।

- कीर्तिमान सिंह राठौर, अपर कलेक्टर रायपुर

देर रात पॉलिमार इंडस्ट्री में भीषण आग तड़के सात बजे काबू पाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र के भनपुरी औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार देर रात गजराज पॉलीमर इंडस्ट्री में भीषण आग लग गई। फैक्ट्री में ज्वलनशील पॉलीमर सामग्री होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और ऊंची लपटें उठने लगीं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड के साथ अन्य प्रशासनिक अमला राहत और बचाव कार्य में जुट गया। मौके पर पूरी रात कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, डीआईजी होम गार्ड व अग्निशमन निदेशक अजातशत्रु बहादुर सिंह, निगम आयुक्त संबित मिश्रा, डीसीपी दीपमाला कश्यप सहित पुलिस अधिकारियों ने रातभर मौके पर रहकर बचाव कार्य की निगरानी की।



- आग पर काबू पाने रायपुर के साथ दुर्ग, भिलाई स्टील प्लांट सहित अन्य क्षेत्र से 15 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गईं
- फैक्ट्री से सटी चारों तरफ फैली अन्य फैक्ट्रियों के मालिक पूरी रात दहशत में रहे

घटना के बारे में जो जानकारी निकलकर सामने आई है, उसके मुताबिक गुरुवार देर रात 12.30 बजे पॉलीमर इंडस्ट्री से अचानक धुआं उठने लगा। देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गयी और ऊंची-ऊंची लपटें दिखाई देने लगीं। आग की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों और फैक्ट्री कर्मचारियों ने तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। पॉलीमर फैक्ट्री होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी। हादसे की खबर मिलते ही रायपुर कलेक्टर बिना देर किए घटनास्थल पर पहुंचे। उनके साथ एसडीएम सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। कलेक्टर ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के अभियान की निगरानी की। अधिकारियों को जरूरी संसाधनों और व्यवस्थाओं को तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि आग पर जल्द से जल्द काबू पाया जा सके।

इसलिए तेजी से फैली आग

फैक्ट्री के भीतर ज्वलनशील पॉलीमर सामग्री मौजूद होने के कारण आगे तेजी से फैली। दमकल कर्मियों के लिए आग बुझाना चुनौतीपूर्ण कार्य रहा। आग की लपटें लगातार उठ रही थीं। ऐसे में फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियों को आग बुझाने के लिए लगाया गया। दमकल कर्मियों ने रातभर पानी की बौछार कर आग बुझाने की कोशिश की। वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर रहकर पानी के टैंकरों और अन्य जरूरी संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। मशक्कत के बाद तड़के सात बजे आग पर काबू पाया गया। कूलिंग करने का काम सुबह 11 बजे तक जारी रहा।

दमकल गाड़ियों के 150 फेरे के बाद आग पर काबू

पॉलिमार इंडस्ट्री से सटी चारों तरफ कई इंडस्ट्री हैं, आग की उठती लपटों को देख कर आजू-बाजू की फैक्ट्री के आग की चपेट में आने की आशंका थी। इस बात को ध्यान में रखते हुए एसडीआरएफ, पुलिस तथा प्रशासन की पूरी टीम लगी रही। किसी अन्य फैक्ट्री तक आग न फैले इस बात को ध्यान में रखते हुए फायर ब्रिगेड की टीम, पॉलिमार फैक्ट्री के चारों ओर से आग पर काबू पाने पानी की बौछार करते दिखी। आग की भयावहता को देखते हुए रायपुर के अलावा, नवा रायपुर, माना, बिरगांव, आसपास की फैक्ट्री के साथ दुर्ग तथा भिलाई से फायर ब्रिगेड की टीम को आग पर काबू पाने बुलाना पड़ा। फायर ब्रिगेड की एक-एक गाड़ी को 10-10 फेरे लगाने पड़े, तब कहीं जाकर आग पर काबू पाया जा सका।

सिंडीकेट बनाकर सीमेंट की कीमत बढ़ाने का आरोप, मुख्यमंत्री को पत्र

प्रदेश में हजारों करोड़ की योजनाओं पर असर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में सीमेंट कंपनियों द्वारा सिंडीकेट बनाकर सीमेंट की कीमत बढ़ाने का आरोप लगाते हुए बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रायपुर शाखा के चेयरमैन सुशील अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर इसकी पूरी जानकारी देते हुए इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। सीमेंट की बढ़ी कीमतों के कारण प्रदेश में हजारों करोड़ के सरकारी काम प्रभावित होने की भी जानकारी दी गई है।

प्रदेश में सीमेंट कंपनियां हमेशा ही मनमर्जी करते हुए सीमेंट के दाम कभी भी बढ़ा देती है। प्रदेश सरकार ने सीमेंट कंपनियों से बीते साल भी कहा था कि दाम बढ़ाने से पहले इसका कारण सरकार को बताने के बाद मंजूरी लेकर ही दाम बढ़ाए जाए, लेकिन कंपनियां ऐसा नहीं कर रही हैं। कंपनियों ने जहां खुले बाजार के सीमेंट के दाम मानसून समाप्त होने से पहले 20 रुपए बढ़ाए थे, वहीं नान ट्रेड सीमेंट जो सरकारी कामों में उपयोग होता है, उसके दाम 60 रुपए बढ़ाए हैं।



नान ट्रेड से सस्ता खुले बाजार का सीमेंट

एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को अपने पत्र में जानकारी देते हुए बताया है कि हमेशा से ही नान ट्रेड और खुले बाजार के सीमेंट के दाम में 30 से 40 रुपए का अंतर रहता है, लेकिन अब तो खुले बाजार के सीमेंट के दाम कम हो गए हैं। कंपनियां खुले बाजार के सीमेंट की बिलिंग भले 300 रुपए करती है, लेकिन डीलरों को 50 रुपए तक की छूट दे देती है। ऐसी छूट नान ट्रेड सीमेंट में नहीं मिलती है। इसके दाम 60 रुपए बढ़ाने के कारण अब इसके दाम 270 रुपए हो गए हैं। ये दाम खुले बाजार में चिल्हर में मिलने वाले सीमेंट के दाम जितने हैं।

ओपीसी सीमेंट में 80 रुपए ज्यादा

एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया है कि ओपीसी और पीपीसी सीमेंट के दाम में दूसरे राज्यों में 40 रुपए का अंतर है, लेकिन छत्तीसगढ़ में जहां पर सीमेंट का उत्पादन होता है, यहां पर सरकारी काम करने वाले ठेकेदारों से 80 रुपए ज्यादा लिए जा रहे हैं। पीपीसी सीमेंट के दाम 270 रुपए और ओपीसी सीमेंट के दाम 350 रुपए लिए जा रहे है। यहां से दूसरे राज्यों में सीमेंट जाता है और वहां पर कम दाम पर यही सीमेंट कंपनियां सीमेंट बेच रही हैं, और अपने राज्य में सिंडीकेट बनाकर ज्यादा दाम वसूले जा रहे हैं। ज्यादा दाम के कारण निर्माण कार्यों की लागत बढ़ने से निर्माण कार्य करना मुश्किल हो गया है।

हाईकोर्ट की खबरें

नाबालिग के कथित यौन शोषण और देह व्यापार के मामले में तीन आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नाबालिग के कथित यौन शोषण और देह व्यापार के मामले में तीन आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी हैं।

पीड़िता के भाई ने नौकरी के सिलसिले में विशाखापट्टनम जाने के बाद उसे उसकी मौसी की देखरेख में छोड़ा था। आरोप है कि मौसी ने पहले उसे पैसों का लालच दिया और 20 मई 2025 को उसकी इच्छा के विरुद्ध रामनगर स्थित सह-आरोपी सुलोचना टांडी के घर ले गई। वहां पीड़िता की तस्वीरें अलग-अलग लोगों को भेजकर उसे पैसों के बदले उनके पास भेजा जाने लगा। आरोप है कि प्रत्येक व्यक्ति से चार से पांच हजार रुपये लिए जाते थे। पीड़िता को अलग-अलग स्थानों, जिनमें सुलोचना टांडी का घर, पावर हाउस मिलाई और रायपुर रोड के होटल शामिल हैं, ले जाकर कई लोगों ने यौन शोषण किया। उसे घटना की जानकारी किसी को देने पर झूठे मामले में फंसाने की धमकी भी दी गई थी। बाद में पीड़िता ने अपनी बड़ी मौसी को आपबीती बताई।

पीड़िता ने अपने बयान में लकी नाम के व्यक्ति का उल्लेख किया था। जांच में लखविंदर कौर उर्फ लकी की भूमिका सामने आने का दावा किया गया। सह-आरोपी हरजिंदर कौर के मेमोरेंडम बयान और उसके मोबाइल नंबर से लखविंदर कौर के कथित मोबाइल नंबर पर हुई बातचीत के कॉल डिटेल रिकॉर्ड भी जांच में जुटाए गए।



वहीं पीड़िता ने बी. केशवन रेड्डी उर्फ केशव को उन लोगों में शामिल बताया, जिन्होंने उसका यौन शोषण किया था। आनंद कुर्रे पर आरोप है कि वह 20 मई से 2 जुलाई 2025 के बीच कई बार पीड़िता को अपनी कार में ले गया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने तीनों सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 98, 3(5), 64 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत अपराध दर्ज किया है।

नाबालिग के यौन शोषण के आरोप में जेल में बंद शिक्षक की जमानत याचिका खारिज

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नाबालिग के यौन शोषण के आरोप में जेल में बंद शिक्षक की जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस राकेश मोहन पांडे की सिंगल बेंच ने किशोरी की उम्र, आरोपों की गंभीरता और आरोपी के शिक्षक होने को महत्वपूर्ण आधार माना। नाबालिग के पिता ने भी कोर्ट में उपस्थित होकर जमानत देने पर कड़ी आपत्ति जताई। मामले के अनुसार पिता ने सिरगिट्टी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी बड़ी बेटी ने बताया कि 14 दिसंबर 2025 को आरोपी राहुल बंगारू उनकी छोटी बेटी को इशिका पार्क स्थित शिवम होटल ले गया था। वहां उसने कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया और घटना के बारे में किसी को बताने पर धमकी दी। बाद में बेटी ने अपनी बड़ी बहन को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पिता ने 7 जून 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई,आरोपी के खिलाफ सिरगिट्टी थाने में बीएनएस की धारा 137(2), 64(2)(एम), 60 और 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6, 16, 17 और 21 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। उसे 8 जून 2026 को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी की ओर से दलील दी गई कि उसे झूठा फंसाया गया है, चार्जशीट पेश हो चुकी है और ट्रायल पूरा होने में लंबा समय लग सकता है। वहीं शासन ने जमानत का विरोध करते हुए आरोपों को गंभीर बताया। कोर्ट ने केस डायरी और उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए कहा कि अभियोजन के अनुसार आरोपी शिक्षक था और उसने कई मौकों पर नाबालिग का यौन शोषण कर उसे चुप रहने की धमकी दी। पिता की ओर से जताई गई आपत्ति को भी कोर्ट ने ध्यान में रखा। हाईकोर्ट ने कहा कि किशोरी की उम्र, आरोपों की प्रकृति और गंभीरता तथा आरोपी के कथित आचरण को देखते हुए इस स्तर पर उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

विनायक नेत्रालय

नये परिसर में बेहतर सुविधाओं के साथ

एडवांस मोतियाबिंद

ऑपरेशन हेतु अंचल का सर्वश्रेष्ठ नेत्र चिकित्सालय

पूर्ण कालिक रेटिना सर्जन प्रतिदिन उपलब्ध

शुगर के मरीजों के रेटिना की

आधुनिक मशीनों द्वारा सम्पूर्ण जाँच एवं इलाज

लेज़र, इंजेक्शन एवं ऑपरेशन द्वारा



मगरपारा रोड, अग्रसेन चौक के पास, बिलासपुर 9685333999, 6262600681

बिलासपुर
शनिवार, 14 नवंबर 2026
कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी
वर्ष : 26, अंक : 233
पृष्ठ : 10+8 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 30.2
न्यून. 17.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़ बनेगा रोबोट इंडस्ट्री का हब, आईआईटी भिलाई तैयार कर रहा ड्राफ्ट

अतुल अग्रवाल ⏭ दुर्ग

आने वाले समय में छत्तीसगढ़ रोबोट इंडस्ट्री का हब बनने जा रहा है। इसे लेकर प्रारंभिक तैयारी शुरू कर दी गई है। आईआईटी भिलाई ने इसे लेकर एक प्रोजेक्ट तैयार किया है। प्रोजेक्ट में चाइना की तरह मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक और वेल्डिंग सेक्टर में रोबोट का इस्तेमाल किया जाएगा। इसे रोबोट की जगह कोबोट कहा जाएगा। इसे लेकर 24 और 25 नवंबर को बैठक होनी है, इस बैठक में इस विषय पर चर्चा होगी। इस संबंध में मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी से पत्र व्यवहार भी किया जा चुका है। सब कुछ सही रहा, तो छत्तीसगढ़ से एक प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर जाएगा, जहां इस विषय पर चर्चा की जाएगी। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रदेश में 5 से 6 जगहों पर ⏭शेष पेज 6 पर

हरिभूमि ब्रेकिंग

मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन सिंगापुर और छत्तीसगढ़ एजुकेशन मंत्रालय के बीच एमओयू की तैयारी

सबसे पहले वेल्डिंग सेक्टर में इस्तेमाल की तैयारी

सबसे पहले वेल्डिंग सेक्टर में रोबोट यानी कोबोट का इस्तेमाल किया जाएगा। वर्तमान में वेल्डिंग करने वाले श्रमिकों की संख्या काफी कम है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक एक साल में 100 से ज्यादा रोबोट तैयार करने की तैयारी है। विशेषज्ञों के अनुसार रोबोट का फैक्टरियों में उपयोग किया जाता है। चाइना जैसे देशों में इसका ज्यादा उपयोग हो रहा है। ⏭शेष पेज 6 पर



फैक्ट्रियों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

रोबोट के इस्तेमाल से सबसे ज्यादा फायदा फैक्ट्रियों को होगा। श्रम लागत इससे कम होगी। आईआईटी भिलाई के प्रोफेसर्स ने बताया कि वेल्डिंग रोबोट सामग्री को मिलीमीटर स्तर तक की अद्भुत सटीकता के साथ जोड़ते हैं। वेल्डिंग रोबोट दृष्टि प्रणाली और स्मार्ट एल्गोरिदम से लैस रहती है, जो विभिन्न स्थितियों के अनुसार तत्काल अपने आपको ढालने में सक्षम होता है।

तैयार किया जा रहा प्रोजेक्ट

फिलहाल प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है। मिनिस्ट्री ऑफ सिंगापुर से इस बारे में चर्चा हो रही है। निर्णय शासन स्तर पर लिया जाना है। इस बारे में और अधिक कुछ नहीं बता सकता।

समरेंद्र घोष, प्रोफेसर, आईआईटी भिलाई

इधर

पैन कार्ड, वोटर आईडी नागरिकता साबित करने को पर्याप्त नहीं

नई दिल्ली। भारत में रहने वाले हर व्यक्ति के पास पैन कार्ड और वोटर आईडी जैसे दस्तावेज हो सकते हैं। लेकिन सिर्फ इन दस्तावेजों के आधार पर भारतीय नागरिकता साबित नहीं की जा सकती. गुवाहाटी हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह बात कही है। कोर्ट ने साफ किया कि पैन कार्ड और वोटर आईडी तभी सबूत माने जा सकते हैं, जब इन्हें जारी करने के लिए इस्तेमाल किए गए दूसरे रिकॉर्ड भी सही साबित हों। इसी आधार पर कोर्ट ने एक महिला की याचिका खारिज कर दी। महिला ने खुद को भारतीय नागरिक बताते हुए विदेशी नागरिक घोषित करने के फैसले को चुनौती दी थी।

यह है मामला

यह मामला असम के दरांग जिले की रहने वाली कुलचन बेगम से जुड़ा है। उनके खिलाफ साल 2000 में मामला दर्ज किया गया था। बाद में यह मामला फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल में पहुंचा. साल 2018 में ट्रिब्यूनल ने उन्हें विदेशी नागरिक घोषित कर दिया था। महिला ने इस फैसले को गुवाहाटी हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। महिला का दावा था कि उनका जन्म 25 अप्रैल 1977 को हुआ था। उनका पालन-पोषण गुवाहाटी के लुइटपार, खारघुली इलाके में हुआ. उन्होंने सबेद अली और जाहेदा खातून को अपने दादा-दादी बताया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

वांगचुक ने किया नजरबंद करने का दावा

लेह। क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने दावा किया कि पुलिस ने उन्हें नजरबंद कर दिया है। उन्होंने



गुरुवार रात वीडियो जारी कर कहा कि उनके घर के बाहर भारी पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात है। पुलिस उन्हें घर से बाहर जाने नहीं दे रही है। दूसरी तरफ लद्दाख पुलिस का कहना है कि यह हाउस अरेस्ट नहीं है। यह चुनाव के दौरान लागू निषेधाज्ञा का पालन है। 4 दिसंबर को होने वाले पहाड़ी परिषद चुनाव को सर्दियों में कराने का विरोध कर रहे हैं।

काजीरंगा की घटना, ट्रैवलर काटकर निकाले गए शव

असम में भीषण हादसा, ट्रक में जा घुसा ट्रैवलर, परखच्चे उड़े, 26 यात्रियों की मौत

असम के काजीरंगा में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक ट्रक और यात्रियों से भरी ट्रैवलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में 26 लोगों की मौत गई है। हादसा इतना भयानक था कि ट्रैवलर के परखच्चे उड़ गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर राहत और बचाव अभियान चलाया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। इनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। कई लोग ट्रैवलर के अंदर फंसे हुए भी बताए जा रहे हैं।



एजेंसी ⏭ गुवाहटी

यह हादसा गोलाघाट जिले में काजीरंगा नेशनल पार्क के पास हुआ. पुलिस के मुताबिक, रंगाजन इलाके में हाथीकुली चाय बागान के पास नेशनल हाईवे-715 पर ट्रैवलर और कंटेनर ट्रक की टक्कर हुई। ट्रैवलर बोकाखाट से नगांव की ओर जा रही था। तभी सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। ट्रैवलर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। कई यात्री उसके अंदर फंसे हुए थे। बचाव दल ने बस से शवों को बाहर निकाला। शुरुआत में पुलिस को सात लोगों ⏭शेष पेज 6 पर



ट्रैवलर में सवार ज्यादातर यात्री छात्र

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ट्रैवलर में सवार ज्यादातर यात्री छात्र थे। हालांकि, पुलिस ने अभी यह साफ नहीं किया है कि हादसे के समय बस में कुल कितने लोग सवार थे। घायलों को कोहोरा मॉडल अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेजा गया है। ⏭शेष पेज 6 पर

ट्रैवलर के 12 चालान का रिकॉर्ड आया सामने

हादसे का शिकार हुई ट्रैवलर गाड़ी के ट्रैफिक चालान की जानकारी भी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गाड़ी के 12 चालान कट चुके थे। इन सभी का कुल 38,500 रुपये जुर्माना भरा जा चुका था। हालांकि, 4,000 रुपये का एक चालान अब भी बकाया है। दरअसल, असम में कमर्शियल गाड़ी के ओवरस्पीडिंग करने पर 4,000 रुपये का जुर्माना लगता है। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, मिनी बस काफी तेज रफ्तार से चल रही थी। काजीरंगा नेशनल पार्क के पास वाहनों की रफ्तार को लेकर नियम भी लागू हैं। शुरुआती ⏭शेष पेज 6 पर

ओला ने मांगा टिप 10 लाख का जुर्माना



नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कंपनी 'ओला' नाम का राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म चलाती है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, कंपनी पर आरोप है कि वह ग्राहकों से उनकी ट्रिप पूरी होने से पहले ही अतिरिक्त भुगतान की मांग कर रही थी। नियामक के अनुसार, राइड शुरू होने से पहले 'टिप' या ऐड-ऑन मांगने का यह फीचर उपभोक्ताओं को गुमराह ⏭शेष पेज 6 पर

- सीसीपीए ने की बड़ी कार्रवाई, कहा- ग्राहकों को कर रही गुमराह

फीचर की हुई जांच

प्राधिकरण ने इस फीचर की जांच की। इसमें ऐप के जरिए ड्राइवर खोजते समय उपयोगकर्ताओं को अतिरिक्त भुगतान करने के लिए कहा जाता था और यह सुझाव दिया जाता था कि ऐसा करने से उन्हें जल्दी राइड मिल सकती है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बाद में ओला ने 'टिप' का नाम बदलकर 'ऐड-ऑन' कर दिया, लेकिन सीसीपीए ने पाया कि काम करने का तरीका वही रहा।

फर्जी निवेश योजनाएं चलाने वालों पर शिकंजा

बैंक खाते और संपत्तियां कुर्क करने नए नियम बने

- छत्तीसगढ़ सरकार ने अनियमित जमा योजनाओं पर कार्रवाई की प्रक्रिया तय की
- जांच के लिए समन जारी करने और कुर्क संपत्ति का रिकॉर्ड रखने की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब फर्जी निवेश योजनाएं चलाने वालों के खिलाफ शिकंजा कसने की तैयारी कर ली गई है। पोंजी या फर्जी निवेश की स्कीम के जरिए कम समय में पैसा दोगुना करने और गैर कानूनी रूप से रुपया जमा करके ठगी करने वाले अब बच नहीं पाएंगे। सरकार ने अनियमित जमा योजनाओं के मामलों में बैंक खातों और संपत्तियों की अस्थायी कुर्की करने, कुर्क संपत्ति ⏭शेष पेज 6 पर

खास खबर

जांच में बुला सकेंगे संबंधित व्यक्तियों को

नए नियमों में जांच के लिए समन जारी करने की प्रक्रिया भी निर्धारित की गई है। सक्षम प्राधिकारी किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने, गवाही देने अथवा लेखा पुस्तिकाएं और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए समन जारी कर सकेगा। दस्तावेज अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से भी प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

स्वयं-सहायता समूहों के लिए 3 लाख की सीमा

नियमों में राज्य में संचालित स्व-सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा किए जाने वाले आवधिक भुगतान अथवा अन्य राशि के लिए प्रति सदस्य प्रतिवर्ष तीन लाख रुपये की सीमा निर्धारित की गई है। यह सीमा अधिनियम की धारा के तहत विशेष प्रावधान के उद्देश्य से है। इसे सभी स्व- सहायता समूहों के लिए सामान्य रूप से जमा लेने की अनुमति नहीं माना जा सकता। राज्य सरकार ने ये नियम केंद्र सरकार के परामर्श से बनाए हैं।

बैंक खातों और संपत्तियों की अस्थायी कुर्की

नियमों के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी अनियमित जमा योजनाओं के संचालन से जुड़े व्यक्तियों अथवा संस्थाओं की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क करने का आदेश जारी कर सकेगा। इसके लिए निर्धारित प्रारूप बनाया गया है। आदेश की प्रतियां संबंधित बैंक, डाकघर, वित्तीय संस्था तथा अचल संपत्ति के पंजीकरण से जुड़े अधिकारियों को भेजी जा सकेंगी। कुर्क की गई संपत्ति का विवरण, उसकी अनुमानित कीमत, पहचान, कुर्की के आधार और आदेश की तामील की जानकारी रिकॉर्ड में रखनी होगी।

पीएम मोदी मेरा फोन टैप करा रहे : राहुल अपने दिमाग की जांच कराएं : भाजपा



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

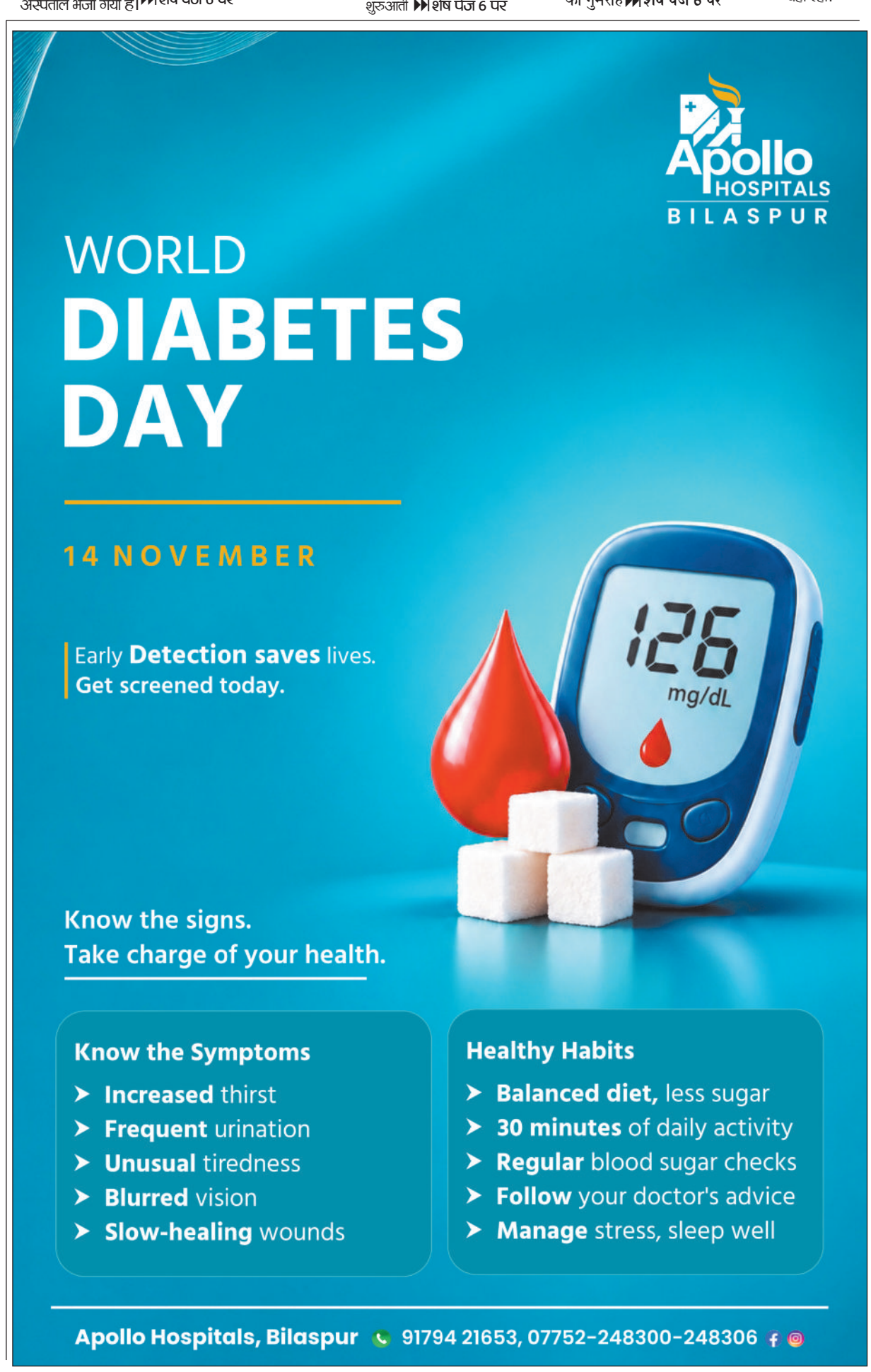
कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि उनका फोन टैप कराया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मेरे सभी आरोपों के सबूत मेरे फोन में हैं, जिसे प्रधानमंत्री टैप करा रहे हैं। वन-ऑन-वन बहस से यह साबित हो जाएगा कि विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है, देश विरोधी कौन है और कब से देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है। ऐसी कई दूसरी जानकारियां भी हैं, जो मुझे पता हैं और मेरे फोन में मौजूद हैं।' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर आमने-सामने सार्वजनिक बहस की चुनौती भी दी। उन्होंने दावा किया कि अगर दोनों के बीच वन-ऑन-वन बहस हुई तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे।

भाजपा ने किया पलटवार

राहुल के आरोपों पर भाजपा ने पलटवार किया। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने फोन टैपिंग के दावे को खारिज करते हुए कहा, 'राहुल गांधी से मैं पूरे सम्मान के साथ बस इतना ही कह सकता हूं कि उन्हें अपना मानसिक परीक्षण करवाना चाहिए। कोई भी उनके फोन को टैप करने की जहमत नहीं उठा रहा है। किसी को भी उनके फोन को टैप करने में दिलचस्पी नहीं है। अगर किसी को दिलचस्पी है भी, तो सिर्फ यह समझने में कि उनका दिमाग दिन-प्रतिदिन झूठ पर ही क्यों चलता है।' भाजपा ने इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी के साथ बहस करने की राहुल की मांग को खारिज कर दिया था।

मुद्दों पर बोलने नहीं दिया जाता

इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी' सेशन के दौरान राहुल से पूछा गया था कि जब बीजेपी संसद में बहस के लिए तैयार है तो वह सार्वजनिक बहस पर जोर क्यों दे रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा कि लोकसभा में उन्हें बोलने नहीं दिया जाता और उनका माइक बंद कर दिया जाता है। गांधी ने कहा कि उन्हें कृषि कानूनों, वोट चोरी, एसआईआर, चीन, जनरल नरवणे की किताब और एपस्टीन जैसे मुद्दों पर बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि वह लंबे भाषणों वाली बहस नहीं चाहते, बल्कि सीधी बातचीत चाहते हैं, जिसमें दोनों नेता एक-दूसरे से सवाल-जवाब कर सकें।



आयुष्मान योजना के करोड़ों कार्डधारकों को जोर का झटका!

प्राइवेट अस्पतालों में 112 बीमारियों का इलाज होगा बंद!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' (एबी-पीएमजेएवाय) के नियमों में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इस फैसले का सीधा असर उन लाभार्थियों पर पड़ेगा जो अब तक निजी यानी प्राइवेट अस्पतालों में इन बीमारियों का मुफ्त इलाज कराते थे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) की नई तैयारी के मुताबिक, अब 112 बीमारियों और सर्जरी के पैकेज सिर्फ सरकारी अस्पतालों के लिए आरक्षित किए जाएंगे। इसका सीधा मतलब यह है कि अब लाभार्थी इन 112 बीमारियों का मुफ्त इलाज किसी भी निजी ⏭शेष पेज 6 पर



नए बदलाव का यह है उद्देश्य

अब तक आयुष्मान योजना के तहत केवल 23 बीमारियों के पैकेज ही सरकारी अस्पतालों के लिए आरक्षित थे, लेकिन अब इसमें 89 नए पैकेज जोड़े जा रहे हैं। इस कदम के पीछे सरकार का मुख्य उद्देश्य निजी अस्पतालों पर होने वाले भारी खर्च को कम करना और सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाना है।

अब सिर्फ सरकारी अस्पतालों में होगा इन बीमारियों का इलाज

- आंखों की बीमारी : मोतियाबिंद और ग्लूकोमा (काला मोतिया) का ऑपरेशन
- महिलाओं से जुड़े रोग : हाई रिस्क डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन (हिस्ट्रेक्टमी) और एमटीपी (एमटीपी).
- पेट और लिवर के रोग : एल्कोहल लिवर डिजीज, हेपेटाइटिस, पेनक्रियाटाइटिस और डायरिया।
- सर्जरी और अन्य : फिस्टुला (भगंदर), सिस्ट (गांठ), बायोप्सी और सीवियर एनीमिया (गंभीर खून की कमी).
- मौसमी व सांस की बीमारियां : मलेरिया, चिकनगुनिया और एक्यूट ब्रोंकाइटिस.

चिंतन

अच्छी सड़कों के बाद अब हादसों पर लगाम जरूरी

सड़कों का विकास किसी भी देश की आर्थिक प्रगति और आधुनिक बुनियादी ढांचे का महत्वपूर्ण पैमाना है। बेहतर सड़कें आवागमन आसान बनाती हैं, समय और ईंधन बचाती हैं तथा कारोबार को गति देती हैं, लेकिन इनका वास्तविक लाभ तभी है, जब सफर सुरक्षित भी हो। देश में एक्सप्रेसवे, हाइवे और चौड़ी सड़कों का जाल बिछाने के साथ अब सड़क हादसों पर प्रभावी अंकुश लगाना भी उतना ही जरूरी हो गया है। असम के काजीरंगा में मिनी बस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने टक्कर में विद्यार्थियों समेत कई लोगों की मौत इसी गंभीर चुनौती की याद दिलाती है। इस हादसे में करीब 23 लोगों की मौत हो गई है, लेकिन यह तथ्य चिंताजनक है कि दुर्घटनाग्रस्त मिनी बस के पहले ही 12 चालान कट चुके थे। सवाल है कि बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाला वाहन सड़कों पर बेखौफ कैसे दौड़ता रहा? केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़े देश में सड़क सुरक्षा की भयावह तस्वीर पेश करते हैं। संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में देश में 5,13,563 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1,83,382 लोगों की जान चली गई। यानी हर दिन औसतन 500 से अधिक लोग सड़क हादसों में दम तोड़ रहे हैं। हर साल 4.71 लाख से अधिक लोगों का घायल होना भी बताता है कि सड़क दुर्घटनाएं कितने बड़े सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप ले चुकी हैं। इन हादसों के पीछे सबसे बड़ा कारण तेज रफ्तार है। आंकड़ों के मुताबिक, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में करीब 70.3 प्रतिशत हिस्सेदारी ओवरस्पीड की है। गलत दिशा में वाहन चलाना, शराब पीकर गाड़ी चलाना और हेलमेट या सीटबेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना भी जानलेवा साबित हो रहा है। हादसों में मरने वालों में 66 प्रतिशत से अधिक युवा हैं। दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों में 46.2 प्रतिशत हिस्सेदारी दोपहिया वाहन चालकों की है। स्पष्ट है कि सड़क पर सबसे ज्यादा जोखिम उन लोगों को उठाना पड़ रहा है, जिनके पास सुरक्षा के साधन भी सीमित हैं। सड़क सुरक्षा की समस्या का समाधान केवल नए हाइवे बनाने या दुर्घटना के बाद मुआवजा देने से नहीं होगा। इसके लिए नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा। बार-बार नियम तोड़ने वाले चालकों के लाइसेंस निलंबित करने, वाहनों के परमिट रद्द करने और उनकी फिटनेस की अनिवार्य जांच जैसी कार्रवाई होनी चाहिए। ओवरस्पीडिंग रोकने के लिए कैमरों, स्पीड गन और तकनीक आधारित निगरानी का दायरा बढ़ाना होगा। इसके साथ ही सड़क इंजीनियरिंग की खामियों को दूर करना, ब्लैक स्पॉट चिह्नित करना, पर्याप्त संकेतक लगाना और दोपहिया चालकों के लिए सुरक्षित लेन जैसी व्यवस्थाएं भी जरूरी हैं। दुर्घटना के बाद शुरुआती एक घंटे को गोल्डन आवर कहा जाता है। इस दौरान घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस, प्रशिक्षित बचाव दल और ट्रॉमा सेंटर की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। सड़क सुरक्षा केवल सरकार या यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है। वाहन चालकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हेलमेट और सीटबेल्ट का इस्तेमाल, निर्धारित गति सीमा का पालन और नशे में वाहन न चलाने जैसी सावधानियां जीवन बचा सकती हैं। स्कूलों और कॉलेजों में भी सड़क सुरक्षा को जागरूकता अभियान तक सीमित रखने के बजाय व्यवहार का हिस्सा बनाने की जरूरत है। विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा, जब सड़कें केवल तेज रफ्तार और सुविधाजनक सफर का माध्यम नहीं, बल्कि सुरक्षित यात्रा की गारंटी भी बनें।



मुद्दा
अखिलेश आर्येन्दु

वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ते कदम

पिछले कुछ महीनों में विश्व राजनीति के समीकरण तेजी से बदले हैं। इनमें भारत की भूमिका महत्वपूर्ण और दुनिया के लिए विश्वसनीय बन रही है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या आने वाले वक्त में भारत की वैश्विक शक्ति बनने की आकांक्षा पूरी हो पाएगी, ऐसे में जब देश के सामने आर्थिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक चुनौतियों का भी प्रभावी समाधान करने की चुनौती होगी? भारत के लिए आजादी के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है, जब सयुंक्त राष्ट्र संघ में भारत के वीटो पावर के अधिकार के लिए कुछ देशों को छोड़, भारत के लिए स्थायी सदस्यता पर सहमति बनी है। यही नहीं, चीन और अमेरिका ने भी भारत को स्थायी सदस्यता देने में कोई रोड़ा खड़ा नहीं किया है। दुनिया इस समय ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जिनमें पुरानी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की सीमाएं स्पष्ट दिखाई देने लगी हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका-चीन के बीच राजनीतिक स्पर्धा, वैश्विक व्यापार में संरक्षणवाद और तकनीकी वर्चस्व की होड़ ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को जटिल बना दिया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित वैश्विक संस्थाएं भी बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने में कठिनाई महसूस कर रही हैं। ऐसे समय में भारत के सामने अवसर भी हैं और जिम्मेदारियां भी। सवाल महज यह नहीं है कि भारत विश्व की प्रमुख तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा कि नहीं, बल्कि यह भी है कि वह अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया को अधिक महत्वपूर्ण और न्यायपूर्ण संतुलित बनाने में प्रभावी भूमिका निभा पाएगा? पिछले दस सालों में भारत जिस तरह से दुनिया के लिए विश्वसनीय देश बनकर उभरा है, उसमें वैश्विक भूमिका निभाने के अवसर अब साफ-साफ दिखाई देने लगे हैं। पिछले दिनों घटनाक्रमों के वैश्विक घटनाक्रम पर नजर दौड़ाएं तो साफ दिखाई दे रहा है कि भारत की भूमिका दुनिया में सबसे सशक्त और निष्पक्ष बात करने वाले देश के रूप में हर मंच पर स्वीकार की जा रही है। वह चाहे ब्रिक्स हो, संयुक्त राष्ट्र संघ हो या अन्य कोई संस्था हो। भारत ने वैश्विक मंच पर जिस तरह से एक जिम्मेदार और सबको साथ लेकर चलने वाले देश के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है, उससे दुनिया के देश भारत को एक नेतृत्वकर्ता शक्ति सम्पन्न देश के रूप में सम्मान देने लगे हैं। यही वजह है अमेरिका, चीन, सऊदी अरब जैसे देश भारत के बढ़ते प्रभाव से बेचैन दिखते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी को विश्व के अधिकांश देशों का समर्थन यह बताता है कि भारत वह भारत नहीं रहा जो तीन-चार दशक पहले था। आज भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश ही नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति अभियानों में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता होने के कारण दुनिया बेहद आशापूर्ण नजरों से देख रही है। वहीं, दूसरी तरफ भारत के सामने आंतरिक चुनौतियां कम नहीं है। ये चुनौतियां ऐसी हैं जिसका समाधान जमीनी स्तर पर नहीं किया गया तो कई और बेहद गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। यानी सरकार के सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं-एक वैश्विक मंच पर अपनी बेहतर भूमिका और जिम्मेदारी के तहत अपनी छवि को बरकरार रखना और दूसरी देशविरोधी



ताकतों को उभरने से रोकना और विकास दर को लगातार बढ़ाते रहना व साम्प्रदायिक सद्भाव को हर कीमत पर बनाए रखना। सितंबर 2026 में नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्कता की चर्चा को केंद्र में रखा। भारत के लिए ब्रिक्स महज आर्थिक मदद का मंच नहीं, बल्कि विकासशील देशों की समस्याओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने का बेहतरीन अवसर भी है। खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, विकास वित्त और तकनीकी असमानता ऐसे विषय हैं, जिन पर भारत प्रभावी ढंग से पहल कर सकता है। इसके माध्यम से पश्चिम एशिया के बढ़ते घटनाक्रम को किसी नकारात्मक परिणाम पर पहुंचने से रोकने की जो कवायदें की गईं, उससे ब्रिक्स की अहमियत सारी दुनिया ने अनुभव किया। भारत जिस तरह से ब्रिक्स के माध्यम से महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अपनी भूमिका को बेहतर तरीके से रखता रहा है, उससे साफ है कि सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर, वह चाहे जलवायु परिवर्तन हो या ग्रीन हाउस गैसों की कटौती का मामला हो, अमेरिका के दबाव में आने वाला नहीं है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की रणनीतिक स्वयत्तता खास महत्व रखती है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीक और व्यापारिक संबंध महत्वपूर्ण हैं। रूस के साथ ऐतिहासिक रक्षा सहयोग और ऊर्जा संबंध हैं। चीन के साथ सीमा विवाद तथा आर्थिक प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियां हैं। यूरोपीय देशों के साथ निवेश और तकनीकी सहयोग की संभावनाएं हैं। वहीं पश्चिम एशिया भारत की ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों के हितों से जुड़ा हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में भारत की किसी एक शक्ति के प्रभाव में आए बिना अपने राष्ट्रीय हितों के बारे में निर्णय लेने होंगे। लेकिन वैश्विक प्रतिष्ठा का मूल्यांकन महज विदेश नीति से नहीं होता। देश की आंतरिक आर्थिक और सामाजिक स्थिति भी अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित करती है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, परिवहन, आंतरिक अनुसंधान और विनिर्माण के क्षेत्र में विस्तार हुआ है। इसके बावजूद विकास का फायदा समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाना बहुत बड़ी चुनौती है। सरकार के सामने महंगाई और रोजगार के अलावा स्वास्थ्य ऐसे बड़े सवाल हैं जिनका सीधा संबंध आम आदमी से है। सितंबर 2026 में भारत की खुदरा महंगाई दर 5.54 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जबकि खाद्य महंगाई दर 7.74 प्रतिशत रही। अक्टूबर के लिए अर्थशास्त्रियों के सर्वेक्षण में खुदरा महंगाई दर 6.21 प्रतिशत पहुंच गई। इसकी वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि, निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों को प्रभावित करती है। इसलिए आर्थिक विकास के साथ महंगाई पर नियंत्रण और रोजमर्रा की वस्तुओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसी तरह रोजगार के मोर्चे पर भी विकास की गुणवत्ता का सवाल अत्यंत महत्वपूर्ण है। 10 नवंबर 2026 को जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार बेरोजगारी दर में मामूली घटकर 5.1 दर्ज की गई। यदि हम देश के सामने चुनौतियों पर समग्र रूप से नजर डालें तो रोजगार में गिरावट, महंगाई दर में बढ़ोत्तरी, स्वास्थ्य सेवा-क्षेत्र में नकली दवाइयों से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याएं और मौतों का बढ़ता आंकड़ा और जलवायु परिवर्तन की वजह से कृषि क्षेत्र में बढ़ती तमाम तरह की चुनौतियां, यह स्पष्ट करती हैं कि केंद्र और राज्य सरकारों को और भी कारगर कदम उठाने होंगे जिससे आंतरिक चुनौतियों से निपटा जा सके। अभी केंद्र सरकार के सभी फैसले जनहित में रहे हैं, लेकिन और भी बेहतर करने की जरूरत है जिससे सब का साथ, सब का विश्वास, सब का प्रयास और सब का विकास समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्पष्ट दिखाई दे।

(लेखक स्वतंत्र स्तम्भकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

> पिछले कुछ महीनों में विश्व राजनीति के समीकरण तेजी से बदले हैं। इनमें भारत की भूमिका महत्वपूर्ण और दुनिया के लिए विश्वसनीय बन रही है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या आने वाले वक्त में भारत की वैश्विक शक्ति बनने की आकांक्षा पूरी हो पाएगी, ऐसे में जब देश के सामने आर्थिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक चुनौतियों का भी प्रभावी समाधान करने की चुनौती होगी? भारत के लिए आजादी के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है, जब सयुंक्त राष्ट्र संघ में भारत के वीटो पावर के अधिकार के लिए कुछ देशों को छोड़, भारत के लिए स्थायी सदस्यता पर सहमति बनी है। यही नहीं, चीन और अमेरिका ने भी भारत को स्थायी सदस्यता देने में कोई रोड़ा खड़ा नहीं किया है।

बाल दिवस विशेष
रोहित कौशिक

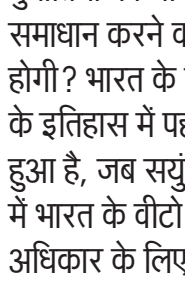


बचपन बचाने की सतही चिंता

बच्चे किसी भी समाज या राष्ट्र का भविष्य होते हैं। भारत वर्ष में बच्चों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। हमारे देश का दुर्भाग्य यही है कि यहां बचपन बचाने की चिन्ता मात्र खोखले आदर्शवाद के दायरे में ही सिमट कर रह गई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि व्यावसायिकता से परिपूर्ण एवं भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में सम्पूर्ण वर्ष हमें बच्चों का ख्याल ही नहीं आता है और बचपन बचाने की चिन्ता का यह पिटारा बाल-दिवस के आसपास खुलता है। इसके बाद समाज का बुद्धिजीवी वर्ग सक्रिय हो उठता है और उसे यह चिन्ता सताने लगती है कि आज बच्चों का बचपन कैसे बचाया जाए। यदि मात्र बाल दिवस पर परिचर्चाएं एवं गोष्ठियां आयोजित कर पूरे वर्ष चुप बैठने से ही इस प्रश्न का हल ढूंढा जा सकता तो अब तक बच्चों के बचपन पर छाई धुन्ध हट गई होती । यह विडंबनापूर्ण ही है कि आज बच्चों के बचपन पर छाई धुंध और गहराती जा रही है। आज एक ओर विभिन्न चैनलों द्वारा टीवी पर परोसी जा रही अश्लीलता से बच्चों का बचपन असुरक्षित होता जा रहा है तो वही हिंसापूर्ण फिल्में बाल भावनाओं को विकृत कर रही हैं। कहीं बस्तों के बोझ से बच्चों का बचपन दब गया है तो कहीं शिक्षा के अभाव में बच्चे दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर हैं। एक ओर बच्चे मानवीय अत्याचार से पीड़ित हैं तो दूसरी ओर पारिवारिक विघटन का असर बच्चों पर पड़ रहा है। आशानुरूप परिणाम न मिलने के कारण माता-पिता के डर से अनेक बच्चे आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाते हैं। इस तरह की अनेक घटनाएं अक्सर प्रकाश में आती रहती हैं। आज बच्चों के बचपन से सम्बन्धित ऐसे ही अनेक प्रश्नों पर गम्भीरता के साथ पुनर्विचार की आवश्यकता है। सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च द्वारा जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि टीवी पर दिखाई जाने वाली हिंसा से बच्चों के दिलो दिमाग पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सस्पेंस ,थ्रिलर, हॉरर शॉ और सोप ओपेरा देखने वाले बच्चे जटिल मनोवैज्ञानिक समस्याओं से प्रभावित हो जाते हैं। आज यह भी देखने में आ रहा है कि हम अक्सर बच्चों के मनोविज्ञान को समझे बिना अपनी इच्छाएं उन पर थोप देते हैं। ऐसे में बच्चे जिस अन्तर्द्वन्द्व की अवस्था से गुजरते हैं, वह अन्ततः अनेक समस्याओं को जन्म देता है। यदि बच्चों की इच्छाओं के समक्ष घुटने टेक दिए जाएंगे तो उनके और अधिक जिद्दी बनने और गलत रास्ते पर चलने की सम्भावना बढ़ जाएगी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि हम बच्चों की इच्छाओं को कोई महत्व ही न दें।

अमूमन होता यह है कि हम शुरू में बच्चे को बहुत अधिक प्यार करते हैं। ऐसे में माता-पिता से बच्चे की अपेक्षाएं भी बढ़ जाती हैं। अपनी इन्हीं अपेक्षाओं के अनुरूप जब बच्चा अपनी इच्छाएं माता-पिता से बताता है तो वे उसे डांट-फटकार कर चुप कर देते हैं। माता-पिता का यह व्यवहार ही बच्चों को विद्रोही एवं चिड़चिड़ा बना देता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम प्रारम्भ से ही बच्चों के साथ एक संतुलित रवैया अपनाएं। बच्चों को ठीक ढंग से समझने के लिए हमें अपने अंदर एक मनोवैज्ञानिक दृष्टि भी विकसित करनी होगी। हमें कोशिश करनी होगी कि हम बच्चों को विश्वास में ले सकें। अक्सर यह देखने में आया है कि माता-पिता स्वयं जिस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाते हैं वे उस लक्ष्य तक अपने बच्चों को पहुंचाने की कोशिश करते हैं। वे इस जुनून में यह भी परवाह नहीं करते कि वास्तव में बच्चे की अपनी इच्छा क्या है? वे यह भी जानने की कोशिश नहीं करते कि बच्चे में उस लक्ष्य तक पहुंचने की क्षमता है भी या नहीं। निश्चित रूप से बच्चे के उज्जवल भविष्य का स्वप्न देखना और उस स्वप्न को साकार करने का प्रयास करना गलत नहीं है, लेकिन यह सब यथार्थ के धरातल पर होना चाहिए। आज की महानगरीय जीवन शैली में माता और पिता दोनों ही अपने-2 कामों में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में भी बच्चों की उचित एवं सम्पूर्ण देखभाल प्रभावित होती है। बच्चों को आया या नौकर के सहारे छोड़ दिया जाता है। व्यावसायिकता के इस दौर में किड गार्डन संस्कृति भी खूब फल-फूल रही है। नौकर एवं किड गार्डन कुछ समय तक तो बच्चों की देखभाल कर सकते हैं लेकिन समस्या तब आती है, जब अत्यधिक व्यवस्ता के कारण माता-पिता बच्चों को मात्र इस व्यवस्था के सहारे ही छोड़ देते हैं। कुछ मामलों में तो पति और पत्नी दोनों का काम पर जाना मजबूरी होती है लेकिन महानगरों में दोनों ही अपनी अलग-अलग जिन्दगी जीना चाहते हैं। ऐसे में बच्चों को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। बच्चों के लालन-पोषण के लिए मात्र सुख-सुविधाओं की ही आवश्यकता नहीं होती है बल्कि सबसे अधिक आवश्यकता होती है, उस स्नेह की जो सच्चे अर्थों में उनके अन्दर एक विश्वास पैदा करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज हमने और अधिक पैसा कमाने की होड़ एवं आधुनिक बनने के चक्कर में मानवीय मूल्यों को भी तिलांजलि दे दी है। इस दौर में बचपन बचाने की सतही चिंता छोड़कर हमें पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर कुछ ठोस प्रयास करने होंगे।

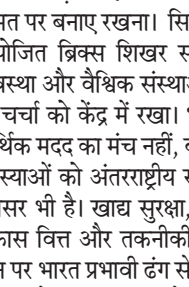
असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है



संकलित
दर्शन

भगवान श्रीराम हर पल आत्मस्थिति में रहे। वे तनिक भी असंयमित नहीं हुए। असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है। जब हम किसी से प्रतिस्पर्धा का भाव रखते हैं, तब उस व्यक्ति के गुण और उसके कार्यों को हम किसी और ढंग से देखते हैं। उसी व्यक्ति से जब हमारा राग होता है, तो हम उसके हर कार्य में श्रेष्ठता ही देखते हैं। द्वेष होने पर हम न्यूनता और दोषों को ही खोजते हैं। आसक्ति होने पर उसके प्रति हम अपना सर्वस्व न्योछावर करने में भी तनिक संकोच नहीं करते हैं। हमारी यह इंद्रधनुषीय दृष्टि और वृत्ति जब किसी पद और अधिकार प्राप्त व्यक्ति के साथ जुड़ जाती हैं, तब वह व्यक्ति विकार को और भी विकृत कर उसे व्यापक बना देता है, तब उस मनःस्थिति में निर्णय देने, सामाजिक व्यवहार करने में वह अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता हुआ स्वयं और समाज को गर्त में डाल देता है। श्रीरामचरितमानस में गुरु वशिष्ठ ने श्रीभरत के अंदर तब इस त्रिपुटी की प्रधानता स्वीकारी, जब श्रीभरत भगवान की पादुकाओं को अपने सिर पर लेकर आए और गुरुदेव वशिष्ठ से पूछा कि यदि आपका मंगलाशासन हो तो मैं पादुका रूप प्रभु को नंदीग्राम जाकर सिंहासनासीन कर वहीं से राज्य का कार्य संभाल लूंगा? तब गुरुदेव ने मानो भरत से यही कहा कि समुझव (समझ) के रूप में तुम्हारे अंदर विधायिका के गुण हैं, कहब (कथन) के रूप में न्यायपालिका के गुण हैं और करब (करनी) के रूप में कार्यपालिका के गुण हैं। भरत ऐसे भक्त हैं, जिन्होंने अपनी समझ, कथन, और करनी का योग भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया। गुरु वशिष्ठ ने कहा कि भरत! तुम्हारे जीवन में तो धर्मसार है। भरत में यदि किंचित मात्र भी मैं होता तो वे लोक, वेद, राजनीत या साधुनीति में से किसी एक का खंडन अपने स्वाभिमान के नाम पर अपनी स्थापना कर देते।

ईर्ष्यालु किसी को सुखी-संपन्न नहीं देख सकता



संकलित
प्रेरणा

एक महिला कुबड़ी थी जिसकी वजह से वह झुककर चलती थी। सभी लोग उसका उपहास उड़ाते थे। बच्चे तो जब-तब उसे 'कुबड़ी-कुबड़ी' कहकर परेशान करते रहते थे। एक दिन वह कहीं जा रही थी कि सहसा रास्ते में उसकी भेंट नारद जी से हो गई। नारद ने उस महिला पर तरस खाते हुए कहा, 'आओ बहन! मेरे पास आओ। मैं अपने योगबल से तुम्हारा कूबड़ ठीक कर दूंगा।' महिला बोली, 'भगवान! आप अंतर्यामी हैं। आप तो जानते ही है कि लोग मेरा कितना मजाक उड़ाते हैं। मुझे सदैव यह कहकर चिढ़ाते रहते हैं कि, देखो वह कुबड़ी जा रही है। यदि आप मुझ पर मेहरबानी कर ही रहे हैं तो मेरे कूबड़ की फिक्र मत कीजिए। आप बस इतना कर दीजिए कि जो लोग मेरा मजाक उड़ाते हैं, उन सबके भी कूबड़ निकल आए।' नारद जी ने उस महिला का उत्तर सुना तो हक्के-बक्के रह गए। आश्चर्यचकित होकर बोले, 'बहन, दूसरों के कूबड़ निकल आने से तुम्हें क्या मिलेगा।' बुढ़िया बोली, 'मैं उन्हें भी अपनी तरह चलते और दूसरों द्वारा उपहास होते देखूंगी तो मन को शांति मिलेगी।' नारद जी सोचने लगे यह महिला चाहती तो मेरी कृपा से अपना कूबड़ ठीक करा सकती थी। लेकिन उसने हाथ आए अवसर को दूसरों के नुकसान के रूप में ही भुनाने की कामना की। ईर्ष्यालु व्यक्ति की प्रकृति यही होती है कि वह दूसरों को सुखी-संपन्न देखकर उनके जैसा उन्नत, संपन्न और सुखी होने की प्रेरणा ग्रहण नहीं करता, बल्कि सुखी लोगों को दुखी करने और नीचे गिराने का प्रयास करता है। बुढ़िया का मनोरथ पूरा करने का उनका कोई इरादा नहीं था।

अंतर्मन



आज की पाती

इस बार भी मनाई गई धुएं वाली दिवाली

दुनिया का सबसे बड़ा पर्व दीपावली भारत सहित दुनियाभर के अनेक देशों में मनाया गया। दीपावली के त्योहार पर हर बार अपील होती है कि इसे इस तरह मनाया जाए कि प्रदूषण न फैले और अग्निकांड भी न हों। परंतु हर बार की तरह इस बार भी धुएं वाली दिवाली मनाई गई और लोगों ने खूब पटाखे फोड़े। आश्चर्य की बात तो यह है कि रात दो बजे भी पटाखे चलते सुने गए। अब दिवाली खत्म हो गई है, परंतु पटाखे अब भी चल रहे हैं। दिल्ली सहित हर प्रदेश में खूब प्रदूषण फैला। वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार हर शहर और कस्बे को प्रदूषण की मार झेलनी पड़ी। स्वच्छ हवा में सांस लेना तक मुश्किल हो गया। आग की घटनाएं भी इस बार पहले की अपेक्षा बढ़ गईं।
- प्रदीप शर्मा, कांकेर

ट्रेंड

टीबी से मौतों में कमी



टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई उत्साहजनक परिणाम दिखा रही है! डब्ल्यूएचओ की 'ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2026' भारत की उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाती है। 2015 के बाद से टीबी से होने वाली मौतों में 38% की कमी आई है, जो 35% की वैश्विक गिरावट से बेहतर है।
- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

केंद्र सरकार की आदत



केंद्र सरकार की आदत बन गई है कि वह हर बात के लिए पंजाब को दोष देती है। हमारी सरकार के सहयोग, मशीनों की उपलब्धता और किसानों की जागरूकता की बदौलत, इस बार पराली जलाने की घटनाओं में काफी कमी आई है।
- भगवंत मान, सीएम, पंजाब

महापर्व 'छठ पूजा'



लोक आस्था के महापर्व 'छठ पूजा' का पहला अनुष्ठान 'नहाय-खाय', शरीर और मन की शुद्धि, आत्मा की पवित्रता और सूर्य देव की उपासना के पावन संकल्प का प्रतीक है। हमारी सरकार ने इस वर्ष पूरी दिल्ली में 1,400 छठ घाटों पर विशेष प्रबंध किए हैं।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

लोकतंत्र का मूल सार



लोकतंत्र का मूल सार ही यह है कि सवालों के जवाब पूरे आत्मविश्वास, सच्चाई और साहस के साथ दिए जाएं। राहुल गांधी की चुनौती इसी लोकतांत्रिक परंपरा को आगे बढ़ाने के बारे में है। आइए, बहस के लिए मंच तैयार करें, खुली बातचीत करें।
- सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री

करंट अफेयर

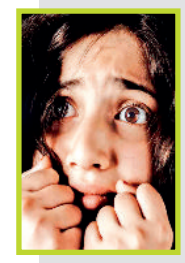
हुआंग की ताइवान में छवि धूमिल, लोकप्रियता भी घटी



एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसेन हुआंग अपने जन्मस्थान ताइवान में किसी रॉक स्टार की तरह लोकप्रिय थे। हालांकि, एक कथित चीनी एजेंट के साथ उनके प्रेम संबंधों की अमेरिकी संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) द्वारा जांच शुरू किए जाने के बाद उनकी यह छवि धूमिल हो गई है। दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह ताइवान में भी हुआंग और एलिस हुआंग नाम की एक चीनी कारोबारी महिला के संबंधों को लेकर सामने आए विवाद से लोग हैरान हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कथित तौर पर एलिस को चीनी जासूस बताया है। वर्ष 2025 में राजधानी ताइपे के एक रेस्तरां में दोनों के जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और दुनियाभर के समाचार माध्यमों में प्रसारित हुआ। हुआंग ने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया। बुधवार देर रात मीडिया में आई उन खबरों के बाद उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं, जिनमें कहा गया था कि एनवीडिया के एक कर्मचारी के साथ भी उनके विवाहेतर संबंध थे और वह कर्मचारी सीधे उन्हें रिपोर्ट करता था।

ऑफ बीट

बच्चे को नुकसान पहुंचाने के डरावने विचार आना सामान्य



माता-पिता बनने की खबर दोस्तों और परिवार को देते ही आपको उनकी ओर से ढेरों सलाह मिलने लग जाती हैं। हर कोई बताने लगता है कि बच्चे की देखभाल कैसे करनी है, किन बातों का ध्यान रखना है और क्या करना चाहिए। लेकिन इस दौरान होने वाले एक ऐसे आम अनुभव के बारे में शायद ही कोई बात करता है, जिसका असर माता-पिता की मानसिक सेहत पर लंबे समय तक रह सकता है। चिकित्सकीय भाषा में इसे 'पेरिनेटल इंटूसिव थॉट' (प्रसवकालीन अनचाहे विचार) कहा जाता है यानी गर्भावस्था के दौरान या बच्चे के जन्म के बाद के पहले वर्ष में अचानक मन में अवांछित, डरावने और परेशान करने वाले विचारों का आना। ये ऐसे विचार होते हैं जो अचानक मन में आते हैं और ये नकारात्मक होते हैं। आमतौर पर ये उन घटनाओं से जुड़े होते हैं जिनसे हम डरते हैं या जिन्हें घटित होते नहीं देखना चाहते। मसलन, किसी बैठक में अचानक मुंह से कोई अनुचित बात निकल जाने का ख्याल आना। बच्चे के जीवन के पहले वर्ष को यहां प्रसवकालीन अवधि कहा गया है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

माणा गांव की बेटियां कंबल बनाकर निभाती हैं सदियों पुरानी परंपरा

भगवान बद्रीविशाल को ठंड में ओढ़ाया जाने वाला घृत कंबल पहुंचा मंदिर

बद्रीनाथ मंदिर के कपाट 16 नवंबर को रात 9.37 बजे बंद किए जाएंगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पहाड़ों पर बर्फ पड़ रही हैं। तापमान शून्य से नीचे चला गया है। बद्रीनाथ धाम के कपाट सोमवार 16 नवंबर को बंद होने वाले हैं। ऐसे में भगवान बद्रीविशाल को ठंड से बचाने के लिए एक खास घृत कंबल तैयार किया जाता है। इसे कोई मशीन नहीं बनाती, न ही इसे बाजार से खरीदा जाता है। इसे तैयार करती हैं उत्तराखंड के सीमांत गांव माणा की महिलाएं और बेटियां। इस कंबल की खासियत है कि इसे भगवान को ओढ़ाने से पहले शुद्ध घी और केसर से लेपित किया जाता है। मान्यता यह भी कहती है कि जब छह महीने बाद कंबल उतारा जाता है, तो उस पर लगा घी अगर ताजा और नम मिले, तो इसे अच्छी बारिश, खुशहाली और समृद्धि का संकेत माना जाता है।

माणा गांव की महिलाएं बनाती हैं घृत कंबल

इसे घृत कंबल कहा जाता है। बद्रीनाथ धाम से जुड़ी यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। मान्यता है कि जैसे एक मां सर्दी में अपने बच्चे को गर्म रखने के लिए उसकी चिंता करती है, वैसे ही भक्त भगवान बद्रीविशाल को ठंड से बचाने के भाव से यह कंबल अर्पित करते हैं। इस साल भी माणा गांव के मोल्फा परिवार ने एकादशी पर घृत कंबल और पहाड़ी गाय का शुद्ध देसी घी भगवान बदरीविशाल को अर्पित किया है।

माणा गांव निभा रहा सदियो पुरानी परंपरा

स्थानीय मान्यता के अनुसार, भगवान बद्रीनाथ के लिए घृत कंबल तैयार करने की परंपरा आदि गुरु शंकराचार्य के समय से जुड़ी हुई है। माणा गांव के पूर्व प्रधान पीतांबर मोल्फा बताते हैं कि उनके गांव के लोगों को पीढ़ियों से भगवान बद्रीनाथ के लिए यह कंबल तैयार कर भेंट करने का विशेष दायित्व मिला हुआ है। यानी यह सिर्फ एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि एक ऐसी विरासत है जिसे एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को सौंपती आ रही है।

एक दिन का व्रत, फिर तैयार होता है घृत कंबल

घृत कंबल तैयार करने की परंपरा अपने आप में खास है। कार्तिक महीने में शुभ दिन पर माणा गांव की सुहागिन महिलाएं और कुंवारी कन्याएं व्रत रखती हैं। इसके बाद वे मिलकर एक ही दिन में यह कंबल तैयार करती हैं। इस साल मोल्फा परिवार ने इसे भगवान बद्रीविशाल को अर्पित किया।



भगवान को कंबल ओढ़ाकर बंद हो जाते हैं कपाट

बद्रीनाथ धाम के कपाट जब शीतकाल के लिए बंद किए जाते हैं, तब घृत कंबल की परंपरा का सबसे अहम हिस्सा पूरा होता है। मंदिर के मुख्य पुजारी यानी रावल इस कंबल पर शुद्ध घी और केसर का लेप लगाते हैं। इसके बाद कंबल से भगवान बद्रीविशाल के विग्रह को ढक दिया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि अगले छह महीने तक भगवान इसी कंबल में विराजमान रहते हैं।

कंबल के छोटे-छोटे टुकड़े बांटे जाते हैं

जब गर्मियों में बद्रीनाथ धाम के कपाट फिर से खोले जाते हैं, उस समय भगवान बद्रीविशाल के विग्रह से घृत कंबल उतारा जाता है। इसके बाद कंबल के छोटे-छोटे टुकड़े श्रद्धालुओं को महाप्रसाद के रूप में बांटे जाते हैं। माणा गांव उत्तराखंड के चमोली जिले में भारत-चीन सीमा के पास स्थित है। इसे देश के प्रथम गांव के रूप में भी जाना जाता है।

बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद होने का समय

बद्रीनाथ मंदिर के कपाट 16 नवंबर 2026 को रात 9 बजकर 37 मिनट पर बंद किए जाएंगे। बद्रीनाथ धाम में भगवान विष्णु की बद्री नारायण स्वरूप में पूजा होती है। कपाट बंद होने से पहले मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। शीतकाल के दौरान भगवान बद्री विशाल की पूजा से जुड़ी परंपराएं जोशीमठ के नृसिंह मंदिर और पांडुकेश्वर के योगध्यान बद्री मंदिर में निभाई जाती हैं।

खबर संक्षेप

अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है और उनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बाहरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान मोहम्मद रियाद हुसैन (28), आसिफ मिया (42), मोहम्मद शाबान इस्लाम (18) और मोहम्मद फारूकी हुसैन (41) के रूप में हुई है। चारों बांग्लादेश के रहने वाले हैं। उनके मुताबिक, पूछताछ में पता चला कि चारों यूनान का वीजा हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।



रेप के आरोप में कांग्रेस विधायक पर मामला दर्ज

रांची। झारखंड में सरकारी आवास पर घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने वाली 15 वर्षीय लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोप में कांग्रेस के विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। सिमडेगा जिले की रहने वाली लड़की ने धुर्वा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि बाड़ा ने पांच अगस्त को अपने आवास पर उसके साथ दुष्कर्म किया, जिसके बाद वह गर्भवती हो गई। बाद में चिकित्सकीय जांच के दौरान उसे पता चला कि उसका गर्भपात हो गया।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा की आग, उग्रवादियों के हमले से दहला इलाका

उग्रवादियों ने दो वाहनों में गोलीबारी कर मां-बेटे, भाई-बहन को उतारा मौत के घाट

मणिपुर में हिंसा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य में एक बार फिर गोलीबारी की बड़ी घटना सामने आई है।शुक्रवार को इंफाल-उखरुल रोड पर न्यू हेवन इलाके में दो अलग-अलग गाड़ियों को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक मां-बेटे और दो भाई-बहन शामिल हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है।

एजेंसी ▶▶| इंफाल

इस हमले ने एक बार फिर मणिपुर में सुरक्षा व्यवस्था और लगातार जारी हिंसा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को चार लोग दो अलग-अलग गाड़ियों में सवार होकर इंफाल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान न्यू हेवन इलाके में उन पर हमला किया गया। हमलावरों ने दोनों गाड़ियों को निशाना बनाते हुए गोलियां चलाईं। इस अचानक हुई गोलीबारी में चारों लोगों की जान चली गई। घटना की जानकारी सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

मणिपुर में हिंसा को लेकर बढ़ी चिंता

हत्याओं पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस विधायक दल के नेता के मेघचंद्र ने केंद्र और राज्य सरकारों पर सवाल उठाए, और लगातार हो रही हिंसा और लोगों की तकलीफ पर चिंता जताई। हमले के हालात और हमलावरों की पहचान के बारे में और जानकारी का इंतजार है।



हमलों ने बढ़ाई सुरक्षा बलों की चिंता

जब हमला हुआ, तब पीड़ित दो गाड़ियों में सवार थे. बताया जा रहा है कि उनमें से दो मारुति स्विफ्ट में सवार थे, जबकि बाकी दो बोलेरो में थे, जब उन पर हमला हुआ। इस घटना ने एक बार फिर मणिपुर में मौजूदा सुरक्षा हालात को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इंफाल-उखरुल रोड पर न्यू हेवन में हुए हमले ने एक बार फिर राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कल भी मणिपुर के एक जिले में गोलीबारी हुई थी

इससे पहले 12 नवंबर को कांगपोकपी जिले के ताफोउ कुकी गांव और सेनापति जिले के कैलेंगजांग के पास भी गोलीबारी हुई थी। इस घटना में 42 साल की एक कुकी महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि दो पुरुष घायल हुए थे। इससे नेशनल हाईवे-2 पर दहशत फैल गई थी।

हिंसा में अबतक 300 से अधिक लोगों की मौत

मणिपुर में, मई 2023 में घाटी में रहने वाले मेइतेई और पहाड़ी कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में कम से कम 306 लोगों की जान चली गई, जबकि 49 लोग लापता हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नागाओं के बीच झड़पों में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं।

मणिपुर में 3 साल में 70 हजार लोग विस्थापित

मणिपुर में 3 मई 2023 को मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इसके बाद राज्य में बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ और हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े। ह्यूमन राइट्स वॉच के सितंबर 2026 के आकलन के मुताबिक, इस हिंसा में 260 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और 70 हजार से अधिक लोग विस्थापित हुए।

पैतृक जमीन बेचने को लेकर विवाद तीन की मौत

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले में पैतृक जमीन बेचने को लेकर हुए घरेलू विवाद के बाद कथित तौर पर जहर खाने से एक महिला, उसके 12 वर्षीय बेटे और सास की मौत हो गई जबकि महिला की 15 वर्षीय बेटी का अस्पताल में इलाज जारी है।

पाकिस्तान के मिलिट्री कैंप पर घुसा बारूद भरा ट्रक, 18 जवानों की मौत

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में पाकिस्तानी सेना के एक कैंप पर फिदायीन हमले का मामला सामने आया है। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने 12 नवंबर की रात को मस्तुंग के कंदावा/कानक इलाके में पाकिस्तानी सैन्य कैंप पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने दावा किया है कि इस हमले में पाकिस्तानी सेना के 18 से ज्यादा जवान मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। हालांकि, हताहतों की संख्या की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बीएलए ने ली फिदायीन हमले की जवाबदारी



कौन था आत्मघाती हमलावर?

बीएलए ने आत्मघाती हमलावर की पहचान मस्तुंग के खदकोचा निवासी उसामा शाहवानी उर्फ वढूढ के रूप में की है। संगठन के मुताबिक, वह 2022 में इसमें शामिल हुआ था और 2024 में मजीद ब्रिगेड का हिस्सा बन गया। बीएलए ने दावा किया कि शाहवानी ने कलात, नागाहो और शूर परोद में कई अभियानों में हिस्सा लिया था। संगठन के मुताबिक, नुश्की में उसके कथित ऑपरेशन हेरोफ-2 के दौरान वह तीन दिन तक लड़ाई में शामिल रहा था।

फतेह स्क्वॉड के लड़ाकों ने बनाया निशाना

बीएलए के बयान के मुताबिक, उसकी मजीद ब्रिगेड ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी के जरिए आत्मघाती हमला किया। संगठन का दावा है कि इस धमाके में सैन्य कैंप और आसपास की सुरक्षा चौकियां तबाह हो गईं। इसके बाद उसके फतेह स्क्वॉड के लड़ाके कैंप के अंदर दाखिल हुए और धमाके में बच गए सैन्यकर्मियों को निशाना बनाया। संगठन ने पास की एक अन्य सुरक्षा चौकी पर भी हमला करने का दावा किया है।

8 पिस्तौल व 28 कारतूस सहित तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की उत्तरी रेंज में संगठित अपराध और अवैध हथियारों की आपूर्ति के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रोहिणी और बाहरी उत्तरी जिले की पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में तीन लोगों से आठ पिस्तौल, 28 कारतूस और 11 लाख रुपये बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि बेगमपुर में एसयूवी कार सवार जोगिंदर उर्फ जॉक, जॉनी उर्फ अक्षय, तथा अंकुर चौहान को गिरफ्तार किया गया।

ई-नीलामी सूचना

ऋणवसूली अधिकरण, भारत सरकार,
वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवायें विभाग (बैंकिंग प्रभाग)
द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड,
हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर-(मप्र) 482001

प्रकरण संख्या: RC 216/2025 / ओ.ए. संख्या 619/2023
ई-नीलामी संख्या 213/2026

Punjab National Bank वि. M/s BRICEM BUILDCON एवं अन्य में पारित वसूली प्रमाण पत्र क्रमांक RC No. RC 216/2025 / O.A. No. 619/2023 में जारी राशि की वसूली हेतु प्रमाण पत्र Rs. 14,37,19,650.32 (Rupees Forteen Crore Thirty Seven Lakh Nineteen Thousand Six Hundred Fifty and Thirty Two Paise only) तथा उस पर 12.00 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से दिनांक 16.03.2023 से ब्याज एवं वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्ति ऑनलाईन ई-नीलामी प्रक्रिया के तहत वेबसाईट https://www.baanknet.com के माध्यम से की जायेगीं।

ई- नीलामी की तिथि एवं समय- 23/12/2026 दोपहर 12.00 से 01.00 बजे तक

संपत्ति की अनुसूची

क्र. सं.	विक्रय हेतु प्रस्तावित संपत्ति का विवरण	आरक्षित / न्यूनतम मूल्य	ई.एम.डी. राशि
1.	I) All that pieces & parcels of immovable property (City Center Mall) situated at PH No. 9 (PH No. - 00016 & Sharda Vihar Ward No. 12 as per valuation report), RNM: Korba, bearing Khasra No.-551/26, 551/33, 594/1, 594/2k, 594/2Kh, 594/2g, 595 & 596/2, admeasuring 76471 sq.ft., Tehsil & District-Korba (C.G.); ii) All that pieces & parcels of immovable property situated at Korba, PH No. 9, (P.H. No. 00016 Ramsagarpara Ward No.01 as per valuation), RNM & Tehsil-Korba, K.No.-596/1 (old Khasra No.-596), total area 0.37 acres, i.e., 16568 sq.ft.; iii) Immovable property situated situated at Mauja Village-Korba, PH No. 9/4 (P.H. No. 00016 as per valuation report), RNM: Korba, Ward No.-2 (Ramsagarpara ward as per valuation report), Saket Nagar, Khasra No.-624/1, 624/2 (Old Khasra No.-624), Tehsil & District-Korba (C.G.), admeasuring 25288 sq.ft.;	For Prop. No. 1 Rs. 40,20,00,000.00 (Rupees Forty Crore Twenty Lakh only); Prop. No. 2 Rs. 5,40,00,000.00 (Rupees Five Crore Forty Lakh only); Prop. No. 3 Rs. 7,80,00,000.00 (Rupees Seven Crore Eighty Lakh only)	For Prop. No. 1 Rs. 4,02,00,000.00 (Rupees Four Crore Two Lakh Only); Prop. No. 2 Rs. 54,00,000.00 (Rupees Fifty Four Lakh only); Prop. No. 3 Rs. 78,00,000.00 (Rupees Seventy Eight Lakh only)

विक्रय की शर्तें एवं नियम

1. विक्रय की सभी शर्तें ऋणों की वसूली एवं दिवालियापन अधिनियम 1993 के प्रावधानों तथा आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय एवं तृतीय अनुसूचियों, आयकर (प्रमाणपत्र कार्यवाही) नियम, 1962 के साथ पठित प्रावधानों द्वारा शासित होंगी तथा समय-समय पर यथा संशोधित सूचना प्रौद्योगि की अधिनियम, 2000 के प्रावधानों से भी निर्देशित होंगी।
2. इच्छुक बोलीदाता निम्न सेवा प्रदाता से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

नीलामी एजेंसी	Bank Asset Auction Network (BAANKNET)
हेल्पलाइन नं.	+91-82912 20220
हेल्पलाइन ईमेल	support.baanknet@psballiance.com
बैंक अधिकारी	Mr. Raghubansh Narayan Singh, Chief Manager, Mob.- 8789388472
संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	04-12-2026 दोपहर 12:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक

3. इच्छुक बोलीदाता बोली प्रपत्र विस्तृत विवरण एवं विक्रय की शर्तों हेतु वेबसाइट https://baanknet.com का अवलोकन करें। 4. बोलियाँ (bids) केवल ऑनलाइन माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत की जाएँगी। प्रत्येक बोली के साथ पैन कार्ड की प्रति, पते का प्रमाण, पहचान-पत्र, ई-मेल आईडी तथा मोबाइल नंबर की प्रतिलिपि संलग्न करना अनिवार्य होगा। कंपनी के मामले में, कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा पारित बोर्ड प्रस्ताव (Board Resolution) की प्रमाणित प्रति अथवा कंपनी की ओर से प्रतिनिधित्व / अधिकार-पत्र (Power of Attorney / Authorization) को प्रमाणित करने वाला कोई अन्य वैध दस्तावेज बोली प्रपत्र के साथ संलग्न किया जाएगा। बोलीदाता संपत्ति के विवरण, क्षेत्रफल / माप, प्रभारों (Encumbrances), दायित्वों तथा अन्य संबंधित तथ्यों की शुद्धता एवं सत्यता के संबंध में स्वयं अपने स्तर पर संबंधित सरकारी कार्यालयों अथवा अन्य सक्षम स्रोतों से जांच-पड़ताल कर पूर्णतः संतुष्ट हो लें। इस संबंध में भविष्य में उत्पन्न होने वाली किसी भी त्रुटि,विसंगति, कमी अथवा विवाद के लिए ऋण वसूली अधिकरण (DRT) उत्तरदायी नहीं होगा। 5. आरक्षित मूल्य का 10% अर्थात् रु. **for Prop. No.1 Rs. 4,02,00,000.00 (Rupees Four Crore Two Lakh Only); Prop. No. 2 Rs. 54,00,000.00 (Rupees Fifty Four Lakh only); Prop. No. 3 Rs. 78,00,000.00 (Rupees Seventy Eight Lakh only)** ईएमडी के रूप में BAANKNET वॉलेट में जमा करना होगा तथा उसका विवरण बोली प्रपत्र में अंकित करना होगा। **6. ऑनलाइन बोली दिनांक 21-12-2026 को सायं 5:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकेगी।** 7. ऑनलाइन प्रस्तुत बोली प्रपत्र एवं संलग्नकों की प्रति वसूली अधिकारी, डीआरटी, जबलपुर, द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (बीएसएनएल भवन), रेजीडेंसी रोड, मुख्य डाकघर के निकट, दक्षिण सिविल लाइन्स, जबलपुर को यथा शीघ्र प्रेषित की जाएगी। 8. ऑनलाइन बोली प्रक्रिया प्राप्त उच्चतम बोली से प्रारंभ होगी तथा प्रत्येक अगली बोली में न्यूनतम वृद्धि रु. **for Prop. No. 1 Rs.40,00,000.00 (Rupees Forty Lakh only); Prop. No. 2 Rs.5,50,000.00 (Rupees Five Lakh Fifty Thousand only); Prop. No. 3 Rs.8,00,000.00 (Rupees Eight Lakh only).** होगी। नीलामी समाप्ति से पूर्व कोई बोली प्राप्त होने पर प्रणाली द्वारा नीलामी समय स्वतः 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाएगा। 9. असफल बोलीदाताओं की ईएमडी उसी खाते में वापस की जाएगी जिससे भुगतान किया गया था। इस संबंध में कोई पत्राचार स्वीकार नहीं किया जाएगा। ईएमडी जमा करने के पश्चात बोलीदाता उसे वापस नहीं ले सकेगा अन्यथा राशि जब्त कर ली जाएगी। 10. स्थावर संपत्ति के मामले में सफल उच्चतम बोलीदाता को घोषणा के अगले दिन अपनी बोली स्वीकृत होने पर, बोली राशि का 25% (ईएमडी घटाकर) **UCO BANK, NAVYUG COLLEGE BRANCH, JABALPUR.** में वसूली अधिकारी, ई-नीलामी खाता, डीआरटी जबलपुर, **चालू खाता संख्या 20020210000380, आईएफएससी कोड UCBA0002002** में RTGS/NEFT द्वारा जमा करना होगा। चूक होने पर संपत्ति पुनः विक्रय हेतु प्रस्तुत की जाएगी तथा ईएमडी जब्त कर ली जाएगी। 11. सफल बोलीदाता को शेष 75% राशि तथा विक्रय राशि का 1% पाउंडेज शुल्क एवं प्रत्येक संपत्ति पर अतिरिक्त रु.10/- नीलामी की तिथि से 15 दिनों के भीतर, क्रम संख्या 10 में उल्लिखित **खाता संख्या 20020210000380** में आरटीजीएस (RTGS) / एनईएफटी (NEFT) / मनी ट्रांसफर के माध्यम से जमा करना होगा। यदि पंद्रहवाँ दिन रविवार अथवा अन्य अवकाश का दिन हो, तो भुगतान उसके पश्चात् आने वाले प्रथम कार्य दिवस पर किया जा सकेगा। निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान न किए जाने की स्थिति में संपत्ति के विक्रय हेतु नवीन विक्रय उद्घोषणा (Fresh Proclamation of Sale) जारी कर पुनः नीलामी की जाएगी। ऐसी स्थिति में जमा की गई राशि सरकार के पक्ष में जब्त (Forfeited) कर ली जाएगी तथा चूक करने वाला क्रेता (Defaulting Purchaser) उक्त संपत्ति अथवा उसके पुनर्विक्रय से प्राप्त किसी भी राशि पर अपना समस्त दावा एवं अधिकार खो देगा। 12. संपत्ति का विक्रय "जैसी है जहाँ है तथा बिना किसी शिकायत के आधार पर (As is Where is and No Complaint Basis) किया जाएगा। 13. संपत्ति का विक्रय आरक्षित मूल्य से कम पर नहीं किया जाएगा। 14. वसूली अधिकारी को बिना कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने अथवा विक्रय स्थगित / निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा। 15. इच्छुक बोलीदाता बैंक के पास उपलब्ध स्वामित्व अभिलेखों का अवलोकन करें तथा संपत्ति की पहचान,विवरण एवं भार आदि की स्वयं जांच करें। इसकी शुद्धता के लिए डीआरटी उत्तरदायी नहीं होगा। 16. बोलीदाता अपनी इच्छानुसार किसी भी स्थान से ई-नीलामी में भाग ले सकते हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना उनकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। इंटरनेट, नेटवर्क, सिस्टम क्रैश या विद्युत व्यवधान केलिए डीआरटी / बैंक/ सेवा प्रदाता उत्तरदायी नहीं होंगे। 17. उच्चतम बोली अनुमोदन के अधीन अस्थायी रूप से स्वीकार की जाएगी। विक्रय की पुष्टि होने तक बोलीदाता को संपत्ति पर कोई अधिकार या स्वामित्व प्राप्त नहीं होगा। 18. विक्रय पर लागू स्टाम्प शुल्क, पंजीयन शुल्क एवं अन्य वैधानिक शुल्क सफल क्रेता द्वारा वहन किए जाएंगे। 19. विक्रय प्रमाणपत्र केवल उन्हीं व्यक्ति/यक्तियों के नाम जारी किया जाएगा जिनके नाम बोली प्रपत्र में उल्लिखित हैं। 20. विक्रय प्रमाणपत्र में बोली प्रपत्र में उल्लिखित नामों के अतिरिक्त किसी अन्य नाम को जोड़ने या प्रतिस्थापित करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा 21. बोलीदाता अपने यूजर आईडी, पासवर्ड एवं अन्य गोपनीय जानकारी किसी को भी प्रकट न करें 22. बोलीदाताओं को समय विलंब, अधिक ट्रैफिक, सिस्टम / विद्युत विफलता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अतः अंतिम समय तक प्रतीक्षा न करने की सलाह दी जाती है। 23. ई-नीलामी सेवा प्रदाता, बैंक के अधिकारी, उनके प्रतिनिधि, कर्मचारी एवं एजेंट ई-नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाताओं के विवरणों की पूर्ण गोपनीयता बनाए रखेंगे।

स्थान- जबलपुर,
दिनांक- 26/10/2026

(प्रीति देसाई)
वसूली अधिकारी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

।। ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ।।

क्र./1553/लो.क.वि./न.पा./2026 कुम्हारी, दिनांक 12/11/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
203825	वार्ड क्र.–02 आजाद चौक से दशरथ मानिकपुरी घर तक बी.टी.रोड निर्माण एवं दशरथ मानिकपुरी घर के पास आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	24.21	04.12.2026
203827	वार्ड क्र.–02 घनश्याम पान ठेला से आम बगीचा के पीछे तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	27.03	04.12.2026
203828	वार्ड क्र.–02 मलिया पारा में सी.सी.रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	10.00	04.12.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, साहेबगंज।

(Email- gpcdiv.sbg@gmail.com)

e-Procurement Tender Notice
Two Envelope System
निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 01/2026-27

निविदा संदर्भ संख्या–WRD/GPCDIV/SBG/01/2026-27 दिनांक–13/11/2026

1. विभाग का नाम–	जल संसाधन विभाग, झारखण्ड सरकार
2. विज्ञापन दाता का नाम–	कार्यपालक अभियंता, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, साहेबगंज।
3. निविदा वेबसाइड पर प्रकाशन की तिथि–	23/11/2026
4. परिमाण विपत्र डाउनलोड करने की अवधि–	25/11/2026 से 05/12/2026 तक
5. निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि–	05/12/2026 05:00 PM
6. निविदा खुलने की तिथि एवं समय–	07/12/2026 01 :00 PM
7. कार्य का विवरण–	

क0	कार्य का नाम	ग्रुप	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1	साहेबगंज जिलान्तर्गत उधवा प्रखण्ड के ग्राम खट्टीटोला के पास पुर्व में किये गये कार्य स्थल के D/S से बानोटोला तक गंगा नदी के दाँये तट पर कटाव निरोधक कार्य हेतु 400 मी0 लम्बाई में Edge Crating with 9m Launching Apron का निर्माण कार्य। Lat- 24°57'54.23" N Long- 87°53'41.37" E	01	40872686.23	408800.00	10000.00	300 दिन
2	साहेबगंज जिलान्तर्गत राजमहल प्रखण्ड के गजहर टोला कमल टोला विषु टोला हाजीपुर अली टोला के सामने गंगा नदी के दाँये तट पर कटाव निरोधक कार्य हेतु सबसे असुरक्षित हिस्से के 600 मी0 लम्बाई में Edge Crating with 9m Launching Apron का निर्माण कार्य। Lat- 25°01'09.59" N Long- 87°51'23.20" E	02	55342297.76	553500.00	10000.00	300 दिन

8. नोट– केवल ई0 निविदा ही स्वीकार्य होगा। प्राक्कलित राशि घट बढ़ सकता है तदनुसार अग्रद्यन की राशि देय होगा। ज्यादा जानकारी के लिये वेबसाइट https://jharkhandtenders.govin/nicgep/app पर देखा जा सकता है।
9. विभागीय पत्रांक–430 दिनांक–19.11.2020 के अनुसार निविदा पर अनुमान्य दर से 10 प्रतिशत से अधिक नीचे जाने पर 10 प्रतिशत के नीचे के दर पर Additional Performance Security देय होगी।
10. परिमाण विपत्र एवं EMD की राशि केवल Online के माध्यम से हो स्वीकार्य होगा। निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई भुगतान जिस खाता से किया जायेगा उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगा अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो इसकी सारी जवाबदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
11. निविदा का निष्पादन दो लिफाफा प्रणाली के माधयम से होगा।
12. संवेदक निविदा भरने से पूर्व कार्यस्थल का भौतिक निरिक्षण कर ले।
13. कार्यपालक अभियंता का मोबाईल नम्बर– 7677240428

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियंता
गंगा पम्प नहर प्रमंडल, साहेबगंज।

PR 393771 (District) 26-27 (D)

कार्यालय नगर पंचायत मल्हार, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

फोन नं. 07752-273990 E-mail: cmo_malhar@rediffmail.com

क्र./1811/निविदा/न.पं. / 2026-27 मल्हार, दिनांक 13/11/2026

द्वितीय मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत D& above में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा फार्म "A" में प्रतिशत दर में कम / PWD Building SOR 01.01.2015, PWD Road SOR 01-01-2015, PWD Building SOR 20.04.2026, PWD Road SOR 20.04.2026 अधिक निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक 03 लिफाफा पद्धति से द्वितीय निविदा आमंत्रित की जाती है:-
कार्यालय में पंजीकृत डाक के माध्यम से निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि:- 30.11.2026 सायं 04.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र खोलने की अंतिम तिथि:- 30.11.2026 सायं 05.00 बजे तक

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख)	अमानत राशि / समयावधि	निविदा शुल्क (रु.)	एस.ओ.आर
1	वार्ड क्र. 03 में राधाकृष्ण मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	4.90	4900/120 दिवस	750.00	PWD Building SOR 01.01.2015
2	वार्ड क्र. 08 छोटेलाल यादव घर से शीतला मंदिर तक पेव्हर ब्लॉक	4.77	5000/90 दिवस	750.00	EFFECTIVE Building SOR 01.01.2015
3	वार्ड क्र. 12 में चबुतरा सहित शेड निर्माण कार्य	3.81	4000/90 दिवस	750.00	PWD Building SOR 01.01.2015
4	वार्ड क्र. 02 में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य शिवचरण कैवर्त के घर के सामने बरबांधा पार	4.31	5000/120 दिवस	750.00	PWD Building SOR 20.04.2026
5	वार्ड क्र. 05 में नीलगिरी पेड़ के पास से राधाकृष्ण मंदिर के तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	4.13	4200/90 दिवस	750.00	PWD Road SOR 20.04.2026
6	वार्ड क्र. 14 में राजाराम घर से परमेश्वरा तालाब तक सी.सी. रोड एवं रिटेनिंग वाल	2.83	3300/90 दिवस	750.00	PWD Road SOR 20.04.2026
7	वार्ड क्रमांक 9 बुढ़ादेव मंदिर शिवसागर तालाब के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	4.34	5000/150 दिवस	750.00	PWD BUILDING SOR 20.04.2026

टीप :- (1) यह जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in एवं www.cg.uad.gov.in में देखी जा सकती हैं। उपरोक्त कार्यो की निविदा शर्तें / विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण विभाग शाखा में अवलोकन किया जा सकता हैं। (3) अवकाश होने की स्थिति में आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत मल्हार

फसल विविधीकरण और श्री अन्न उत्पादन को मिल रहा प्रोत्साहन

किसानों की आर्थिक समृद्धि और खेती को लाभकारी बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में हो रहे नवाचार: नेताम



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में किसानों की आर्थिक समृद्धि, कृषि को लाभकारी बनाने और खेती को नई दिशा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक महत्वपूर्ण पहल की जा रही हैं।

कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल देने के साथ दलहन-तिलहन उत्पादन, फसल विविधीकरण और श्री अन्न (मिलेट्स) की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम एवं कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने एक प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के संचालक राहुल देव भी उपस्थित थे। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने बताया कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में कृषक उन्नति योजना के माध्यम से प्रदेश के किसानों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। खरीफ वर्ष 2023 से खरीफ वर्ष 2025 तक प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को योजना के अंतर्गत कुल 35 हजार 904 करोड़ 90 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

- कृषक उन्नति योजना से 25 लाख से अधिक किसानों को 35 हजार 904 करोड़ का भुगतान

इसमें खरीफ 2023 के लिए 13 हजार 289 करोड़ रुपये, खरीफ 2024 के लिए 11 हजार 976 करोड़ रुपये तथा खरीफ 2025 के लिए 10 हजार 639 करोड़ रुपये शामिल हैं।

इन फसलों के लिए मिलेंगे 10 हजार

श्री नेताम ने बताया कि दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी एवं कपास जैसी फसलों की खेती करने वाले किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता देने का प्रावधान है। इसके अंतर्गत अब तक 4 लाख 26 हजार 185 किसानों द्वारा 2 लाख 66 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए पंजीयन कराया जा चुका है। यह पहल धान पर निर्भरता कम करने और किसानों को वैकल्पिक लाभकारी फसलों की ओर प्रेरित करने में सहायक होगी।

दलहन-तिलहन किसानों को एमएसपी पर उपज बेचने का अवसर

कृषि मंत्री ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के तहत प्रदेश में दलहन एवं तिलहन फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में प्रदेश के 29 जिलों में 273 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से अरहर, सोयाबीन, चना, मसूर एवं सरसों की कुल 3 लाख 72 हजार 39 क्विंटल खरीदी की गई। इसके एवज में किसानों को 219.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इसमें अकेले चना की 3 लाख 54 हजार 127 क्विंटल खरीदी कर 24 हजार 257 किसानों को 207.59 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

श्री अन्न के उत्पादन और प्रसंस्करण को मिलेगा बढ़ावा

कृषि मंत्री श्री नेताम ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी एवं रागी जैसे पारंपरिक पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में मार्कफेड के माध्यम से इनका उपार्जन किया जाएगा। इसके लिए 15 दिसंबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक की अवधि निर्धारित की गई है। रागी का उपार्जन भारत सरकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा कोदो एवं कुटकी का उपार्जन राज्य शासन द्वारा निर्धारित दरों पर किया जाएगा। उपार्जित श्री अन्न की आपूर्ति मांग एवं उपलब्धता के अनुसार आंगनबाड़ियों और माध्यमिक शालाओं को की जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रसंस्करण इकाइयों तथा शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी संस्थाओं को भी इसकी आपूर्ति की जाएगी, इससे मिलेट्स के उत्पादन के साथ-साथ उनके प्रसंस्करण और विपणन को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की आदान सहायता

कृषि मंत्री श्री नेताम ने बताया कि कृषक उन्नति योजना में किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की एक समान आदान सहायता राशि देने का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों को अपनी जरूरत और सुविधानुसार धान विक्रय की स्वतंत्रता मिलेगी। निर्धारित रकबे के अनुसार कम मात्रा में धान बेचने पर भी उन्हें सहायता राशि का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों को दी जाने वाली सहायता राशि 11 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। इस घटक में अब तक 52 हजार से अधिक किसानों ने 28 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए पंजीयन कराया है।

कबाड़ बेचकर रेलवे ने कमाए 628 करोड़
1 लाख से ज्यादा सफाई अभियान चलाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे ने अपने स्वच्छता अभियान से भी इस बार कमाई की है। 2 से 31 अक्टूबर तक देशभर में चलाए गए विशेष अभियान 6 के तहत स्वच्छता, कबाड़ और ई-कचरा प्रबंधन सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। अभियान के दौरान रेलवे ने कबाड़ के निपटान से 628.49 करोड़ रुपए की आय अर्जित की, जो निर्धारित 600 करोड़ रुपए के लक्ष्य से अधिक है। वहीं, रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों, कार्यशालाओं और अन्य प्रतिष्ठानों में एक लाख से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए गए। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, बिलासपुर और नागपुर मंडल से भी रेलवे को करोड़ों की कमाई हुई है। बता दें कि रेलवे ने सभी जोन में कबाड़, अनुपयोगी सामग्री और अन्य अनावश्यक वस्तुओं को हटाकर 6,20,121 वर्गफीट जगह भी खाली कराई। इस वर्ष अभियान में ई-कचरे के प्रभावी संग्रह, पृथक्करण और निपटान पर विशेष जोर दिया गया। इसके तहत 1.50 लाख से अधिक ई-कचरा इकाइयों का निपटान किया गया, जिससे रेलवे को 10.43 करोड़ रुपए की आय हुई।

- 600 करोड़ रुपए का लक्ष्य पार किया, 5,884 स्टेशनों पर हुआ रेल जन संवाद, 1.50 लाख से अधिक ई-कचरा इकाइयों का निपटान

5,884 स्टेशनों पर हुआ रेल जन संवाद

अभियान के तहत नागरिकों और यात्रियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए 22 अक्टूबर को देशभर के 5,884 रेलवे स्टेशनों पर एक साथ रेल जन संवाद आयोजित किया गया। इसमें वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने रेल उपयोगकर्ताओं से सीधे बातचीत की। यात्रियों को अपनी समस्याएं, विचार और सुझाव अधिकारियों के सामने रखने का अवसर मिला।

लंबित मामलों और रिकॉर्ड प्रबंधन पर भी जोर

विशेष अभियान के दौरान रेलवे ने पुरानी भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक फाइलों की समीक्षा की। इसके साथ ही जन शिकायतों, अपीलों, संसदीय आश्वासनों, वीआईपी संदर्भों और अन्य लंबित मामलों के निपटारे पर भी काम किया गया। इसका उद्देश्य लंबित मामलों को कम करना, रिकॉर्ड प्रबंधन को बेहतर बनाना और कार्यालयों में व्यवस्थित कार्य वातावरण तैयार करना रहा। भारतीय रेलवे के अनुसार, विशेष अभियान 6 के माध्यम से स्वच्छता बनाए रखने, संसाधनों के बेहतर उपयोग, कचरे के जिम्मेदार निपटान और प्रशासनिक कार्यों में दक्षता बढ़ाने की दिशा में प्रयास किए गए।

तीस फीसदी मार्जिन के साथ 137 कैंसर रोधी दवाओं की कीमतें लागू, बिक्री की निगरानी भी होगी

रायपुर। कैंसर रोधी दवाओं की एमआरपी की आड़ में मरीजों से होने वाली लूट को रोकने राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने ट्रेड मार्जिन रेशनलाइजेशन (टीएमआर) लागू कर दिया है।

तीस प्रतिशत मार्जिन के साथ 137 तरह की दवाओं की संशोधित कीमत 9 नवंबर से लागू कर दी गयी है। मरीजों को वास्तविक कीमत पर दवाएं मिल रही हैं अथवा नहीं, इसकी निगरानी के लिए सीजीपीएमआरयू निगरानी कर रिपोर्ट तैयार करेगी। दवाओं की मनमानी कीमत वसूलने की शिकायत पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की थी। इसके साथ ही एमआरपी के नाम पर होने वाली लूट को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए थे। इस आधार पर एनपीपीए ने दवाओं के खुदरा और बिक्री मूल्य के बीच एक निश्चित मार्जिन (30 फीसदी) तय कर संशोधित कीमत जारी की है। 9 नवंबर से जारी इस संशोधित कीमत के बाद कोई भी अस्पताल अथवा दवा दुकान में मरीजों से अधिक दाम की वसूली नहीं की जा सकेगी। छत्तीसगढ़ में संशोधित कीमतों का लाभ कैंसर रोगियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से संबंधित औषधि विक्रेताओं, अस्पतालों एवं चिकित्सा संस्थानों को संशोधित एमआरपी का अनुपालन सुनिश्चित करने, मूल्य सूची प्रदर्शित करने तथा निर्धारित मूल्य से अधिक राशि नहीं वसूलने के लिए परिपत्र जारी किया है।

धान खरीदी सुबह 9:30 से शाम 5:30 बजे तक

कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेकर की धान खरीदी तैयारियों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिले में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने जा रही है। किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इसी क्रम में कलेक्टर गौरव सिंह ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए, साथ ही कहा कि धान खरीदी को त्योहार की तरह मनाएं एवं किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखें।

कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों को धान विक्रय के दौरान बेहतर



सुविधाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में मॉइस्चर मशीन, पर्याप्त बारदाना, पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक खरीदी केंद्र में निर्धारित समय सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक धान खरीदी की जाएगी। इस दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

त्योहार की तरह मनाएं

कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी किसानों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इसे किसानों के साथ त्योहार की तरह मनाते हुए सभी केंद्रों में बेहतर वातावरण और सुविधाजनक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। किसानों को अपनी मेहनत की उपज बेचने के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े तथा धान की तौल एवं अन्य प्रक्रियाएं सुगमता से पूरी हों। बैठक में धान खरीदी व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए सभी नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करने तथा खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम उमाशंकर बंदे, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस बोली- सर्वर के बहाने सवा दो लाख परिवारों को पीडीएस राशन से किया वंचित

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, यह सरकार बार बार केवाईसी, परिवार के हर सदस्य का सत्यापन और सर्वर की आड़ में गरीबों के मुंह से निवाला छीन रही है, जो सीधे तौर पर आम जनता और गरीबों के अधिकारों पर डाका है। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद से गरीबों के अधिकारों का हनन रोजमर्रा की बात बन गई है। केवाईसी और सर्वर की झूठी आड़ लेकर इस सरकार ने प्रदेश के सवा दो लाख से अधिक गरीब परिवारों को उनके हक के पीडीएस राशन से वंचित कर दिया है। इस संवेदनहीन सरकार ने आम जनता के भोजन के अधिकार को छीन लिया है। राजधानी रायपुर के वार्डों में पिछले तीन महीनों से राशन नहीं बंटा है।

नर्सिंग प्रवेश में पिछड़ी कमेटी, दो काउंसिलिंग कराने का प्रस्ताव

रायपुर। लंबी प्रक्रियाओं में उलझने के बाद नर्सिंग कालेजों में प्रवेश देने वाली काउंसिलिंग कमेटी ने पहले राउंड में एडमिशन के लिए 14 नवंबर तक का वक्त दिया है। पुराने शेड्यूल के मुताबिक प्रवेश की अंतिम तिथि 15 नवंबर है, इसलिए एक ही दिन में 3-3 घंटे का दूसरा और मॉपअप राउंड कराने का सुझाव दिया गया है। राज्य में नर्सिंग कालेजों में 10 हजार से ज्यादा सीटों पर एडमिशन का काम पूरा किया जाना है।

- शनिवार की शाम पूरा होगा पहला राउंड, रविवार 15 को एडमिशन की अंतिम तारीख
- नई तारीख आने तक दूसरा दौर और मॉपअप की प्रक्रिया एक ही दिन में पूरा करने का सुझाव

चिकित्सा शिक्षा विभाग नवंबर के पहले सप्ताह तक विभिन्न तरह की प्रक्रियाओं में उलझा रहा और नर्सिंग कालेजों में एडमिशन की अंतिम तारीख नजदीक आ गई। गुरुवार को आवंटन सूची जारी कर काउंसिलिंग कमेटी ने शनिवार यानी 14 नवंबर तक पहले राउंड में प्रवेश का वक्त तय किया है। 15 नवंबर अंतिम दिन है इसलिए चिंतित प्राइवेट नर्सिंग कालेज एसोसिएशन ने रविवार को दूसरा और मॉपअप राउंड कराने का सुझाव दिया है। इसके लिए औसत तीन से चार घंटे में प्रक्रिया पूरी करने का प्रस्ताव दिया गया है।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

CAVEAT NOTICE
IN THE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR (CHHATTISGARH)

CAVEATOR/PROPOSED RESPONDENT
Chhattisgarh Mineral Development Corporation Limited (CMDC)
VERSUS
Caveatee /PROPOSED PETITIONER
General Public in the State of Chhattisgarh
CAVEAT UNDER SECTION 142 OF THE CHHATTISGARH HIGH COURT RULES, 2007

The caveator named above most respectfully begs to submit as under:-
That the caveator is Chhattisgarh Mineral Development Corporation Limited (CMDC), which has issued Advertisement No. 01/Establishment/CMDC/2026, Nava Raipur, dated 28/10/2026 (विज्ञप्ति कमांक-01 / स्थापना / सी.एम.डी.सी./ 2026, नवा रायपुर, दिनांक 28.10.2026), inviting online applications through the Indian Institute of Management (IIM), Raipur, for recruitment to the vacant posts of Manager (Mines), Assistant Geologist, Manager (Mechanical Engineer), Manager (Electrical Engineer), Assistant Manager (Mines), Assistant Manager(Marketing), Junior Foreman, Mining Mate, Blaster and Mate Helper through direct recruitment.
That any person aggrieved by the aforesaid recruitment process or the advertisement may prefer a writ petition before the Hon'ble High Court of Chhattisgarh at Bilaspur and may seek interim relief, including stay of the recruitment process.
It is, therefore, prayed that in the event of any writ petition being filed by any aggrieved person challenging the aforesaid advertisement or recruitment process, the caveator/proposed respondent may kindly be permitted to appear through its counsel and oppose the petition as well as any application for interim relief filed along with the same.
The caveator has engaged Shri Trivikram Nayak, Advocate, as its counsel to appear and argue on its behalf and oppose the grant of any interim relief in the matter.
It is, therefore, most respectfully prayed that this Hon'ble Court may kindly allow this application and direct that a copy of any such petition/application, if filed by the proposed petitioner, be supplied to the counsel for the caveator before passing any order granting interim relief, in the interest of justice.
Trivikram Nayak, Advocate,
Rama Valley, Bilaspur,
Bilaspur, Chhattisgarh (495220)

(Trivikram Nayak, ADVOCATE)
S.- 49780 COUNSEL FOR THE CAVEATOR/CMDC

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग रायगढ़ (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्र. 13
निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 742/ निविदा/ग्रायांसेवा/2026-27,
रायगढ़, दिनांक 12.11.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :- 28-11-2026 (शायं 05.30 बजे तक)
2. पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा ई.एम.डी. तकनीकी अभिलेख जमा करने की अंतिम तिथि :- 02-12-2026 (शायं 05.30 बजे तक)

ई-निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
203772	तालाब सौंदर्यीकरण चंडी डबरी भिखमपुरा ग्राम भिखमपुरा विकासखंड बरमकेला जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)	96.145
203773	गौशाला परिसर में कार्यशाला सह सामुदायिक भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित ग्राम भिखमपुरा विकासखंड बरमकेला जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)	95.50

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 13.11.2026 को सायं 5:31 से देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग रायगढ़ (छ.ग.)
जी. 262704494/6

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in KORBA

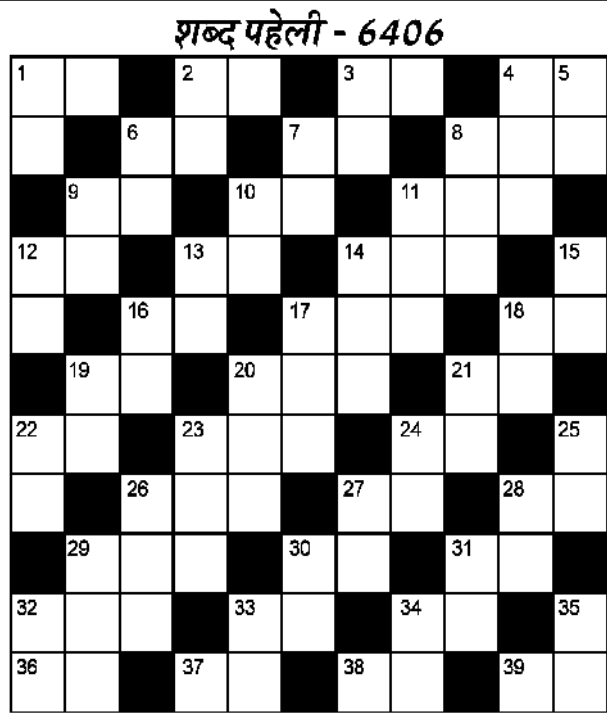
NIT No:- 2263/2026 Dated: 06.11.2026

SN	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract
1	203650 (1st Call)	CONSTRUCTION OF 4- LANE CC ROAD WORK FROM BAJRANG CHOWK TO TATA MOTORS BALCO 2.20 K.M. AT KORBA (C.G.)	Rs 1527.38 Lakh

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 06.11.2026 at 15.30 Hours. (IST) onwards.

Superintending Engineer
Municipal Corporation Korba (C.G.)

शब्द पहेली - 6406



बाएँ से दाएँ
1. बरस,वर्ष-2
2. आफत,मुसीबत-2
3. यमराज-2
4. तीर, बाण-2
6. आनेवाला दिन-2
7. उत्साह-2
8. उचित, सही-3
9. बंधन-2
10. बाण-2
11. उपवन, जंगल-3
12. सस्ता-2
13. शिविर, तंबू-2
14. रुई साफ करना-3
16. फंदा, पाश-2
17. भीरु, डरपोक-3
18. तालाब -2
19. सम्मान-2
20. पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21. श्याम,काले रंग का-2
22. देह, तन, बदन-2
23. चुगना, छांटना-3
24. रघुवीर, सियावर-2
26. जलजला-3
27. कोलाहल-2
28. अवरोध-2
29. दलदल-3
30. पत्नी का भाई-2
31. खिराज, रस्म-2
32. कक्ष, रूम-3
33. गधा, गर्दभ-2
34. जनकपुत्री-2
36. वोट, राय-2
37. विजय-2
38. मां का भाई-2
39. मूल्य-2

ऊपर से नीचे
1. परछाई-2
2. दम, ताकत-2
3. यमराज-2
4. सोना, निद्रा लेना-3
5. धूल, मिट्टी-2
6. शारीरिक ऊंचाई-2
7. बल, दम-2
8. पहचानना-3
9. बंधक-2
10. मोमबत्ती (उर्दू-2)
11. विवश-3
12. भीगा हुआ-2
13. क्रीड़ा-2
14. सहमत-3
15. फंदा-2
16. प्राण-2
17. आकांक्षा-3
18. लॉक-2
19. प्रकृति,धन-2
20. धावक-3
21. कार्य-2
22. सवारी गाड़ी-2
23. जंगल-3
24. झगड़ा-2
25. सरल-2
26. कूड़ा-3
27. अंगार-2
28. वार्तालाप-2
29. दाम, मूल्य-3
30. सारांश-2
31. खाली-2
32. थोड़ा-2
33. पत्र, चिट्ठी-2
34. हद-2
35. बल, ताकत-2

शब्द पहेली- 6405 का हल

ल	ब	■	थ	स	■	घ	गा	■	ह	रा
व	ह	म	■	ब	म	■	ना	ला	■	ह
■	न	म	न	■	जा	न	■	र	मा	■
ना	■	ता	क	त	■	ज्ञा	न	■	ता	त
क	मी	■	ल	ल	ना	■	म	न	■	न
■	न	ख	■	■	वा	च	क	■	ल	क्ष
स	■	र	या	■	ना	म	थ	■	मा	दा
ख्या	द	■	त	र	■	र	ह	न	■	म
■	म	स्त	■	मा	न	■	वा	ह	क	■
दा	■	र	स	■	ध्या	र	■	र	थ	ना
स	दा	■	च	क्षु	■	न	भ	■	रा	ल

सूडोकु नवताल 6416

कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6415 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

भारत के पास ही हो उपग्रह संचार सेवाओं का 'रिमोट कंट्रोल' : मित्तल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारती एयरटेल के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि भारत को अपनी धरती पर उपग्रह संचार सेवाओं को ''बंद और सीमित करने'' का नियंत्रण अपने हाथ में रखना चाहिए। सरकार उन सुरक्षा शर्तों पर अभी विचार कर रही है, जिनसे यह तय होगा कि देश में उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाएं कब शुरू होंगी।

- सरकार अभी उन सुरक्षा शर्तों पर विचार कर रही है

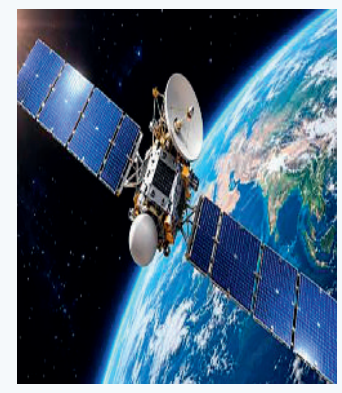
भारती एंटरप्राइजेज के 50 साल पूरे होने के मौके पर मित्तल ने कहा, किल स्विच, जैसा कि हम इसे कहते हैं, कहीं और नहीं होना चाहिए। भारत को अपने अंतरिक्ष भविष्य पर खुद नियंत्रण रखना चाहिए। किल स्विच' का मतलब संचालक के नियंत्रण तंत्र और 'ग्राउंड गेटवे' के जरिये किसी उपग्रह नेटवर्क की सेवा को बंद करने, उसकी गति सीमित करने या उस पर रोक लगाने की क्षमता से है।

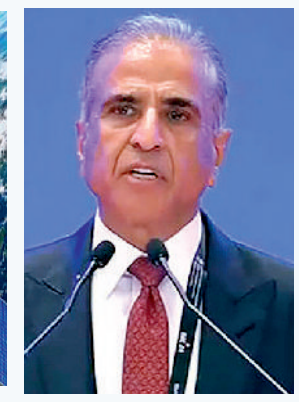
भारत को अपने अंतरिक्ष भविष्य पर खुद नियंत्रण रखना चाहिए

स्टारलिंक के प्रवेश को लेकर बढ़ा विवाद

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब भारत के संभावित बड़े बाजार में प्रवेश के लिए उपग्रह सेवा संचालकों के बीच प्रतिस्पर्धा खुलकर सामने आ रही है। एलन मस्क की स्टारलिंक और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब वाणिज्यिक सेवाएं शुरू करने के लिए नियामकीय मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। यह टिप्पणी भारत में स्टारलिंक के प्रवेश को लेकर बढ़ते विवाद के बीच भी महत्वपूर्ण है।

मंजूरी, शर्तों के अनुपालन पर ही : सेवाएं शुरू करने से पहले स्पेक्ट्रम आवंटन और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं का अनुपालन भी जरूरी है। भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब, रिलायंस की जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस और मस्क की स्टारलिंक को भारत में उपग्रह संचार के लाइसेंस मिल चुके हैं। सरकार का कहना है कि सभी सेवा संचालकों को समान नियामकीय और सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। अंतिम परिचालन मंजूरी इन शर्तों के अनुपालन पर निर्भर करेगी।





नियम सभी कंपनियों पर समान रूप से लागू होंगे

सरकारी सूत्रों ने दोहराया है कि नियम सभी कंपनियों पर समान रूप से लागू होते हैं। हालांकि, मित्तल के लिए यह मुद्दा केवल कारोबारी प्रतिस्पर्धा और स्पेक्ट्रम आवंटन तक सीमित नहीं है। उपग्रह नेटवर्क तेजी से रणनीतिक बुनियादी ढांचे का हिस्सा बन रहे हैं। इसका राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य संचार और महत्वपूर्ण डेटा प्रवाह पर भारत के नियंत्रण से सीधा संबंध है।

यूक्रेन के उदाहरण से समझाया महत्व

मित्तल ने उपग्रह संचार के बढ़ते रणनीतिक महत्व को समझाने के लिए यूक्रेन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, ''यूक्रेन स्टारलिंक का इस्तेमाल कर रहा है और अब वनवेब का भी इस्तेमाल कर रहा है।'' मित्तल ने कहा कि यूटेलसैट वनवेब के जरिये सुरक्षित संचार बुनियादी ढांचा विकसित करने के यूरोपीय संघ के प्रयासों से भी कंपनी पर ध्यान बढ़ा है।

सरकार ने सबसे पहले हमें लाइसेंस दिया

मित्तल ने कहा, 'सरकार ने सबसे पहले हमें लाइसेंस दिया था। हमने उसकी सभी आवश्यकताएं पूरी कर दी हैं और अब हम केवल उसके संकेत का इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने उम्मीद जताई कि वनवेब को वाणिज्यिक सेवाएं शुरू करने की पहली मंजूरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार से अनुमति मिलते ही कंपनी सेवाएं शुरू करने के लिए तैयार है।

उपग्रहों की भूमिका महत्वपूर्ण होते जाएगी : मित्तल ने युद्ध के बदलते स्वरूप का जिक्र करते हुए कहा कि ड्रोन और साइबर अभियानों से लेकर निर्देशित मिसाइलों तक, हर क्षेत्र में उपग्रहों की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जाएगी। 'चाहे ड्रोन हों, साइबर से जुड़े मुद्दे हों या निर्देशित मिसाइलें, इन सभी का संचालन अंतरिक्ष से किया जाएगा। दुनिया के हर देश को अपनी सुरक्षा पर नियंत्रण रखने की जरूरत है।'

खबर संक्षेप

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.49 अरब डॉलर बढ़ा



मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह नवंबर को समाप्त सप्ताह में 2.49 अरब डॉलर बढ़कर 719.547 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 2.691 अरब डॉलर घटकर 717.056 अरब डॉलर रहा था।

फ्यूजन सीएक्स का जर्मन कंपनी इम्पैक्स से करार



कोलकाता। ग्राहक अनुभव समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी फ्यूजन सीएक्स लिमिटेड ने जर्मनी की इम्पैक्स ग्रुप के अधिग्रहण के लिए समझौता किया है। कंपनी ने पश्चिमी यूरोप में कदम रखा है। इस अधिग्रहण से उसे जर्मन-भाषी बाजार में ग्राहक आधार मिलेगा, जहां अब तक उसकी अपनी परिचालन इकाइयां सेवाएं नहीं दे रही थीं।

डिश टीवी का घाटा बढ़कर 295.74 करोड़ रुपए पर



नई दिल्ली। डिश टीवी इंडिया का एकीकृत शुद्ध घाटा 2026-27 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 295.74 करोड़ रुपये हो गया। 2025-26 की दूसरी तिमाही में कंपनी को 132.65 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन से राजस्व लगभग स्थिर रहकर 292 करोड़ रुपये रहा।

नैटको फार्मा का लाभ 60.8% घटकर 202.6 करोड़ रुपए



नई दिल्ली। दवा कंपनी नैटको फार्मा का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 60.8 प्रतिशत घटकर 202.6 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी के राजस्व में गिरावट का असर उसके मुनाफे पर पड़ा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी ने 517.9 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

ग्रासिम इंडस्ट्रीज को 234 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा



नई दिल्ली। ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 234 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा उठाना पड़ा। एक साल पहले की समान तिमाही में उसने 595 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कनाडा के अपने संयुक्त उद्यम कंपनी एवी ग्रुप एनबी इंक में निवेश के मूल्य में कमी और अनुमानित देनदारी के लिए प्रावधान के कारण उसे 766.7 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज करना पड़ा।

उद्योग निकाय सियाम ने जारी की रिपोर्ट

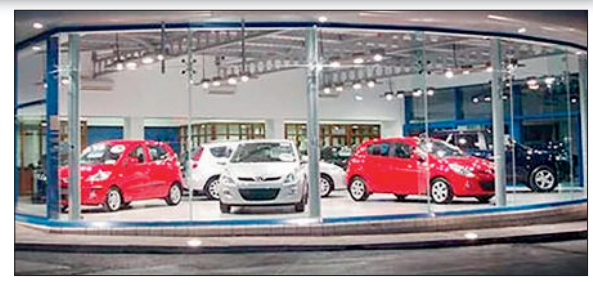
यात्री वाहनों की घरेलू थोक बिक्री अक्टूबर में 12 प्रतिशत बढ़कर 5.19 लाख इकाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में यात्री वाहनों की घरेलू थोक बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 5.19 लाख इकाई हो गई। उद्योग निकाय सियाम ने यह जानकारी दी। अक्टूबर 2025 में यह आंकड़ा 4.62 लाख इकाई था।

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, ''यात्री वाहन खंड ने अक्टूबर में अब तक का अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया और मासिक बिक्री में पांच लाख इकाइयों का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार किया।''

- यात्री वाहन खंड में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन
- मासिक बिक्री में पांच लाख इकाइयों का आंकड़ा पार किया
- दोपहिया वाहनों की घरेलू थोक बिक्री 16 प्रतिशत बढ़ी



तिपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री बढ़ी

आंकड़ों के अनुसार, दोपहिया वाहनों की घरेलू थोक बिक्री अक्टूबर में 16.1 प्रतिशत बढ़कर 25.78 लाख इकाई हो गई, जबकि अक्टूबर 2025 में यह 22.20 लाख इकाई थी। तिपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री 25.7 प्रतिशत बढ़कर 1.03 लाख इकाई रही, जो एक साल पहले 82,190 इकाई थी।

पुराने वाहनों को बदलने मिला समर्थन

मेनन ने कहा कि ग्रामीण और शहरी, दोनों बाजारों में ऋण की बेहतर उपलब्धता तथा पुराने वाहनों को बदलने की मांग से दोपहिया वाहनों की मांग को लगातार समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि तिपहिया वाहनों के मामले में अंतिम छोर तक आवागमन की जरूरतें और लोगों का तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुख करना क्षेत्र की वृद्धि के प्रमुख कारक बने हुए हैं।

निर्यात में 26 फीसदी का इजाफा

अक्टूबर में कुल घरेलू वाहन थोक बिक्री 15.7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 31.26 लाख इकाई रही। निर्यात 26 प्रतिशत बढ़कर 6.82 लाख इकाई हो गया। अक्टूबर में वाहनों का कुल उत्पादन 28.6 प्रतिशत बढ़कर 36.19 लाख इकाई रहा। कुल घरेलू बिक्री, निर्यात और उत्पादन के साथ-साथ विभिन्न वाहन खंडों के आंकड़ों में बीएमडब्ल्यू मर्सिडीज, जेएलआर, टाटा मोटर्स और वोल्वो ऑटो के आंकड़े शामिल नहीं हैं।

स्कूटर की बिक्री 36 फीसदी से अधिक : टाटा मोटर्स की घरेलू बिक्री के आंकड़े केवल कुल यात्री वाहन बिक्री के आंकड़ों में शामिल हैं। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री में वृद्धि मुख्य रूप से स्कूटर की वजह से रही। स्कूटर की बिक्री 31.6 प्रतिशत बढ़कर 10.97 लाख इकाई हो गई, मोटरसाइकिल की बिक्री 6.6 प्रतिशत बढ़कर 14.23 लाख इकाई रही।

अक्टूबर में खुदरा वाहनों की बिक्री घटी : इस महीने की शुरुआत में फाडा की ओर से जारी वाहन पंजीकरण अक्टूबर में वाहनों की खुदरा बिक्री 23.8 प्रतिशत घटकर 31.72 लाख इकाई रह गई।

जीएसटी में कटौती के बाद मांग में तेज वृद्धि रही

इस साल धनतेरस और दिवाली नवंबर में आना अक्टूबर में वाहन पंजीकरण में गिरावट की मुख्य वजह रही। पिछले साल नवरात्र और दिवाली दोनों अक्टूबर में थे। साथ ही पिछले साल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के बाद मांग में आई तेज वृद्धि का भी असर रहा था।

यात्री वाहनों का निर्यात 21.8 फीसदी बढ़ा

इस बीच, निर्यात के मोर्चे पर सियाम के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहनों का निर्यात 21.8 प्रतिशत बढ़कर 83,716 इकाई हो गया। दोपहिया वाहनों का निर्यात 26.5 प्रतिशत बढ़कर 5.44 लाख इकाई रहा। अप्रैल से अक्टूबर के दौरान यात्री वाहनों की घरेलू थोक बिक्री 30.83 लाख इकाई रही, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 24.56 लाख इकाई थी।

शाकाहारी थाली हुई 12 प्रतिशत महंगी

एजेंसी ▶▶ मुंबई



घर में तैयार होने वाली शाकाहारी थाली की लागत अक्टूबर में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़ गई। प्याज, टमाटर, चावल और खाद्य तेल की कीमतों में वृद्धि इसका प्रमुख कारण रही। वहीं, मांसाहारी थाली की लागत में अपेक्षाकृत कम नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। 'रोटी चावल कीमत' रिपोर्ट के मुताबिक, शाकाहारी थाली की लागत पिछले साल अक्टूबर के 27.8 रुपये से बढ़कर इस साल 31.2 रुपये हो गई। इसी तरह मांसाहारी थाली की लागत 54.4 रुपये से बढ़कर 59.2 रुपये पहुंच गई। मासिक आधार पर अक्टूबर में शाकाहारी थाली की लागत एक प्रतिशत बढ़ी, जबकि मांसाहारी थाली की लागत एक प्रतिशत घट गई। प्याज की कीमतें सालाना आधार पर दोगुने से अधिक बढ़कर 53 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। रबी फसल के उत्पादन में पांच से छह प्रतिशत की गिरावट, भंडार में कमी और खरीफ फसल की आवक में देरी इसकी प्रमुख वजहें रहीं।

- अक्टूबर में मांसाहारी थाली भी हुई 9 फीसदी महंगी
- प्याज, टमाटर, चावल और खाद्य तेल की कीमतों में इजाफा

खाद्य तेल की कीमतों में 13 फीसदी का इजाफा

अच्छी और उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों की संभावित कमी को लेकर बाजार में अटकलों ने भी कीमतों को बढ़ाया। इस बीच, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और अल नीनो की स्थिति से पाम ऑयल उत्पादन प्रभावित होने की आशंका के कारण खाद्य तेल की कीमतों में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

देश का चालू खाता घाटा बढ़कर 7.4 अरब डॉलर

एजेंसी ▶▶ मुंबई



भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) आयात में वृद्धि के कारण सितंबर, 2026 में बढ़कर 7.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.2 अरब डॉलर था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

- एक साल पहले इसी माह 5 .2 अरब डॉलर रहा
- सितंबर में वस्तु व्यापार घाटा 30 अरब डॉलर पर

जब कोई देश निर्यात से होने वाली आय की तुलना में आयात पर अधिक खर्च करता है तो चालू खाते का घाटा होता है। चालू वित्त वर्ष के सितंबर महीने में वस्तु व्यापार घाटा 30 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल के इसी महीने के 33.4 अरब डॉलर से कम है। समीक्षाधीन महीने में वस्तुओं का आयात 69.8 अरब डॉलर से बढ़कर 75.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि निर्यात 36.4 अरब डॉलर से बढ़कर 45.3 अरब डॉलर रहा।

सितंबर, 2026 के लिए भारत के भुगतान संतुलन के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, सेवाओं से होने वाली शुद्ध प्राप्तियां मामूली रूप से बढ़कर 19.2 अरब डॉलर हो गईं, जो पिछले साल सितंबर में 18.8 अरब डॉलर थीं। सेवाओं का निर्यात 36.7 अरब डॉलर से बढ़कर 39.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि आयात 17.8 अरब डॉलर से बढ़कर 20.1 अरब डॉलर था।

पहली छमाही में चालू खाता घाटा बढ़ा

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा बढ़कर 25.8 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 18 अरब डॉलर था। इस दौरान वस्तु व्यापार घाटा 158.1 अरब डॉलर से बढ़कर 176.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया, क्योंकि आयात 379.6 अरब डॉलर से बढ़कर 441.4 अरब डॉलर था। वहीं, निर्यात 221.5 अरब डॉलर से बढ़कर 265.3 अरब डॉलर रहा।

दो सुपरकंप्यूटिंग परिसर बनाएगी स्पेसएक्स

ह्यूस्टन (अमेरिका)। स्पेसएक्स ने टेक्सास और एरिजोना में कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए दो सुपरकंप्यूटिंग परिसर बनाने में 74 अरब डॉलर से अधिक निवेश करने की योजना की घोषणा की है। स्पेसएक्स ने बताया कि वह टेक्सास में सुपरकंप्यूटिंग सुविधा स्थापित करने के लिए 24 अरब डॉलर से अधिक और एरिजोना में एक अलग परिसर बनाने के लिए करीब 50 अरब डॉलर का निवेश करेगी। कंपनी के अनुसार, दोनों परियोजनाओं के लिए बिजली की अलग-अलग व्यवस्था होगी।



सोने में ढाई हजार रुपए की गिरावट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतों में शुक्रवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और यह 2,500 रुपये टूटकर 1,40,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। दिवाली के बाद मांग में कमी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के कारण सोने की कीमतों में गिरावट आई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बृहस्पतिवार के 1,43,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) से 2,500 रुपये गिरकर शुक्रवार को 1,40,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। चांदी की कीमतों में भी पिछले सत्र में स्थिर रहने के बाद फिर गिरावट आई। चांदी 3,500 रुपये टूटकर 1,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में इसका भाव 1,87,500 रुपये प्रति किलोग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतों पर दबाव बना रहा।

- सोने के दाम 1.40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर
- चांदी की कीमतें भी 3500 रुपए लुढ़की



बीवाईडी ने भारत में पेश किया लक्जरी ब्रांड 'डेंजा'...



मुंबई। चीन की वाहन विनिर्माता कंपनी बीवाईडी ने शुक्रवार को अपने लक्जरी वाहन ब्रांड 'डेंजा' को भारतीय बाजार में पेश किया। कंपनी ने भारतीय बाजार में जेंडा के दो मॉडल जेड9 जीटी और डी9 उतारे हैं, जिनकी शुरुआती कीमत क्रमशः 90 लाख रुपये और 1.56 करोड़ रुपये है। कंपनी ने बयान में कहा कि भारत में डेंजा की शुरुआत उसके वैश्विक विस्तार की दिशा में एक कदम है। कंपनी के अनुसार, डेंजा जेड9 जीटी में प्रदर्शन, डिजाइन और उन्नत वाहन प्रौद्योगिकी पर ध्यान दिया गया है। वहीं, डी9 को यात्रियों के आराम, बैठने के लिए अधिक जगह और सुविधाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

भारत का कुल निर्यात अक्टूबर में रिकॉर्ड 89.99 अरब डॉलर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



भारत का वस्तुओं और सेवाओं सहित कुल निर्यात अक्टूबर में 29.9 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 89.99 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया जबकि व्यापार घाटा कम होकर 20.09 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार को अक्टूबर महीने के ये व्यापार आंकड़े जारी किए।

- देश का वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात बढ़ा
- व्यापार घाटा कम होकर 20 .09 अरब डॉलर रह गया

देश का वस्तुओं एवं सेवाओं सहित कुल निर्यात पिछले साल इसी महीने में 69.27 अरब डॉलर रहा था। अक्टूबर 2025 में भारत का व्यापार घाटा 25.15 अरब डॉलर था। भारत का आयात अक्टूबर में बढ़कर 110.07 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 94.42 अरब डॉलर था।

अक्टूबर में वस्तुओं का निर्यात बढ़कर 49.47 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 34.11 अरब डॉलर था। वहीं, सेवाओं का निर्यात भी अक्टूबर 2025 के 35.17 अरब डॉलर से बढ़कर 40.51 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बातचीत में कहा, ''अक्टूबर में वस्तुओं के निर्यात ने 49.47 अरब डॉलर का नया उच्च स्तर हासिल किया। यह अब तक का सबसे अधिक मासिक वस्तु निर्यात मूल्य है। साथ ही, पिछले पांच वर्षों में 45.06 प्रतिशत की सबसे अधिक मासिक वृद्धि भी दर्ज की गई। सचिव ने कहा, ''अक्टूबर 2026 में देश का कुल निर्यात भी 89.99 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो अब तक का सबसे अधिक मासिक निर्यात मूल्य है। अब तक किसी भी महीने में हमने 89.99 अरब डॉलर का निर्यात हासिल नहीं किया था। पिछले पांच वर्षों में यह 29.90 प्रतिशत की तीसरी सबसे अधिक मासिक वृद्धि भी है।''

निर्यात बाजार में सकारात्मक वृद्धि दर्ज

वाणिज्य सचिव ने कहा कि इस वृद्धि की उत्साहजनक बात यह है कि यह किसी खास क्षेत्र या भूगोल तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न देशों और क्षेत्रों में व्यापक आधार पर दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, ''अक्टूबर 2026 में हमारे शीर्ष 50 निर्यात बाजारों में से 43 में 2025 की तुलना में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

कंपनी ने जर्मनी में रोके सभी नए निवेश

जर्मनी में मर्सिडीज के बंद हो सकते हैं प्लांट, जा सकती हैं नौकरियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मर्सिडीज बेंज ने अपने जर्मन प्लांट्स में सभी नए निवेश को रोक दिया है। कंपनी और वहां के कर्मचारियों को यूनियनों के बीच काम करने की लागत को लेकर तनातनी बहुत बढ़ गई है। इसी वजह से कंपनी अब अपने कुछ कारखानों को पूरी तरह से बंद करने के बार में सोच रही है। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक मेमो भेजकर इस बात की पुष्टि की है।

- यूनियन से लागत कटौती पर नहीं बन रही बात

जर्मनी के ऑटोमोबाइल सेक्टर के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा और गंभीर कदम माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोडक्शन चीफ माइकल शिब ने कहा कि, एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने हमारे जर्मनी ठिकानों पर आगे से सभी निवेशों को रोकने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा कि, वह लेबर कॉस्ट में कटौती करने को लेकर अपनी वर्क्स काउंसिस और यूनियन प्रतिनिधियों के साथ किसी समझौते पर नहीं पहुंच सकी है।

ढांचागत सुधार करना जरूरी

विशेषज्ञों के अनुसार यह कोई हैरानी की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि मर्सिडीज ने महीनों से इस बात पर जोर दिया है कि जर्मनी में उसकी स्थिति कितनी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि, जब तक इंडस्ट्री के कॉस्ट स्ट्रक्चर में सुधार नहीं किया जाता तब तक ऑटो इंडस्ट्री का भविष्य खतरे में है। रॉयटर्स ने सप्लाइन चेन में संकट फैलने का भी जिक्र किया। रिपोर्ट में बताया गया कि शेफलर ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह, 3,460 नौकरियां कम करेगी और यूरोप में अपने 5 साइट्स को बंद करेगी जिनमें से चार जर्मनी के हैं। कंपनी ने इसकी वजह पेट्रोल-डीजल इंजन वाली गाड़ियों की कम मांग को बताया है।



यूनियन का क्या है पक्ष? : जर्मनी की सबसे बड़ी यूनियन आईजी मेटल के साथ बातचीत अभी चल रही है। कंपनी के साथ वेतन वार्ताओं में यूनियन वर्तमान वेतन में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की मांग कर रहा है। वॉक्सवैगन 24 नवंबर को यूनियन के साथ अपनी खुद की बातचीत शुरू करेगी। इस योजना से 1 लाख तक नौकरियां जा सकती हैं और जर्मनी में चार प्लांट्स बंद हो सकते हैं जिसके चलते साल के अंत के आसपास हड़ताल होने की आशंका है।

कंपनी पर लागत में कटौती करने का दबाव

मर्सिडीज बेंज पर जर्मनी में कार बनाने की ज्यादा लागत को लेकर महीनों से दबाव बना हुआ था। शिबे ने सितंबर में ही कर्मचारियों को चेतावनी दी थी कि अगर लागत में कटौती को लेकर कोई प्रोग्रेस नहीं हुई तो जर्मनी के दो प्लांट बंद हो सकते हैं। मैनेजमेंट बोर्ड की सदस्य ब्रिटा सीगर ने मेमो में कहा कि, कंपनी हर कीमत पर प्लांट बंद करने से बचना चाहती थी लेकिन अब इसे इस विकल्प की और विस्तार से जांच करनी होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अर्नब के बाद ....

पास 28 अक्टूबर से 11 नवंबर तक प्रदेशभर में कुल 2 लाख 50 हजार 311 फसल क्षति सूचनाएं दर्ज की। इनमें से बीमा कंपनियो ने 1 लाख 11 हजार 95 सूचनाएं निरस्त कर दी, जबकि 1 लाख 38 हजार 415 स्वीकार की गई हैं। इस तरह नुकसान की सूचना देने वाले प्रत्येक 100 किसानों में से करीब 44 की सूचना खारिज हुई है।

23 को रायगढ़ ....

उनसे जिले की जरूरतें, मांगें और विकास के संदर्भ में सवाल जवाब होंगे। वित्तमंत्री श्री चौधरी रायगढ़ की विकास योजनाओं की जानकारी देंगे।

सीजीपीएससी की संशोधित ....

चयन प्रक्रिया नियम-2014 में संशोधन करते हुए यह प्रावधान किया है।

शराब सिंडिकेट का ....

सप्ताह में गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी अब जानकारी निकलकर सामने आई है। **घोटाले के पार्ट-बी की प्रमुख कड़ी** -शराब घोटाले के इस पूरे खेल में सरकारी शराब दुकानों की भूमिका भी अहम थी। आरोप है कि दुकानों से कुछ शराब बिना सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज किए बेची जाती थी। सिंडिकेट के लोग इस व्यवस्था को पार्ट-बी कहते थे। इस पार्ट-बी से मिलने वाली रकम सरकारी खाते में जमा नहीं होती थी। आरोप है कि सुब्बू इस पैसे को इकट्ठा करता था। इसके बाद रकम का हिसाब रखकर दूसरे लोगों तक पहुंचाई जाती थी।

माइक्रोसॉफ्ट में खराबी ....

के लिए कुछ बदलाव किए, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक काम नहीं कर पाए। कंपनी अब दूसरे तरीकों की जांच कर रही है, ताकि सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव डाले बिना यूजर्स को दोबारा सेवाओं से जोड़ा जा सके। इसी वजह से आउटेज लंबा खिंच गया। बता दें, माइक्रोसॉफ्ट 365 एप्स का इस्तेमाल करते हैं। इनमें आउटलुक और टीम्स जैसी सेवाएं शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ बनेगा रोबोट ...

रोबोट इंडस्ट्री खोलने की तैयारी है, जहां रोबोट तैयार किए जाएंगे। इसके लिए सिंगापुर के एक्सपर्ट्स छत्तीसगढ़ आएंगे। एक्सपर्ट्स छत्तीसगढ़ के इंजीनियरों को रोबोट तैयार करने को लेकर ट्रेनिंग देंगे। आईआईटी भिलाई से मिली जानकारी के मुताबिक एक महीने के अंदर सारी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। बता दें कि पिछले लंबे समय से भारतीय फैक्टरियां मैन्युफेक्चरिंग में रोबोट्स के उपयोग को बढ़ावा दे रही हैं। 15 वर्ष पहले तक भारत के अलग-अलग हिस्सों में उद्योग सम्बंधी गतिविधियों के लिए सौ से भी कम रोबोट बनाए जाते थे। अब इसकी संख्या बढ़कर सालाना 6 हजार के पार पहुंच चुकी है। छत्तीसगढ़ में इसे और आगे बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इसमें आधुनिक स्मार्ट टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स का इस्तेमाल करते हुए परम्परागत निर्माण प्रक्रियाओं को ऑटोमेशन की ओर ले जाया जाना है।

रोबोट तैयार करने का खर्च 10 लाख से 50 लाख रुपए तक-जानकारी के मुताबिक रोबोट तैयार करने में 10 लाख से 50 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। इसकी अलग-अलग कैटेगरी है। बेसिक रोबोटिक मशीन, जिसमें सिर्फ आर्म, मशीन होगा, उसे तैयार करने में 5 से 10 लाख रुपए तक का खर्च आता है। इसी प्रकार एंट्री लेवल कोबोट वेल्डर तैयार करने में 20 लाख से 55 लाख, पूर्ण रोबोटिक वेल्डिंग सेल बनाने में 25 लाख से 50 लाख तक का खर्च आता है। इसके अलावा और भी महंगे रोबोट भी तैयार किए जा सकते हैं। नए टेक्नोलॉजी के साथ असेम्बल रोबोट एआई आधारित हैं, जो ज्यादा सटीक काम करते हैं।

सबसे पहले वेल्डिंग ...

इसे ही रोल मॉडल मानकर इस दिशा में प्रयास शुरू किया गया है। रिमोट कंट्रोल, ऑटोमेटेड सिस्टम्स और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से इसका बेहतर इस्तेमाल करने की तैयारी है।

असम में भीषण हादसा...

की मौत की जानकारी मिली थी। बाद में पांच और लोगों ने दम तोड़ दिया। अब तक 23 लोगों की मौत हो गई है राहत और बचाव - हादसे की जानकारी मिलते ही असम सरकार में पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री अतुल बोरा भी मौके पर पहुंचे। वह गोलाघाट की स्थानीय विधानसभा सीट से विधायक भी हैं। मंत्री ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव के काम का जायजा लिया। फिलहाल पुलिस हादसे की जांच कर रही है। **पीड़ित परिवारों के साथ खड़े : सीएम सरमा**-असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने काजीरंगा सड़क हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की। एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम ने कहा कि इस हादसे से पूरा राज्य दुखी है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में असम के लोग पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार की पहली प्राथमिकता घायलों को जल्द से जल्द बेहतर इलाज मुहैया कराना है। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री अतुल बोरा घटनास्थल पर मौजूद हैं और राहत-बचाव के काम की निगरानी कर रहे हैं। सीएम ने घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की और पीड़ित परिवारों को इस दुख से उबरने की ताकत मिलने की प्रार्थना की।

ट्रैवलर में सवार ...

गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका ने बताया कि हादसे के बाद पुलिस मौके पर मौजूद है। बस से शव निकाले जा रहे है। शुरुआत में सात लोगों की मौत की जानकारी मिली थी। बाद में पांच और लोगों की मौत हो गई। अब तक हादसे में 23 लोगों की मौत हो चुकी है।

ट्रैवलर के 12 ...

जांच में आशंका जताई गई है कि तेज रफ्तार के कारण ट्रैवलर का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद बस सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से टकरा गई।

ओला ने मांगा ...

करता था। यह डार्क पैटर्न का इस्तेमाल करके फेयर ट्रेड प्रैक्टिस (निष्पक्ष व्यापार नियमों) का उल्लंघन था। 'डार्क पैटर्न' ऐप्स और वेबसाइटों पर मौजूद ऐसे भ्रामक डिजाइन होते हैं, जो लोगों को अनजाने में कुछ ऐसे फैसले लेने के लिए मजबूर कर देते हैं जो वे असल में नहीं लेना चाहते थे। इसमें छिपी हुई फीस या ऐसे सब्सक्रिप्शन शामिल हो सकते हैं जिन्हें कैंसिल करना बहुत मुश्किल होता है। मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा द्वारा जारी आदेश में ओला को इस प्रक्रिया को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया गया है।स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई-सीसीपीए ने इसी तरह की प्रक्रिया को लेकर अन्य कैब एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ भी स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। इससे पहले, प्राधिकरण ने रैपिडो (रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड) के खिलाफ भी आदेश जारी किया था और उस पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। उबर और नम्मा यात्री के खिलाफ भी फिलहाल जांच चल रही है।

फर्जी निवेश योजनाएं ...

का रिकॉर्ड रखने तथा संबंधित व्यक्तियों को जांच के लिए समन जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित कर दी है। इस काम के लिए वित्त विभाग ने छत्तीसगढ़ अनियमित जमा योजनाएं प्रतिबंध नियम, 2026 बनाया है और यह लागू हो गया है।नए नियम अनियमित जमा योजनाएं प्रतिबंध अधिनियम, 2019 के तहत बनाए गए हैं। इनके जरिए अनियमित जमा योजनाओं के मामलों में संपत्ति कुर्क करने और जांच संबंधी कार्रवाई को व्यवस्थित करने के लिए प्रशासनिक प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

प्राइवेट अस्पतालों में ...

अस्पताल में नहीं करा सकेंगे। एनएचए ने उपचार पैकेजों में किए बदलाव आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सालाना 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलता है। इस योजना के तहत सरकारी के साथ कई प्राइवेट अस्पतालों में भी इलाज की सुविधा दी जाती है। हालांकि, अब राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने योजना के कुछ उपचार पैकेजों को लेकर बदलाव करने का निर्देश दिया है। इसके तहत 112 तरह के इलाज सरकारी अस्पतालों के लिए आरक्षित किए जाने हैं। इससे आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कराने के विकल्प कम हो सकता हैं।

कैंसर की सस्ती दवाओं की कीमत अस्पतालों व मेडिकल स्टोर पर लिखना होगा अनिवार्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



कैंसर मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार ने 137 दवाओं की संशोधित कीमतों को लागू कराने के लिए निगरानी सख्त कर दी है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने दवा कंपनियों, वितरकों, मेडिकल स्टोर और अस्पतालों को नए अधिकतम खुदरा मूल्य का पालन करने का निर्देश दिया है। इन दवाओं की संशोधित कीमतें 9 नवंबर से लागू हो चुकी हैं।

औषधि विभाग ने कहा कि इन दवाओं पर ट्रेड मार्जिन रेशनलाइजेशन व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत दवाओं की बिक्री पर कारोबारियों और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अन्य पक्षों का ट्रेड मार्जिन 30 फीसदी तक सीमित किया गया है। राज्यों के औषधि नियंत्रकों को भी निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें दवा कंपनियों, वितरकों, अस्पतालों और

ज्यादा कीमत वसूलने पर होगी कार्रवाई

एनपीपीए ने स्पष्ट किया है कि तय कीमत से अधिक रकम वसूलने पर ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर, 2013 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। दवाओं की ज्यादा कीमत वसूलने, उनकी कमी या उपलब्ध नहीं होने से जुड़ी शिकायतें 'फार्मा सही दाम' ऐप और पोर्टल, एनपीपीए हेल्पलाइन या ईमेल के जरिए दर्ज कराई जा सकती हैं। राज्यों के औषधि नियंत्रकों को 16 नवंबर 2026 तक अपनी कार्रवाई की रिपोर्ट एनपीपीए को सौंपने के लिए कहा गया है।

मेडिकल संस्थानों में यह सुनिश्चित करना होगा कि कीमतों में कटौती का लाभ मरीजों तक पहुंचे।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

कार्यालय नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

प्र.क्र.- 535 / लो.नि.शा./न.पा./2026-27 पत्थलगांव, दिनांक- 13/11/2026

-: मैनुअल पद्धति प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव द्वारा 15 वें वित्त आयोग मद अन्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों का प्रचलित BUILDING SOR दिनांक 10.06.2026/ROAD SOR 15.06. 2026/E & M SOR 10.06.2026 से प्रभावशील दर पर फॉर्म ''अ'' में मुहर बंद निविदा तीन लिफाफा निविदाएं अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

01. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 04.12.2026 सायं 5:00 बजे तक
02. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 07.12.2026 समय प्रातः 11:00 से।

क्र.	कार्य का नाम	राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	अमानत राशि (टीडीआर/ एफडीआर)	कार्यावधि
01	वार्ड क्रमांक-01 से 15 तक रेन वॉटर हार्वेस्टिंग कम सोक पीट निर्माण कार्य।	2.91	750.00	3000.00	03 माह
02	वार्ड क्रमांक-01 से 15 तक वार्ड/रोड़ साईन बोर्ड कार्य।	3.66	750.00	4000.00	
03	05 नग होम कम्पोस्ट यूनिट निर्माण कार्य।	1.05	300.00	1000.00	
04	सिटी ब्यूटीफिकेशन अंतर्गत पत्थलगांव के विभिन्न स्थानों में वॉल पेंटिंग कार्य।	3.22	750.00	3500.00	

निविदा हेतु आवेदन पत्र सह दस्तावेज रजिस्टर्ड डाक / स्पीड पोस्ट से प्रेषित किया जाना अनिवार्य होगा। उपरोक्त कार्य की निविदा की समस्त शर्तें/ विस्तृत निविदा विज्ञप्ति / निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में संबंधित शाखा प्रभारी से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद पत्थलगांव, जिला - जशपुर (छ.ग.)

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com

Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- इंग्लिश मीडियम स्कूल में विषय अनुसार अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान पढ़ाने हेतु अनुभवी शिक्षक, शिक्षिकाओं की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जय हिन्द पब्लिक स्कूल लखराम रतनपुर बिलासपुर 9981766606 **(42289)**

आवश्यकता है- UPVC सिस्टम विंडो, किचन, रेलिंग सेल्स हेतु सेल्समैन चाहिए सैलरी 15000 से 40000+ इंसेंटिव+ साप्ताहिक अवकाश अनुभव- 1-2वर्ष सेल्स अनुभव अनिवार्य (फ्रेशर्स सम्पर्क ना करें) पता- व्यापार विहार, बिलासपुर 62604 35141 **(42285)**

आवश्यकता है- कार ड्राइवर चाहिए गाड़ियां चलाने का 3 से 5वर्ष अनुभवी, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, स्थानीय रास्तों का जानकार हो। वेतन योग्यता अनुसार (15000 से 18000 सम्पर्क करें- अर्जुन ट्रेडर्स बिलासपुर 6260435141 **(42286)**

आवश्यकता है- बॉयज हॉस्टल में रहकर चौकीदारी एवं साफ सफाई हेतु व्यक्ति चाहिए सम्पर्क करें- देवांगन बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स E-15 सिटी सेन्टर कॉम्प्लेक्स, मारुति कार शोरूम के पास, शिव टॉकीज रोड बिलासपुर 6262227355 **(42284)**

आवश्यकता है- अनुभवी लाइसेंस धारी लोकल कार ड्राइवर की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- विजयापुरम सरकंडा, पानी टंकी के पास बिलासपुर 9098950356, 74892 44588 **(42256)**

आवश्यकता है- दुकान में साफ सफाई, पैकिंग, आसपास के क्षेत्रों में सामान पहुंचाने हेतु बिलासपुर निवासी 8वीं से 12वीं पास, 18 से 25 वर्षीय युवक चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें - 9827174503 **(42283)**

आवश्यकता है- Urgent Requirement त्वरित आवश्यकता लोकेशनः उरला, रायपुर (छत्तीसगढ़) Post-40 Salary: 22000 (CTC) 18500 (in hand) PF & ESIC फैसिलिटी-रहने की निःशुल्क व्यवस्था लोकेशनः मॉल (Mall), रायपुर सिटी Salary: 18500 (CTC) 16000 (in hand) PF & ESIC योग्यताः हाइट-5'-5'' वजन 55kg दसवीं पास पताः मध्य भारत सिक्योरिटी सर्विस, सोनकर बाड़ी के पीछे, सुंदर नगर, रायपुर (छ.ग.) मो.- 9244767619, 92447 67686, 6267596471 **(108)**

आवश्यकता है- कार एवं बाईक एसेसरीज दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन, हैल्पर तथा लॉज में कार्य करने हेतु हाउस कीपिंग स्टाफ लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7869523344, 7301717175 **(42287)**

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में माल निकालने, जमाने, साफ सफाई हेतु लड़के, लड़कियां एवं काउन्टर सम्भालने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- प्रीमियर एजेन्सीज, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर **(42288)**

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति, रायपुर के सहयोग से संचालित TI परियोजना हेतु छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान, बिलासपुर में 3 पदों पर भर्ती- M&E Cum Accountant- (1), बीकॉम/ कम्प्यूटर डिप्लोमा, मानदेय 16000, ANM- (1), ANM/ GNM, मानदेय 12500, Field Outreach Worker महिला (1), स्नातक/ कम्प्यूटर ज्ञान, मानदेय 10500, यात्रा भत्ता नियमानुसार। अनुभवी एवं दोपहिया वाहनधारी अभ्यर्थियों को प्राथमिकता। बायोडाटा एवं प्रमाणपत्रों सहित आवेदन कार्यालय अथवा ईमेल- scg-pvs@yahoo.in पर 18 नवम्बर 2026 तक भेजें। सम्पर्क करें- 9977184172, 9039334493 **(42281)**

Requirment- (1) Interior designer for Modular Kitchen showroom M/F- 2 (2) Sales person/sale Executive- M/F- 3 (3) Driver for Car- 2 (4) बाई खाना बनान, सफाई हेतु- 2, सम्पर्क करें- 98279 00065, 7415408411 **(42282)**

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स, सिक्यूरिटी गार्ड चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 8357065592 8462933820

आवश्यकता है- होटल में काम करने हेतु फ्राइपैन, मिस्त्री, वेटर पार्सल सर्विस, रोटी बनाने लड़का/ लड़की चाहिए वेतन योग्यता अनुसार रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- पाण्डेय स्वीट्स, अशोक नगर बिलासपुर 9907748408 **(42277)**

आवश्यकता है
बजाज प्रीव्हीलर सर्विस सेन्टर में कार्य करने हेतु निम्नलिखित पदों पर कर्मचारियों की आवश्यकता है
ITI मैकेनिक- 4 पद
सेल्स एजीक्यूटिव- 5 पद
हेल्पर- 4 पद
स्पेयर पार्ट्स असिस्टेंट- 1 पद
बिलिंग एजीक्यूटिव- 1 पद
वॉशिंग स्टाफ- 6 पद
नोट- अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी
पता- शारदा बजाज, ICICI बैंक के सामने, व्यापार विहार, बिलासपुर
बायोडाटा/ रिज्यूम मोबाइल पर भेजें-
9039091740
Email ID- hrshardabajaj@gmail.com

आवश्यकता है- हॉस्पिटल कार्य हेतु वार्ड बॉय की शीघ्र आवश्यकता हैं। पता- गजानन स्मृति चिकित्सालय, बलराम टॉकिज के पास, नेहरू नगर बिलासपुर मो. 7247000111 **(42271)**

आवश्यकता है- मास्टर एवं कारीगरों की टीम तथा सेल्समैन की आवश्यकता है। (1) मास्टर एवं कारीगर- मेंस वियर की सिलाई एवं फिनिशिंग का अच्छा अनुभव हो। (2) टेलर / दर्जी- पैंट, शर्ट, कुर्ता, ब्लेजर आदि की सिलाई का अच्छा अनुभव हो। (3) सेल्समैन- कपड़ों की क्वालिटी, फैब्रिक एवं गारमेंट्स की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। पारिश्रमिक 5000 से योग्यता, अनुभव एवं हुनर के अनुसार। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 9399970310 **(42272)**

आवश्यकता है- Zee Guard Solar Pvt.Ltd. को Manager HR, Marketing Manager, Counselor, फिल्ड ऑफिसर, सर्वेयर, ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 35000 सम्पर्क करें- नारायण प्लाजा, लिंक रोड बिलासपुर 6269222001, 8085045559 **(42269)**

आवश्यकता है- कानूनी पुस्तकों के विक्रय हेतु 10वीं पास लड़के, लड़कियां चाहिए वेतन- 7000 से 10000+ कमीशन पता- आदर्श लॉ हाउस प्रा.लि. डीपी कॉलेज के सामने पुराना हाईकोर्ट रोड बिलासपुर 9827079947, 9424163066 **(42273)**

आवश्यकता है- यूटीएन शॉप में सर्वे कार्य हेतु लड़के, लड़कियां (सैलरी 10000 से 15000) एवं कम्पनी में गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए सम्पर्क करें- सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7806007192, 799594790 **(42276)**

आवश्यकता है- क्लीनिक में काम करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। सैलरी 4000 से 5000 समय (सुबह 10बजे से शाम 8बजे) सम्पर्क करें- राजीव प्लाजा के पास, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7880210386 **(42265)**

आवश्यकता है- घरेलू एवं ऑफिस हेतु दो कुशल एवं अनुभवी कार चालकों की आवश्यकता है योग्यता अनुभवी, जिम्मेदार वेतन- अनुभव एवं योग्यता अनुसार ड्राइविंग लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- मनोज शर्मा 98261 44199, 8085033344 **(42274)**

आवश्यकता है- बिलासपुर में साउंड सिस्टम शोरूम में कार्य करने हेतु मेहनती, ईमानदार जिम्मेदार युवकों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 12000+ इंसेंटिव और बोनस। अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9685005500 **(42233)**

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है वेल्डर वेतन- 20000, हेल्पर वेतन- 10000 से 12000 सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से 5बजे तक उमेश इंजीनियरिंग घुरीपारा, मंगला बिलासपुर 9098220011, 8085888288 **(42257)**

आवश्यकता है- रियल एस्टेट ऑफिस में मैनेजर वर्क सेल्स, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्शन नामांतरण एवं नगर निगम संबंधी कार्य करने हेतु अनुभवी मैनेजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 **(42261)**

आवश्यकता है- स्नाइडर इलेक्ट्रीक मल्टीनेशनल कम्पनी के चैनल पार्टनर को एकाउंटेंट, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्स मैनेजर (Electrical Switchgear product) के लिए आवश्यकता है स्वयं का वाहन। बायोडाटा पर 9303023570 भेजे। **(42280)**

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु असिस्टेंट एकाउंटेंट, अनुभवी सेल्समैन, पैकिंग एवं लोकल में माल छोड़ने के लिए लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी, तेलीपारा, बिलासपुर **(42263)**

आवश्यकता है- हार्डवेयर एवं बोर्ड गोदाम में कार्य हेतु लेबर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मोदी हार्डवेयर, अग्रवाल मिट्टी तेल गोदाम, अल्ट्राटेक सीमेन्ट गोदाम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, तिफरा, बिलासपुर 7415515151 **(42255)**

आवश्यकता है- सुपर बाजार में Tally Busy अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की एवं हेल्पर (लड़के, लड़कियां) बायोडाटा सहित अनुभवी सम्पर्क करें- अपना सुपर बाजार SBI ATM के पास, रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 7470592624 **(42259)**

आवश्यकता है- सिक्यूरिटी एजेन्सी में कार्य करने हेतु इच्छुक सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है जिनकी योग्यता 10वीं पास एवं उम्र 40वर्ष तक होनी चाहिए वेतन 11000 से शुरू सम्पर्क करें- 99816 30084, 9425534940 **(42250)**

आवश्यकता है- अकाउंट्स जानकार, हिन्दी अंग्रेजी टाइपिस्ट चाहिए। उम्र 30-50, अनुभव 10वर्ष, सभी नशों से दूर सम्पर्क करें- एसपी चतुर्वेदी, फ्लैट नं-801, घनश्याम होम्स, यूनीयन बैंक के सामने, व्यापार विहार, बिलासपुर 9993087654 **(42251)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन एवं सेल्सगर्ल की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- महामाया बैग हाउस शॉप नम्बर बी-4 वृन्दावन परिसर तेलीपारा बिलासपुर **(42260)**

आवश्यकता है- उमा एजेन्सी में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों, छोटा हाथी एवं कार ड्राइवर तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- विजय नगर जेबीसी स्कूल के पास देवरीखुर्द बिलासपुर 93015 17722 **(42266)**

आवश्यकता है- बच्चे को संभालने एवं घरेलू सभी कार्यों हेतु लड़की/ महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- कल्पना विहार, नेहरू नगर, अमेरी चौक बिलासपुर 99772 47800 **(42252)**

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 **(42268)**

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर अशोक नगर प्रत्याक्षा विहार कॉलोनी खमतराई में 1000 वर्गफीट चौरस डायवर्टेड छोटा, सुंदर प्लाट बेचना है। संपर्क करें भू स्वामी 9589848485, 9300482612 **(42270)**

बेचना है- भारत माला प्रोजेक्ट के पास नेशनल हाईवे 130A रोड से लगा 150 फ्रंट बाऊंड्री वाल से घिरा लिमतरा खैरा रोड पर स्थित (एक एकड़) जमीन शीघ्र बेचना सम्पर्क करें- 8349054531 **(42185)**

बेचना है- मोपका मेन रोड में ग्लोरियस सिटी के पास 25×100= 2500 वर्गफुट कमर्शियल डायवर्टेड प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- गोल बाजार बिलासपुर (छ.ग.) 9827984512, 70007 62663 **(42249)**

किराये

किराया- बिलासपुर से तखतपुर रोड एवं गनियारी रोड में एक- दो एकड़ जमीन किराए पर चाहिए एवं कश्यप कॉलोनी में 1BHK या 2BHK मकान किराए पर चाहिए सम्पर्क करें- 7987266326 **(42262)**

फायनेंस

फायनेंस- विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क - 9981421206, 9438611245 **(106)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेनदेन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:-मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:-मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:-मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:-मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:-मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:-मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:-मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:-मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:-मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:-मो. 8109229025

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

कड़े मुकाबले में जेसिका ने लिंडा को हराया, टूर्नामेंट से बाहर गॉफ



एजेंसी ▶▶| इंडियन वेल्स

जेसिका पेगुला ने अपनी दमदार सर्विस का शानदार नमूना पेश करते हुए तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल करके डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उनका मुकाबला मीरा एंड्रीवा से होगा। पेगुला ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 16 ऐस लगाए और एक मैच प्वाइंट बचाते हुए अंतिम तीन गेम जीतकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के राउंड-रॉबिन ग्रुप में लिंडा नोस्कोवा को 7-6 (2), 4-6, 7-5 से हराया। पेगुला की जीत ने उनकी पूर्व युगल जोड़ीदार कोको गॉफ को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इससे पहले गॉफ ने वापसी करते हुए अंतिम छह गेम जीतकर मार्ता कोस्त्युक को 6-4, 7-5 से हराया था, जो इस साल उनका आखिरी मैच साबित हुआ।

कोको को टूर्नामेंट से लेनी पड़ी विदाई



कोको गॉफ डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई हैं। अपने अंतिम ग्रुप मैच में मार्टा कोस्त्युक को हराने के बावजूद, हमवतन जेसिका पेगुला की जीत के कारण गॉफ को ग्रुप चरण में तीसरे स्थान पर रहकर टूर्नामेंट से विदाई लेनी पड़ी। थ्री-वे टाई (तीन खिलाड़ियों के बीच बराबरी)। ग्रुप-1 में कोको गॉफ, जेसिका पेगुला और लिंडा नोस्कोवा तीनों ने 2-1 के समान जीत-हार के रिकॉर्ड के साथ समापन किया।

नेशंस लीग : क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड, हैरी केन ने किया 92वां गोल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हैरी केन ने अपने ऐतिहासिक मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को जीत दिलाई। इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 2-1 से हराकर यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। केन इंग्लैंड की पुरुष टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने अपना 126वां मैच खेला और देश के लिए अपना 92वां गोल करके इस मौके का शानदार जश्न मनाया। उन्होंने 64वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल किया।



केन ने अपना 126वां मैच को बनाया यादगार

मॉर्गन रोजर्स ने पहले हाफ में इंग्लैंड को बढ़त दिलाई थी। हालांकि, एक घंटे का खेल पूरा होने से ठीक पहले पेटार सुसिक ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके पांच मिनट बाद केन ने पेनल्टी के जरिए गोल दागते हुए अपना 126वां मैच यादगार बना दिया। बाद में क्रोएशिया ने बराबरी करने की कोशिश की, लेकिन निकोला व्लासिक का शॉट थोड़ा बाहर चला गया, और एंटे बुदिमिर के शॉट को जैरेल क्वानसा ने एक अहम ब्लॉक के जरिए रोक दिया। मैच से पहले हैरी केन आकर्षण का केंद्र रहे। उन्होंने वेम्बली स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को अपनी बैलन डी'ओर ट्रॉफी दिखाई, जिसके बाद दर्शकों ने खड़े होकर इस ऐतिहासिक पल का सम्मान किया। 33 वर्षीय केन को पूर्व रिकॉर्डधारक पीटर शिल्टन और प्रिंस ऑफ वेल्स ने एक यादगार शर्ट भेंट की। इसके अलावा, क्रोएशियाई फुटबॉल महासंघ की ओर से लुका मोड्रिक (जो स्वयं पूर्व बैलन डी'ओर विजेता हैं) ने उन्हें एक विशेष उपहार दिया। वहीं दूसरी ओर, इजमिर में बेल्जियम ने तुर्की के खिलाफ 2-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

हेनरी ने झटके 6 विकेट, सीरीज में 2-1 से आगे भारत

न्यूजीलैंड की वनडे इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी जीत

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

विल यंग के शानदार शतक के बाद मैट हेनरी ने स्टार खिलाड़ियों से सजी भारतीय बल्लेबाजी के परखच्चे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, जिससे न्यूजीलैंड ने चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शुक्रवार को 244 रन की रिकॉर्ड जीत हासिल करके श्रृंखला में शानदार वापसी की। भारत की रनों के लिहाज से यह दूसरी सबसे बड़ी पराजय है। इससे पहले श्रीलंका ने 2000 में शारजाह में उसे 245 रन से हराया था। न्यूजीलैंड की रनों के लिहाज से यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने आयरलैंड को 2008 में एबेरडीन में 290 रन से हराया था। भारत ने पांच मैच की श्रृंखला के पहले दो मैच जीते थे और इस तरह से वह अब 2-1 से आगे है। श्रृंखला का तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। श्रृंखला का पांचवा और अंतिम मैच रविवार को खेला जाएगा।

यंग ने खेली 125 रन की पारी

यंग ने दो जीवनदान का फायदा उठाकर 108 गेंद पर 125 रन की पारी खेली। उन्हें उनके सलामी जोड़ीदार टिम सीफर्ट (48 गेंद पर 58 रन) और फिन एलन (41) का अच्छा साथ मिला, जिससे न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 333 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 26.4 ओवर में 89 रन पर ढेर हो गई। यह वनडे में आठवां अवसर है जबकि भारतीय टीम 100 से कम रन पर आउट हो गई। हेनरी ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 27 रन देकर 6 विकेट लिए। मैथ्यू फिशर (31 रन देकर 3 विकेट) ने भी अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए उनका अच्छा साथ दिया।



भारत ने खाता खोले बिना गंवाए तीन विकेट

नियमित कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल के बिना खेल रहे भारतीय बल्लेबाजों के पास तेजी से उठती गेंदों का कोई जवाब नहीं था। भारत की शुरुआत भयावह रही, जिससे वह उबर नहीं पाया। हेनरी ने पहले ओवर में ही रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर के विकेट लेकर भारतीय खेमे में खलबली मचा दी। तब भारत ने खाता भी नहीं खोला था। यह वनडे में पहला अवसर है जबकि भारत ने खाता खोले बिना तीन विकेट गंवाए। वनडे क्रिकेट में कुल मिलाकर पांचवीं बार ऐसा हुआ है। रोहित का खराब प्रदर्शन जारी रहा। उन्होंने पारी की पहली गेंद पर पहली स्लिप में आसान कैच दिया। हेनरी ने इसके बाद चौथी गेंद पर कोहली को चकमा देकर बोल्ड किया और अगली गेंद पर अय्यर को एलबीडब्ल्यू आउट किया, जिसके लिए न्यूजीलैंड ने डीआरएस का सहारा लिया था।

यंग और सीफर्ट ने दी शानदार शुरुआत

इससे पहले बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर यंग और सीफर्ट ने 12 ओवरों में 85 रन जोड़कर न्यूजीलैंड को शानदार शुरुआत दी। इस साझेदारी में सीफर्ट ने अहम भूमिका निभाई और 41 गेंदों में अपना पहला वनडे अर्धशतक पूरा किया। भारतीय गेंदबाजों में अक्षर पटेल ने प्रभावित किया। उन्होंने शानदार लाइन पर गेंदबाजी करते हुए 10 ओवरों में सिर्फ 39 रन दिए तथा निक केली और फिन एलन के विकेट लिए। लेकिन अन्य दो स्पिनरों कुलदीप यादव (8 ओवर में 73 रन) और नमन धीर (4 ओवर में 29 रन देकर एक विकेट) ने जमकर रन लुटाए।

लालरेमसियामी बनीं मिजोरम की पहली अर्जुन पुरस्कार विजेता



आइजोल। भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी लालरेमसियामी प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाली मिजोरम की पहली खिलाड़ी बन गईं। छब्बीस वर्षीय लालरेमसियामी उन 17 खिलाड़ियों में शामिल थीं, जिन्हें खेल मंत्रालय ने 18 अगस्त को अर्जुन पुरस्कार 2025 के लिए चुना था। शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें औपचारिक रूप से यह सम्मान प्रदान किया। मिजोरम के उत्तरी हिस्से में असम की सीमा से सटे कोलासिब जिले की रहने वाली लालरेमसियामी ने कम उम्र में ही हॉकी खेलना शुरू कर दिया था। वर्ष 2011 में 11 साल की उम्र में उन्होंने थेनजॉल स्थित राज्य सरकार की हॉकी अकादमी में दाखिला लिया। इसके बाद 2016 में वह नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय हॉकी अकादमी में शामिल हो गईं। लालरेमसियामी ने अक्टूबर 2011 में जूनियर नेहरू हॉकी टूर्नामेंट से राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया। बाद में 2016 में एशिया कप के लिए उनका चयन भारत की अंडर-18 टीम में हुआ।

कुमामोतो मास्टर्स : सेमीफाइनल में लक्ष्य, बाहर हुए श्रीकांत

एजेंसी ▶▶| कुमामोतो

लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन किदांबी श्रीकांत एक बार फिर उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे और सीधे गेम में हारकर से बाहर हो गए। विश्व के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 40 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल मैच में जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से पराजित किया। इस भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें चीन में होने वाले सत्र के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के लिए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर रैंकिंग के शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई खिलाड़ी अल्वी फरहान से होगा।



श्रीकांत निरंतरता बनाए रखने में नाकाम

श्रीकांत एक बार फिर अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रहे। पहले गेम में उन्होंने अपने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा लेकिन दूसरे गेम में वह अच्छी बढ़त का फायदा नहीं उठा पाए और जापान के कोकी वातानाबे से 22-24, 15-21 से हार गए। भारतीय खिलाड़ी ने गुरुवार को कोडाई नाराओका को हराया था लेकिन वातानाबे के खिलाफ वह अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख पाए। श्रीकांत ने पहला गेम करीबी अंतर से गंवाने के बाद दूसरे गेम में 12-5 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने कई गलतियां की, जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। वातानाबे ने अंतिम 19 में से 16 अंक जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

आईजीपीएल के चैंपियन बने गगनजीत भुल्लर



हैदराबाद। अनुभवी गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने एक बार फिर अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए शुक्रवार को फीनिक्स इनविटेशनल हैदराबाद में प्लेऑफ मुकाबले में युवा खिलाड़ी राघव चुग को हराकर अपना सातवां इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) खिताब जीत लिया। यह इस सत्र में भुल्लर की चौथी जीत और लगातार दूसरा प्लेऑफ खिताब है। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह वूटी गोल्फ काउंटी में भी प्लेऑफ मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया था।

निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत को मिले 13 पदक

एजेंसी ▶▶| दोहा

भारत ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में कुल 13 पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया, जिसमें दो स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। दो मिश्रित ट्रैप टीम का शुक्रवार को प्रदर्शन निराशाजनक रहा। विवान कपूर और मनीषा कीर की जोड़ी 134 के संयुक्त स्कोर के साथ 21वें स्थान पर रहीं जबकि जोरावर सिंह संधू और नीरू धांडा की जोड़ी 132 अंकों के साथ 32वें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में कुल 48 टीम ने हिस्सा लिया था। तीन दौर की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में प्रत्येक निशानेबाज को 75 शॉट लगाने थे। इसमें विवान और मनीषा का प्रदर्शन एक-दूसरे से काफी अलग रहा। पुरुष ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक जीतने के साथ ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले विवान ने 71 अंक बनाए जबकि मनीषा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह केवल 63 अंक ही हासिल कर सकीं।



डेब्यू में बियर्डमैन ने झटके 6 विकेट

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को दी 7 विकेट से मात

एजेंसी ▶▶| पर्थ

युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन ने अपने वनडे पदार्पण मैच में 6 विकेट लेकर इतिहास रचा, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में इंग्लैंड को 7 विकेट से शिकस्त दी। बियर्डमैन ने 24 रन देकर 6 विकेट झटके और वनडे पदार्पण पर ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाले गेंदबाज बन गए। उनकी शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 159 गेंद शेष रहते एकतरफा जीत दर्ज की।



इंग्लैंड की पूरी टीम 131 रन पर सिमटी

इक्कीस वर्षीय बियर्डमैन ने अपने आठवें गेंद पर पहला वनडे विकेट हासिल किया और इसके बाद इंग्लैंड के शीर्ष बल्लेबाजों को एक के बाद एक पवेलियन भेजते रहे। उन्हें स्पेंसर जॉनसन (तीन विकेट) और जेवियर बार्टलेट (एक विकेट) का अच्छा साथ मिला, जिससे इंग्लैंड की पूरी टीम 34 ओवर से पहले ही महज 131 रन पर सिमट गई।

मार्श ने खेली आक्रामक पारी- जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड के पहली ही गेंद पर खाता खोले बिना आउट होने के बावजूद शानदार शुरुआत की। मार्श ने महज 30 गेंदों पर 50 रन की आक्रामक पारी खेलकर इंग्लैंड को वापसी का मौका नहीं दिया। कूपर कोनोली ने 27, जोश इंग्लिस ने नाबाद 23 और मैट रेनशॉ ने नाबाद 26 रन का योगदान दिया।

हरमनप्रीत कौर का वैक्स स्टेच्यू स्थापित, बोलीं- 'यह गर्व का पल'



जयपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जयपुर में अपने वैक्स स्टेच्यू (मोम के पुतले) का अनावरण किया और इसे अपने लिए गर्व का पल बताया। नाहरगढ़ के 'हिस्टॉरिका म्यूजियम' की ओर से तैयार किए गए इस 'वैक्स स्टेच्यू' को अब आम लोगों के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर हरमनप्रीत ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का पल है। उन्होंने पहली बार अपने इस 'पुतले' को देखा और इसे बनाने वाले लोगों का आभार जताया। आयोजकों के अनुसार हरमनप्रीत की उपलब्धियों को सम्मान देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। गौरतलब है कि हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नवंबर 2025 को महिला एक दिवसीय विश्व कप का खिताब जीता था। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद जयपुर वैक्स म्यूजियम ने उनका मोम का पुतला बनाने की घोषणा की थी।

IIIT-Naya Raipur Foundation for Technology Business Incubation & Entrepreneurship
Sector-24, Nava Raipur Atal Nagar, Chhattisgarh

Recruitment Notice

IFTBIE is a not-for-profit company. It invites online applications from eligible and interested candidates for recruitment to following positions on purely temporary and contractual basis for its AI-Centre of Excellence:

1. Research Lead(Data Scientist) 2. Marketing & Business Dev. Manager
3. Full Stack Developer 4. Junior Research Fellow (JRF)
5. Account-cum-HR Manager 6. Project Assistant,
7. Support Staff

For details including last date of application and other updates please visit the website of IFTBIE: https://www.iftbie.co.in/.

CEO, IFTBIE

PUBLIC NOTICE
NAME CORRECTION

मैं, अमन प्रोमिस मिंज (AMAN PROMISE MINJ), पिता श्री अमृत लाल मिंज, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम-चोटिया, तहसील-पोड़ीउपरोड़ा, जिला-कोरबा (छ.ग.)। मेरी कक्षा 10वीं (CBSE) की अंकसूची में मेरा मध्य नाम त्रुटिवश PROMISH और कक्षा 12वीं की अंकसूची में त्रुटिवश PAROMISE दर्ज हो गया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि PROMISH, PAROMISE और PROMISE तीनों मध्य नाम एक ही व्यक्ति यानी मेरे हैं। भविष्य में सभी सरकारी और गैर-सरकारी दस्तावेजों के लिए मेरा सही और पूरा नाम अमन प्रोमिस मिंज (AMAN PROMISE MINJ) ही पढ़ा व माना जावे।

GVK EMRI GREEN HEALTH SERVICES

Applications are invited for candidates with qualification Bachelor of Emergency Medical Technologist (B.EMT)

Applications are invited for candidates who have Bachelor of Emergency Medical Technologist (B. EMT) qualification as stipulated by National Commission for Allied and Healthcare Profession (NCAHP) act 2021, to serve EMRI Green Health Services (www.emri.in), a pioneer in Emergency Medical Services in India. Candidates should also carry a registration with Allied Healthcare council. Candidates should be willing to serve in across EMRI Green Health Services operating states.

Currently EMRI Green Health Services is operating More then 10,000 emergency ambulances under National Ambulance Services (NAS) under NHM in 14 states/UTs. As per the Hon' Supreme Court Directives, EMRI Green Health Services is keen to recruit candidates who are qualified as per NCAHP notified Bachelor of EMT curriculum.

EMRI GREEN HEALTH SERVICES
3rd Floor, L.K. Corporate & Logistics Tower,
New Dhamtari Road, Dumartarai, Raipur, Chhattisgarh 492015,
Tel: + 91 9427573519 & 9425580722

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निर्माण कार्य
हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांकः सी.ए.ओ./सी./बी.एस.पी./26-27/21, दिनांकः 05.11.2026. (EPC) (ओपेन ई-टेंडर) (दू पैकेट सिस्टम)

कार्य का नामः "ओडिशा और छत्तीसगढ़ राज्यों में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत सरडेगा भालूमुड़ा नई डबल लाइन परियोजना के लिए, किमी 0.000 से किमी 38.750 तक नई बीजी (BG) विद्युतीकृत डबल लाइन का निर्माण किया जाना है। इसमें सरडेगा (मौजूदा), मुंडारखेत (नया), टांगरघाट (नया), धोराभाठा (नया) और भालूमुड़ा (मौजूदा) यार्ड और स्टेशन शामिल हैं। इस परियोजना के कार्यों में अर्थवर्क (मिट्टी का काम), पुल, आरओबी (ROB), आरयूबी (RUB), सर्विस बिल्डिंग, स्टाफ क्वार्टर, पी–वे (P-Way) कार्य (जिसमें रेल को छोड़कर गिट्टी और अन्य पी. वे सामग्री की आपूर्ति शामिल है), 2x25 kV OHE, PSI, PLC, सामान्य विद्युत कार्य, सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य, तथा इनसे जुड़े अन्य विविध कार्य शामिल हैं।"

निविदा मूल्यः ₹ 13769857743.13. **अमानत राशिः** ₹ 275397200.00. **निविदा दस्तावेज की लागतः** शून्य। **कार्य पूर्ण होने की अवधिः** 1096 (एक हजार छियानवे) दिन, नियत तिथि से।

निविदा बंद होने की तिथि व समयः 24.02.2027 को 15:00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथि व समयः 26.02.2027 को 15:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर पिन– 495004 अथवा उप मुख्य अभियंता /निर्माण/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर पिन– 495004 अथवा उप मुख्य अभियंता /निर्माण/I/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर पिन– 492009, मुख्य परियोजना प्रबंधक/ पश्चिम/निर्माण/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर पिन– 440001 के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसरो डाउनलोड कर/देख सकते है।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण-I/
रीपीआर/10/489 *बिलासपुर*

South East Central Railway @secrail



करोड़ों रुपए खर्च करके बनाए शानदार घर, आज तक नहीं आया कोई रहने

लंदन। क्या आपने कभी ऐसी कॉलोनी देखी है, जहां घर तो बने हों, सड़कें भी तैयार हों, लेकिन वहां रहने वाला एक भी इंसान न हो? जहां घरों में ताले लटके हों और आसपास पूरी तरह सन्नाटा पसरा हो। सुनने में यह किसी डरावनी फिल्म की कहानी लग सकती है, लेकिन ब्रिटेन में ऐसी ही एक जगह मौजूद है। यहां एक-दो नहीं, बल्कि कई घर वर्षों से खाली पड़े हैं। हैरानी की बात यह है कि इन घरों को बनाने में करोड़ों रुपए खर्च किए गए, लेकिन आज तक इनमें कोई परिवार रहने नहीं आया। अब इस पूरी जगह को बेचने की तैयारी है।

कैलस्टॉक गांव का है मामला

दरअसल, यह मामला यूनाइटेड किंगडम के कॉर्नवॉल इलाके के कैलस्टॉक गांव का है। यहां ब्रिज व्यू नर्सरी नाम से एक हाउसिंग प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। इसके तहत कुल 33 घर बनाए जाने थे। साल 2018 में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली थी। इसका मकसद स्थानीय लोगों के लिए घर बनाना था। खास बात यह थी कि शुरुआती योजना में 15 घर ऐसे रखे गए थे, जिन्हें कम कीमत पर आम लोगों को उपलब्ध कराया जाना था।

इतने रुपए हो गए खर्च

इस प्रोजेक्ट की शुरुआत जितनी अच्छी दिख रही थी, आगे चलकर हालात उतने ही खराब होते चले गए। निर्माण के दौरान डेवलपर्स और स्थानीय प्रशासन के बीच कई तरह के विवाद और मंजूरी से जुड़ी परेशानियां सामने आईं। डेवलपर्स का कहना था कि कॉर्नवॉल काउंसिल से जरूरी मंजूरी मिलने में हुई देरी के कारण उनका खर्च लगातार बढ़ता गया। उनका दावा था कि इस दौरान ब्याज के रूप में करीब 12 लाख पाउंड यानी लगभग 14 करोड़ रुपए खर्च हो गए।

अब बिकने जा रही है पूरी कॉलोनी



करीब सात साल से वीरान पड़े इस प्रोजेक्ट को लेकर अब एक नई खबर सामने आई है। नवंबर 2026 में इस पूरी जमीन को बिक्री के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इसमें पहले से बने मकान, अधूरा निर्माण और दूसरी सुविधाएं शामिल हैं। हालांकि, इसे खरीदने वाले को बाकी निर्माण और जरूरी काम भी पूरे करने होंगे। इस तरह एक बेहतर रिहायशी इलाके का सपना अब अधूरे मकानों और खाली सड़कों तक सिमटकर रह गया है।

7 साल से खाली पड़े हैं घर

साल 2019 में यहां निर्माण का काम रोक दिया गया। उस समय तक 33 में से सिर्फ 10 घर ही बन पाए थे। इनमें से भी आठ घर लगभग तैयार थे, लेकिन फर्श, कुछ जरूरी फिटिंग और दूसरी फिनिशिंग का काम बाकी था। एक अन्य मकान का निर्माण भी शुरू हुआ था, लेकिन वह भी अधूरा रह गया। आज तक इन घरों में कोई परिवार नहीं रह पाया है। कई मकानों पर ताले और बोर्ड लगे हुए हैं।

प्रोजेक्ट को बढ़ाना हुआ मुश्किल

डेवलपर्स के मुताबिक अकेले रिटेनिंग वॉल पर करीब 7.5 लाख पाउंड यानी लगभग 9 करोड़ रुपए का खर्च आने वाला था। लगातार बढ़ते खर्च और दूसरी परेशानियों के कारण प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाना मुश्किल हो गया।

सूरज जितनी ऊर्जा पूरी जिंदगी में बनाता, उतनी 4 मिनट के भीतर दो महाविस्फोटों में बाहर निकली!

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष में पहली बार एक ऐसी घटना देखी गई है जिसने विज्ञान जगत को चकित कर दिया है। नासा के स्विफ्ट ऑब्जर्वेटरी ने सिर्फ चार मिनट के अंतर पर दो अलग-अलग तरह के गामा-रे बर्स्ट (जीआरबी) विस्फोट देखे हैं। जीआरबी 160425ए नाम के इस दोहरे धमाके ने सूरज की पूरी उम्र से ज्यादा ऊर्जा कुछ ही पलों में ब्रह्मांड में झोंक दी। वैज्ञानिक अब तक इसके वास्तविक कारण को पूरी तरह सुलझा नहीं पाए हैं। ब्रह्मांड के सुदूर कोने से आए एक रहस्यमय संदेश ने दुनिया भर के खगोलविदों की नींद उड़ा दी है। अंतरिक्ष में बिग बैंग के बाद होने वाले सबसे शक्तिशाली विस्फोटों को गामा-रे बर्स्ट यानी जीआरबी कहा जाता है। ये विस्फोट इतने ज्यादा विनाशकारी होते हैं कि पलक झपकते ही किसी भी ग्रह को भस्म कर सकते हैं। पहली बार ऐसा हुआ है जब दो बिल्कुल अलग प्रकृति के गामा-रे बर्स्ट केवल चार मिनट के अंतराल पर एक ही जगह से निकलते देखे गए। दूसरे धमाके में जितनी ऊर्जा निकली, उतनी तो हमारा सूर्य पूरी जिंदगी में नहीं बना पाएगा। वैज्ञानिकों ने इस ऐतिहासिक घटना को 'जीआरबी 160425ए' नाम दिया है। इस अनोखी परिघटना से जुड़ी विस्तृत रिसर्च प्रतिष्ठित साइंस जर्नल 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' में पब्लिश हुई है। इस खोज ने अंतरिक्ष विज्ञान के दशकों पुराने वर्गीकरण और स्थापित नियमों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ब्रह्मांड में गामा-रे बर्स्ट का जन्म कैसे होता है और ये कितने प्रकार के होते हैं?

गामा-रे बर्स्ट असल में अंतरिक्ष में होने वाले सबसे प्रचंड और चमकदार रेडिएशन के विस्फोट माने जाते हैं। जब कोई विशालकाय तारा अपनी उम्र पूरी करके ढह जाता है, तब इस तरह के महाविस्फोट जन्म लेते हैं। अब तक खगोल विज्ञान में जीआरबी को दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता रहा है। पहली श्रेणी को 'शॉर्ट-ड्यूरेशन जीआरबी' कहा जाता है। ये विस्फोट दो सेकंड से भी कम समय के लिए रहते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तरह के छोटे विस्फोट न्यूट्रॉन तारों या ब्लैक होल की आपसी भीषण टक्कर से पैदा होते हैं। दूसरी श्रेणी 'लॉन्ग-ड्यूरेशन जीआरबी' की होती है। ये विस्फोट दो सेकंड से लेकर कई मिनटों तक चलते हैं। आमतौर पर यह घटना सुपरनोवा के दौरान होती है, जब सूरज से दर्जनों गुना बड़ा कोई भारी तारा ढहकर खत्म होता है।



5.5 अरब साल का सफर तय करके पृथ्वी तक कैसे पहुंचा यह दोहरा धमाका?

नासा की अंतरिक्ष में तैनात 'नील गेहर्ल्स स्विफ्ट ऑब्जर्वेटरी' ने इस असाधारण घटना को अपने सेंसर्स में कैद किया था। पृथ्वी का वायुमंडल गामा किरणों को रोक लेता है, इसलिए इन्हें केवल अंतरिक्ष में मौजूद टेलीस्कोप ही पकड़ सकते हैं। यह विस्फोट जिस होस्ट गैलेक्सी में हुआ, वह दो आपस में विलीन हो रही आकाशगंगाओं का समूह लगती है। वह गैलेक्सी पृथ्वी से इतनी दूर है कि उसके प्रकाश को हमारे तक पहुंचने में करीब 5.5 अरब साल का लंबा वक्त लग गया। इसका मतलब यह है कि यह महाविस्फोट हमारे सौरमंडल और पृथ्वी के जन्म से भी लगभग एक अरब साल पहले हुआ था। इस विस्फोट से निकली हाई-एनर्जी किरणें ब्रह्मांड के एक-तिहाई इतिहास का सफर तय करके हमारे उपकरणों तक पहुंची हैं।

चार मिनट के भीतर रिकॉर्ड किए गए दोनों धमाकों में क्या अंतर था?

इस घटना में वैज्ञानिकों को सबसे ज्यादा जिस बात ने हैरान किया, वह दोनों विस्फोटों का अनोखा स्वभाव था। पहला विस्फोट, जिसे वैज्ञानिकों ने 'जी1' नाम दिया, केवल 1.7 सेकंड तक चला। इसकी ऊर्जा और अवधि साफ तौर पर दो तारों के टकराने वाले शॉर्ट-बर्स्ट से मेल खाती थी। इसके ठीक चार मिनट बाद दूसरा विशाल धमाका हुआ, जिसे 'जी2' नाम दिया गया।

दुनिया का इकलौता देश, खुद के लिए उगाता है हर चीज

बाहर से कुछ नहीं मंगाता, दिखता है दुबई जैसा

जॉर्जटाउन। दुनिया में एक देश ऐसा भी जहां रेल सेवा नहीं है, जिसके 60 फीसदी हिस्से में घने जंगल हैं, लेकिन यह देश इतना अनाज-भोजन खुद उगाता है, जो इसकी पूरी आबादी के लिए पर्याप्त है। यह देश बाहर से कुछ नहीं मंगाता। इस देश में दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल ड्रॉप वॉटरफॉल है। 251 मीटर ऊंचा झरना यहीं पर है। दुनिया के महान क्रिकेटर इसी देश में पैदा हुए हैं। भारत से भी इस देश का गहरा नाता है।

हम बात कर रहे हैं दक्षिण अमेरिका के देश गुयाना की जिसकी कुल आबादी 8 लाख है। इसमें भारतीय मूल के लोग करीब साढ़े तीन लाख हैं। इसका क्षेत्रफल भारत के गुजरात राज्य के बराबर है पर आबादी बहुत कम है। यह देश खाद्यान्न के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर है।

नेचर फूड मैगजीन में प्रकाशित एक रिसर्च के मुताबिक, 186 देशों में से गुयाना इकलौता ऐसा देश है जो



अपने घरेलू उत्पादन से ही अपनी आबादी का पेट भर सकता है। खानपान की 7 श्रेणियों का खाद्यान्न गुयाना में होता है। ये खाद्यान्न श्रेणियां फल, सब्जियां, डेयरी, मछली, मांस, फलियां, मेवे, बीज और स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ हैं। इन सबका उत्पादन गुयाना में वहां की आबादी के लिए पर्याप्त रूप से होता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका, चीन, रूस और भारत जैसे बड़े कृषि प्रधान देश भी इन सातों श्रेणियों में आत्मनिर्भर नहीं हैं। अमेरिका केवल 4 श्रेणियों में, जबकि ब्रिटेन केवल 2 श्रेणियों में आत्मनिर्भर है।

गुयाना में गोल्ड का अकूत भंडार

गुयाना देश में क्रिकेट ही सबकुछ है। यहां के लोगों की आय का मुख्य स्रोत खेती है। यहां पर गन्ने की खेती सबसे ज्यादा होती है। यहां के लोग खेती करने में बहुत आगे हैं। यहां पर हनुमान मंदिर, हिंदू-रीति-रिवाज, त्योहार, छठ-दिवाली, दाल-रोटी सबकुछ देखने को मिल जाएगा. यहां पर गोल्ड का अकूत भंडार है। यहां के समुद्री तट, नाइट लाइफ आपको दीवाना बना लेगी. इस देश का ऑफिशियल नाम रिपब्लिक ऑफ गुयाना है। इस देश की 70 फीसदी आबादी गांव में रहती है। यहां की आधिकारिक भाषा अंग्रेजी है।

हजारों किमी उड़कर भी पक्षी कैसे नहीं भूलते अपना घोंसला

नई दिल्ली। प्रकृति ने इस धरती पर कई ऐसे अनूठे जीव और रहस्य बनाए हैं, जिन्हें देखकर आज भी इंसान दांतों तले उंगली दबा लेता है। इनमें से एक सबसे बड़ा आश्चर्य प्रवासी पक्षियों का सफर है। ये पक्षी हजारों किलोमीटर की लंबी उड़ान भरकर एक देश से दूसरे देश पहुंचते हैं, सर्दियों में गर्म इलाकों में आते हैं और मौसम बदलते ही वापस अपने पुराने घोंसले में लौट आते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि महीनों भटकने और आसमान की असीम ऊंचाइयों में उड़ने के बाद भी ये पक्षी कभी अपना रास्ता नहीं भूलते और ठीक उसी पेड़ की, उसी डाली के उसी



पुराने घोंसले पर आकर बैठ जाते हैं। मटर के दाने जितने छोटे दिमाग वाले इन पक्षियों के पास कोई जीपीएस या एडवांस मैप नहीं होता, फिर यह चमत्कार कैसे मुमकिन हो पाता है? सालों तक वैज्ञानिक इस बात से हैरान थे, लेकिन हाल के वर्षों में क्वांटम फिजिक्स और नैनोटेक्नोलॉजी के विकास ने इस गुत्थी को सुलझा लिया है।

यह चमत्कार कैसे मुमकिन?

वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, पक्षियों की आंखों में एक खास तरह का प्रोटीन पाया जाता है, जिसे 'क्रोमो प्रोटीन' कहा जाता है। 'क्रोमो' शब्द का संबंध रंगों से होता है। जब सूरज की रोशनी इन पक्षियों पर पड़ती है, तो उसमें मौजूद स्पेक्ट्रम (विबग्योर) की ब्लू (नीली) साइड वाली वेवलेंथ इस क्रोमो प्रोटीन पर स्ट्राइक करती है। इसके प्रभाव से प्रोटीन के अंदर मौजूद इलेक्ट्रॉन्स में वाइब्रेशन और शिफ्टिंग होती है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इसके बावजूद दोनों इलेक्ट्रॉन्स आपस में क्वांटम एंटेंगलमेंट की स्थिति में जुड़े रहते हैं।

दुनिया का रहस्यमयी गांव! जहां बिना कपड़ों के रहते हैं लोग

लंदन। दुनिया में कई जगहों की परंपराएं और रहन-सहन लोगों को हैरान करते हैं। आमतौर पर घर से बाहर जाते समय कपड़े पहनना जरूरी माना जाता है, लेकिन क्या आपको पता है ब्रिटेन में एक ऐसी जगह भी है, जहां लोग बिना कपड़ों के रहते हैं? यहां पर बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक एक अनोखी जीवनशैली अपनाते हैं। हैरानी करने वाली बात यह है कि इस अनोखी परंपरा का इतिहास करीब 90 साल पुराना है। यह जगह ब्रिटेन के हर्टफोर्डशायर में स्थित है, जिसका नाम स्पीलप्लाट्ज है। यह कोई सामान्य गांव नहीं है, बल्कि यह प्रकृतिवादी जीवनशैली अपनाने वाले लोगों का गांव है। यहां पर रहने वाले लोग शरीर को प्राकृतिक रूप में स्वीकार करने की सोच रखते हैं और बिना कपड़ों के रहना अपनी जीवनशैली का हिस्सा मानते हैं।













हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com